RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 3 अंक 218
फरीदाबाद, बृहस्पतिवार, 17 सितंबर, 2020
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए   YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

धोनी को फिर से खेलते हुए देखना शानदार होगा : सहवाग

स्पोर्ट्स -11

कोरोना मीटर

विश्व	
कुल	29,621,768
मौतें	936,156
ठीक	20,126,964
भारत	
कुल	50,66,050
मौतें	82,581
ठीक	39,81,182

स्रोत: www.covid19india.org

मौसम फरीदाबाद
अधिकतम 37.02°C
न्यूनतम 26.06°C

अर्थव्यवस्था हो रही चौपट दूसरी तिमाही में 22.5 फीसदी घटा कर संग्रह

एजेंसी। नई दिल्ली

आयकर विभाग के एक सूत्र के मुताबिक दूसरी तिमाही के लिए अग्रिम कर संग्रह सहित केंद्र सरकार का कुल कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में 15 सितंबर तक 2,53,532.3 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 22.5 फीसदी कम है।

आयकर विभाग के मुंबई क्षेत्र के एक सूत्र ने बुधवार को बताया कि बीते वित्त वर्ष में 15 सितंबर 2019 तक कुल कर संग्रह 3,27,320.2 करोड़ रुपये था। यह आंकड़ा अभी अंतिम नहीं है, क्योंकि बैंक दिन के अंत तक इसमें बदलाव कर सकते हैं। जून में खत्म हुई चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान कुल कर संग्रह 31 फीसदी घट गया था।

इस दौरान अग्रिम कर संग्रह में 76 फीसदी की भारी गिरावट देखने को मिली। कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिए देशभर में लागू किए गए पूर्ण लॉकडाउन के चलते यह गिरावट हुई। कुछ राज्यों ने जीएसटी राजस्व की कमी को पूरा करने के लिए केंद्र की प्रस्तावित उधार योजना पर आपत्ति जताई है। उनसे अनुरोध किया जा रहा है कि वे दोनों विकल्पों में से किसी एक का चुनाव करें। वित्त राज्यमंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने यह जानकारी दी। केंद्र ने पिछले महीने अंत में राज्यों को दो विकल्प दिए हैं कि वे रिजर्व बैंक की विशेष विंडो सुविधा से 97,000 करोड़ रुपये उधार लें या बाजार से 2.35 लाख करोड़ रुपये का कर्ज जुटायें। ठाकुर ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, 'कुछ राज्यों ने प्रस्तावित दोनों विकल्पों को लेकर आपत्ति जताई है। उनसे दोनों में से एक विकल्प का उपयोग करने का अनुरोध किया जा रहा है। एक अलग प्रश्न के उत्तर में, ठाकुर ने कहा कि 31 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का बकाया मुआवजा, अप्रैल-जुलाई अवधि में 1,51,365 करोड़ रुपये था।

31 फीसदी घट गया था जून में खत्म हुई पहली तिमाही के दौरान कुल कर संग्रह

बाबरी मस्जिद : 27 साल बाद 30 को आएगा फैसला

एजेंसी। अयोध्या

अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण शुरू हो गया है, लेकिन जिस जगह मंदिर बनाया जा रहा है, वहां विवादित ढांचा था और इसे गिराने के मामले में फैसला आने में अभी कुछ दिन बाकी हैं। 27 साल पहले अयोध्या में 6 दिसंबर 1992 को कारसेवकों ने बाबरी ढांचे को ढहा दिया था। इस मामले में लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और उमा भारती समेत कई बड़े नेता आरोपी हैं।

लखनऊ की विशेष अदालत इस मामले पर 30 सितंबर को फैसला सुनाएगी। सभी को फैसले के वक्त अदालत में मौजूद रहना होगा। ढांचा ढहाने के मामले में 6 दिसंबर 1992 को थाना राम जन्मभूमि में एफआईआर दर्ज की गई थी। इस केस में 49 लोगों को आरोपी बनाया गया। इनमें बाला साहेब ठाकरे, अशोक सिंघल, गिरिराज किशोर, विष्णुहरि डालमिया समेत 17 आरोपियों की मृत्यु हो चुकी है। आरोपियों में विनय कटियार, साध्वी ऋतंभरा, राम विलास वेदांती, साक्षी महाराज, विहिप नेता चंपत राय, महंत नृत्य गोपाल दास और अन्य भी शामिल हैं।

क्विक न्यूज

कार में अकेले चल रहे वकील को मास्क न पहनने पर थमाया चालान

नई दिल्ली। दिल्ली के एक वकील ने दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और अकेले कार चलाने के दौरान मास्क न पहनने के लिए उन पर लगाए गए 500 रुपये के जुर्माने की वापसी की मांग की है। साथ ही उन्होंने सार्वजनिक रूप से मानसिक प्रताड़ना दिए जाने के लिए सरकारी अधिकारियों से मुआवजे के रूप में 10 लाख रुपये की मांग की है। अपनी याचिका में वकील सौरभ शर्मा का कहना है कि उन्हें 9 सितंबर को पूर्वी दिल्ली के सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट द्वारा एक चालान जारी किया गया था, जबकि वह अकेले गाड़ी चला रहे थे।

दिल्ली दंगा: 20 हजार पन्नों की चार्जशीट दायर

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दिल्ली दंगों की साजिश रचने के मामले में 15 आरोपियों के खिलाफ कड़कड़डूमा कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। यह चार्जशीट 20 हजार पन्नों की है। बता दें कि दिल्ली पुलिस ने दंगों की साजिश रचने के मामले में 20 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें से 15 लोगों के खिलाफ पुलिस ने 20 हजार पन्नों की चार्जशीट फाइल की है। पुलिस ने सभी 15 आरोपियों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम कानून (यूएपीए), आईपीसी और आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत मामला बनाया है। स्पेशल सेल द्वारा दायर की गई इस चार्जशीट में उमर खालिद और शरजील इमाम का नाम नहीं है। दरअसल, इन दोनों को कुछ दिन पहले ही गिरफ्तार किया गया है इसलिए इनका नाम पूरक चार्जशीट में होगा।

कांग्रेस पहले समर्थन में थी अब राजनीति कर रही : नड्डा

नई दिल्ली। किसानों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए संसद के समक्ष तीन बिल (विधेयक) लाए गए हैं। इन विधेयकों पर जानकारी देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। नड्डा ने बताया कि सरकार किसानों के हित में तीन विधेयक लेकर आई है। इन विधेयकों को कृषि क्षेत्र में निवेश बढ़ाने के लिए लाया गया है। उन्होंने कहा कि पहले इन विधेयकों का कांग्रेस द्वारा समर्थन किया जा रहा था, लेकिन अब इस पर राजनीति की जा रही है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, किसानों के फायदे को ध्यान में रखते हुए संसद में तीन विधेयक लाए गए हैं। इसमें आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक, किसान व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) अध्यादेश और किसान (सशक्तिकरण और संरक्षण) समझौते पर मूल्य निर्धारण अध्यादेश शामिल है।

कारगिल विजय दिलाने वाली बोफोर्स तोप लद्दाख में मोर्चा संभालेंगी

बोफोर्स तोप देगी चीनियों को जवाब

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत और चीन के बीच सीमा पर जारी तनाव के बीच भारतीय सेना किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए अपनी तैयारियों में जुटी है। सेना ने अब बोफोर्स होवित्जर तोपों को तैयार करना शुरू कर दिया है। लद्दाख में बोफोर्स तोपों के लिए मेंटेनेंस केंद्र में सेना के इंजीनियर इन तोपों की सर्विसिंग कर रहे हैं।

बोफोर्स तोपों को ऑर्टिलरी रेजिमेंट में 1980 के दशक के मध्य में शामिल किया गया था। ये तोप उच्च और निम्न दोनों कोण (एंगल) से फायरिंग करने में सक्षम हैं। इनकी सर्विसिंग का काम पूरा होने के बाद इन्हें लद्दाख में तैनात किया जाएगा। इसके साथ ही भारतीय वायुसेना लद्दाख की फॉर्वर्ड पोस्ट तक जरूरी सामग्री पहुंचाने का काम कर रही है।

अधिकारियों के मुताबिक इन तोपों को समय-समय पर सर्विसिंग और मेंटेनेंस की जरूरत होती है। इसके लिए टेक्नीशियंस को तैनात किया गया है। बता दें कि जिस वर्कशॉप में यह काम होता है वहां के सेना के इंजीनियरों की यह जिम्मेदारी होती है कि आकस्मिक परिस्थिति में जरूरी पड़ने वाले सभी हथियारों की सर्विसिंग और मेंटेनेंस दुरुस्त रहे। बता दें कि इस तोप ने कारगिल युद्ध के दौरान अपने दम पर पूरे युद्ध का रुख ही बदल दिया था। ऊंचाई पर बैठे दुश्मनों को मार गिराने में इस तोप की फायर पावर ने बहुत मदद की थी। बढ़ते तनाव के बीच दोनों देशों की सेनाओं ने सीमा पर हथियारों और जवानों की तैनाती बढ़ाई है। भारत की तीनों सेनाएं चीन की हर हरकत पर नजर रख रही हैं।

सेना ने गर्म कपड़ों से लेकर तंबू तक का किया स्टॉक

लेह। लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर जारी सीमा विवाद के बीच भारतीय सेना ने यहां लंबे समय तक तैनाती के लिए कमर कस ली है। भारतीय सेना ने यहां कड़ाके की सर्दियों से निपटने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। सेना ने अपने जवानों के लिए गर्म कपड़ों को तैयार कर लिया है, जिनसे -50 डिग्री के तापमान में भी यहां डटे रहा जा सकता है। सेना ने हर उस साजो-सामान का स्टॉक कर लिया है, जो सर्दियों के दौरान अपने जवानों को सुरक्षित और सतर्क रखने के लिए आवश्यक है। सेना उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तैनात सैनिकों को बहुस्तरीय कपड़े प्रदान कर रही है।

मॉस्को मीटिंग से पहले तीन बार चलीं गोलियां

भारत-चीन के विदेश मंत्रियों की 10 सितंबर को मॉस्को में हुई मीटिंग से पहले लद्दाख में भारत और चीन के सैनिकों के बीच फायरिंग हुई थी। पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग सो झील के उत्तरी छोर पर दोनों तरफ से 100 से 200 राउंड हवाई फायर हुए थे। यह घटना रिजलाइन पर हुई थी, जहां फिंगर-3 और फिंगर-4 के इलाके मिलते हैं। चीनी मीडिया के मुताबिक पिछले हफ्ते तनाव चरम पर था, क्योंकि चीन ने कई इलाकों में सैनिकों और हथियारों की तैनाती बढ़ा दी थी। लेकिन, विदेश मंत्री जयशंकर और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच मॉस्को समझौते के बाद चीन ढीला पड़ गया था। पहली बार 29-31 अगस्त के बीच पैंगोंग झील के दक्षिणी छोर पर, दूसरी बार 7 सितंबर को मुखपारी हाइट्स इलाके में और तीसरी बार 8 सितंबर को पैंगोंग झील के उत्तरी छोर पर गोलियां चलीं। 45 साल बाद भारत-चीन सीमा पर गोलियां चलने की घटना हुई है। बताया जा रहा है कि एक-दूसरे के सैनिकों को रोकने के लिए दोनों तरफ से हवा में गोलियां चलाई गई थीं। हालांकि, 7 और 8 सितंबर की घटनाओं पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया।

कोरोना काल में मिली इजाजत: आज हरिद्वार में हरकी पैड़ी पर कर सकेंगे स्नान

एजेंसी। हरिद्वार

हरिद्वार में गुरुवार को पितृ अमावस्या पर श्रद्धालु सरकारी गाइड लाइन का पालन करते हुए हरकी पैड़ी पर गंगा स्नान कर सकेंगे। वहीं, पितृ अमावस्या के दिन नारायणी शिला पूरी तरह से सील रहेगी। आम श्रद्धालु गुरुवार को शिला में प्रवेश नहीं कर पाएंगे। बुधवार शाम को ही नारायणी शिला को सील कर दिया है।

श्राद्ध का समापन गुरुवार को पितृ अमावस्या के साथ हो रहा है। हरिद्वार में इस दिन बिजनौर, मुजफ्फरनगर, मुरादाबाद समेत आसपास के काफी संख्या में लोग स्नान और नारायणी शिला में कर्मकांड करने को पहुंचते थे। लेकिन इस साल कोरोना काल के कारण नारायणी शिला पर लगने वाले मेले पर रोक लगाई गई है। मंदिर के अलावा प्रशासन ने भी पांच दिन पहले इस पर निर्णय लिया था कि इस साल मेले पर रोक रहेगी। नारायणी शिला बंद होने के कारण यात्री अन्य गंगा घाटों पर कर्मकांड करा सकेंगे। हरकी पैड़ी, कुशावृत घाट समेत अन्य घाटों पर स्नान और कर्मकांड कराए जाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को कोसी रेल महासेतु का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को बिहार में ऐतिहासिक कोसी रेल महासेतु के साथ यात्री सुविधाओं से संबंधित रेल की 12 परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से जारी एक बयान में कहा गया कि वीडियो कॉन्फ्रेंस से होने वाले कोसी रेल महासेतु का उद्घाटन बिहार के इतिहास में एक ऐतिहासिक क्षण होगा क्योंकि यह इस क्षेत्र को पूर्वोत्तर भारत के राज्यों से जोड़ेगा। पिछले कुछ दिनों में प्रधानमंत्री ने बिहार में दर्जन भर से अधिक परियोजनाओं का सौगात दिया है।

बिहार में अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा के चुनाव होने हैं। निर्वाचन आयोग कभी भी राज्य में चुनाव की घोषणा कर सकता है। सूत्रों के मुताबिक अभी तक मोदी ने जिन परियोजनाओं का उद्घाटन या शिलानयास किया है उनकी लागत लगभग 16,000 करोड़ रुपये होगी। पीएमओ ने बताया कि वर्ष 1887 में कोसी क्षेत्र में निर्मली और भापतियाही के बीच मीटर गेज लिंक का निर्माण हुआ था, लेकिन 1934 में भारी बाढ़ और नेपाल में आए भूकंप में यह तबाह हो गया था। इसके बाद कोसी नदी की अभिशापी प्रकृति के चलते इस रेल मार्ग के पुनर्निर्माण का काम शुरू करने को कोई प्रयास नहीं किया गया।

कंगना ने जया से कहा, कि आपने कौन सी थाली दी

हीरो के साथ सोने के बाद ही मिलता है रोल

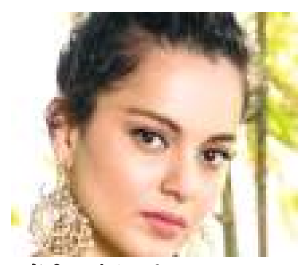

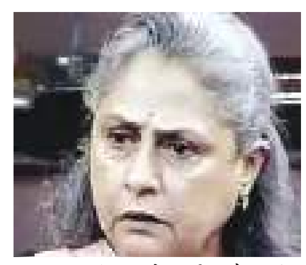

एजेंसी। नई दिल्ली

सुशांत सिंह राजपूत मामले में ड्रग्स एंगल सामने आने के बाद से ही फिल्म इंडस्ट्री में घमासान जारी है। ड्रग विवाद पर बॉलीवुड दो खेमों में बंट गया है और अब खुलकर जुबानी जंग हो रही है। जया बच्चन की ओर से संसद में दिए गए बयान ने तूल पकड़ लिया है।

दरअसल, जया बच्चन ने मंगलवार को राज्यसभा में अपने संबोधन के दौरान गोरखपुर से सांसद और अभिनेता रवि किशन पर जिस थाली में खाया उसी में छेद करने वाला आरोप लगाया था। इसी बयान पर अब कंगना ने ट्वीट के जरिए हमला किया है।

कंगना ने कहा है कि बॉलीवुड में एक्ट्रेस को दो मिनट के रोल में आइटम नंबर और रोमांटिक सीन मिलते हैं। उन्होंने ट्वीट किया, 'कौन सी थाली दी है जया जी और उनकी इंडस्ट्री ने? एक थाली मिली थी, जिसमें दो मिनट के रोल में आइटम नम्बर्स और एक रोमांटिक सीन मिलता था, वो भी हीरो के साथ सोने के बाद। मैंने इस इंडस्ट्री को फेमिनिज्म सिखाया, देश भक्ति, नारीप्रधान फिल्मों से थाली सजाई, यह मेरी अपनी थाली है, जया जी आपकी नहीं।'

भारतीय नेवी की पोल खुली

पाक नेवी ने भारत के इलाके से 45 मछुआरों को किडनैप किया

एजेंसी। गुजरात

भारत और चीन के बीच जारी तनाव के बीच भारतीय नेवी कितनी मुस्तैदी से अपनी समुद्री सीमाओं की रखवाली कर रही है, इस बात की पोल बुधवार को उस समय खुली, जब पाकिस्तान नेवी के जवान भारतीय सीमा में घुसकर 45 मछुआरों को किडनैप कर ले गए। वे आठ बोट भी अपने साथ ले गए। इनमें 6 बोट पोरबंदर की और 2 वेरावल की थीं। जानकारी के मुताबिक, सभी मछुआरों को कराची बंदरगाह ले जाया गया है।

पाकिस्तानी नेवी की इस हरकत से गुजरात के मछुआरे नाराज हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से दखल की मांग की। पाकिस्तान की नेवी की पकड़ में आने से बचे मछुआरों ने बताया कि वे भारतीय जल सीमा में ही मछलियां पकड़ रहे थे। इसी दौरान पाकिस्तानी नेवी ने उनके साथियों को बंधक बना लिया और अपने साथ ले गए। गुजरात की लंबी समुद्री सीमा पाकिस्तान से लगती है। पाकिस्तान की इस हरकत पर इंडियन कोस्ट-गार्ड भी सतर्क हो गए हैं।

भारत-चीन मसले पर केंद्र ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

एजेंसी। नई दिल्ली

लद्दाख में चीन के साथ जारी विवाद के बीच मोदी सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बैठक में कई राजनीतिक दलों के नेता शामिल होंगे। यह बैठक रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के द्वारा चीन के साथ विवाद पर लोकसभा में दिए गए बयान के बाद हो रही है।

संसद सत्र में सरकार की ओर से बयान दिया गया है, लेकिन विपक्ष की ओर से पूरे विवाद पर विस्तार से चर्चा की मांग की जा रही थी। जिसको लेकर कांग्रेस ने लोकसभा में विरोध भी जताया, अब सरकार की ओर से चर्चा के लिए इस बैठक को बुलाने पर जोर दिया गया है। जब मॉनसून सत्र की शुरुआत हुई और प्रश्नकाल को रद्द किया गया तब भी कांग्रेस, टीएमसी समेत कई विपक्षी पार्टियों ने सरकार को घेरा और चीन के मसले पर भागने का आरोप लगाया। लोकसभा में राजनाथ सिंह ने अपने बयान में कहा था कि लद्दाख में स्थिति गंभीर है और चीन एलएसी की मौजूदा स्थिति को बदलने की कोशिश कर रहा है। राजनाथ सिंह ने अप्रैल से अब तक की सभी जानकारी देते हुए कहा कि हम इस विवाद को बातचीत से सुलझाना चाहते हैं, लेकिन अगर परिस्थिति बदली तो भारतीय सेना तैयार है।

स्पेशल पेज-12

विज्ञापन के लिए करें संपर्क
Rakesh Kapoor 9582468441

865 करोड़ की लागत से टाटा बनाएगी संसद भवन की नई बिल्डिंग

एजेंसी। नई दिल्ली

संसद की नई इमारत बनाने का कॉन्ट्रैक्ट टाटा कंपनी को मिला है। 865 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इमारत का कॉन्ट्रैक्ट बुधवार को टाटा ने हासिल कर लिया है। एक अधिकारी के मुताबिक, इमारत का निर्माण 21 महीने में पूरा होने की उम्मीद है। यह इमारत पार्लियामेंट हाउस स्टेट के प्लॉट नंबर 118 पर बनाई जाएगी।

इस इमारत का मास्टर प्लान पिछले साल तैयार किया गया था। राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट के बीच संसद के दोनों सदनों के लिए ज्यादा सदस्यों की क्षमता वाली नई इमारतें बनाई जाएंगी। साथ ही केंद्रीय सचिवालय के लिए 10 नई इमारतें बनाई जाएंगी। राष्ट्रपति भवन, मौजूदा संसद भवन, इंडिया गेट और राष्ट्रीय अभिलेखागार की इमारत को वैसा ही रखा जाएगा। हालांकि, मास्टर प्लान तैयार होते वक्त केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने स्पष्ट कर दिया था कि ये प्लान अंतिम नहीं है।

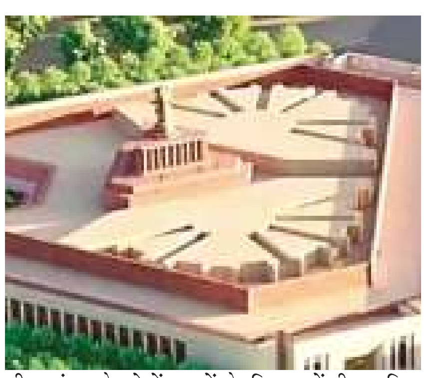

ऐसा होगा नया संसद भवन

- लोकसभा की नई इमारत में सदन के अंदर 900 सीटें होंगी। ऐसा इसलिए किया जा रहा है, ताकि भविष्य में लोकसभा में सीटें बढ़ती हैं तो दिक्कत न हो।
- नए सदन में दो-दो सांसदों के लिए एक सीट होगी, जिसकी लंबाई 120 सेंटीमीटर होगी। यानी एक सांसद को 60 सेमी की जगह मिलेगी।
- संयुक्त सत्र के दौरान इन्हीं दो सीटों पर तीन सांसद बैठ सकेंगे। यानी कुल 1350 सांसद बैठ सकेंगे। राज्यसभा की नई इमारत में 400 सीटें होंगी।
- देश की विविधता दर्शाने के लिए संसद भवन की एक भी खिड़की किसी दूसरी खिड़की से मेल खाने वाली नहीं होगा। हर खिड़की अलग आकार और अंदाज की होगी।
- प्रधानमंत्री आवास साउथ ब्लॉक की मौजूदा इमारत के पीछे बनेगा।

पीएम आवास : साउथ ब्लॉक की मौजूदा इमारत के पीछे नया पीएमओ बनेगा। उसी के पीछे प्रधानमंत्री आवास बनेगा। अभी प्रधानमंत्री आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर है। इस आवास को साउथ ब्लॉक के पास बनाने से सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि प्रधानमंत्री के अपने आवास से दफ्तर और संसद आने-जाने के लिए ट्रैफिक नहीं रोकना पड़ेगा।

Good Morning!

फरीदाबाद पायनियर

हरियाणा, बृहस्पतिवार 17 सितंबर 2020 | ग्रेटर फरीदाबाद • सराय • एनआईटी इंडस्ट्रियल एरिया • बल्लभगढ़ • तिगांव • पलवल | ई-पेपर www.pioneerhindi.com

-राइट विजन-

जरा सी लापरवाही बरतने पर नुकसान पहुंचा सकता है कोरोना : डॉ. राकेश

लंबे लॉकडाउन के बाद कोरोना वायरस की वजह से हम और ज्यादा दिनों तक घर नहीं बैठ सकते हैं। वैक्सीन के अभाव में हमें कोरोना के साथ जीते हुए ही अपने जरूरी काम करने होंगे। कोरोना से बचने के लिए हमें सरकार द्वारा जारी की गई गाइडलाइंस का पालन करना होगा। नियमों का पालन करने में लापरवाही बरतने से कोरोना हमें नुकसान पहुंचा सकता है। जानबूझ कर नियम तोड़ने वाले लोगों को समझना होगा कि यदि लापरवाही से किसी अपने को खो दिया तो पछताने के अलावा कुछ नहीं मिलेगा। ये कहना है क्यूआरजी सेंट्रल अस्पताल के हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. राकेश कुमार का। **पेश है पायनियर के वरिष्ठ संवाददाता राजेश दास और डॉ. राकेश कुमार की बातचीत के अंश :-**

जीवन परिचय

नाम	: डॉ. राकेश कुमार
जन्मदिन	: 3 जनवरी
पिता	: लक्ष्मी प्रसाद सिंह
माता	: सरस्वती देवी
पत्नी	: डॉ. केएस अनामिका
परिवार	: बेटी नायशा व बेटा दर्श
स्कूल	: 12 वीं - डीपीएस स्कूल, बोकारो, झारखंड
उच्चशिक्षा	: एमबीबीएस- मेडिकल कॉलेज ब्रहमपुरी, उड़ीसा, एमएस ओर्थो - पीएमसीएच, पटना

सवाल : आपने किसकी प्रेरणा से डाक्टर का पेशा अपनाया।

जवाब : मेरे दादाजी चंद्रेश्वर प्रसाद सिंह टीचर थे। वे मुझे शुरू से ही डाक्टर बनने के लिए प्रेरित करते थे। परिवार के अन्य सदस्य और दोस्त भी मुझे डाक्टर बनने के लिए काफी प्रेरित करते थे।

सवाल : शिक्षा के दिनों में क्या आप अन्य गतिविधियों में भी हिस्सा लेते थे।

जवाब : में कॉलेज की क्रिकेट टीम में शामिल था। साथ ही मुझे दौड़ने का काफी शौक था। मैं कई बड़ी मैराथन दौड़ में हिस्सा ले चुका हुं। अब अक्सर मैराथन दौड़ में हिस्सा लेता रहता हुं।

सवाल : एमएस ऑर्थो के बाद आपने और क्या एडवांस कोर्स किए हैं।

जवाब : मैंने अलग अलग समय में ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी और साउथ अफ्रीका से ऑर्थोस्कोपिक सर्जरी और स्पोटर्स इंजरी के कोर्स किए हैं। स्पोर्टस इंजरी के इलाज में मेरी खास रूचि रही है।

सवाल : आपने करियर की शुरूआत कब और कैसे की।

जवाब : वर्ष 2008 में मैंने दिल्ली के आपोलो अस्पताल में काम करना शुरू किया था। वर्ष 2011 में मैं फरीदाबाद के एशियन अस्पताल में आ गया था। वर्ष 2017 में मैने क्यूआरजी हेल्थ केयर ज्वाइंन किया। एक साल से मैं क्यूआरजी सेंट्रल अस्पताल में कार्यरत हुं।

सवाल : वर्तमान में हड्डी से संबंधित किस तरह के मरीज सामने आ रहे हैं।

जवाब :कोरोनाकाल में वर्क एट होम की वजह से लोगों का घरों से निकलना और चलना फिरना काफी कम हो गया है। ऐसे में गर्दन, कंधे, पीठ और जोड़ों में दर्द की समस्या बढ़ रही है। नियमित व्यायाम करके इन बीमारियों से बचा जा सकता है।

सवाल : महिलाओं में हड्डी से संबंधित किस तरह की समस्या सामने आ रही हैं।

जवाब : पुरूषों के मुकाबले महिलाओं के टिसू और हड्डियां कमजोर होती है। यह समस्या हारमोंस की वजह से है। ऐसे में घरेलू काम काज करने के दौरान कई बार महिलाओं को स्पोर्टस इंजरी की तरह लिगामेंट इंजरी हो जाती है। व्यायाम और अभ्यास से इस समस्या से बचा जा सकता है।

सवाल : लॉकडाउन के दौरान आपने किस तरह लोगों की मदद की।

जवाब : लॉकडाउन में हम लगातार आपातकालीन सर्जरी करते रहे थे। कई बार तो कोरोना टेस्ट कराए बिना भी सर्जरी करनी पड़ी है। इस दौरान सड़क दुर्घटना में घायल एक सुरक्षा कर्मी के पास पैसे न होने के बावजूद उसकी सर्जरी की गई। इसके अलावा मैने अपने स्तर पर जरूरतमंद लोगों को मास्क, सैनिटाइजर और जरूरत का सामान वितरित किया था।

सवाल : वर्तमान स्थिति में हम कोरोना से कैसे जीत सकते हैं।

जवाब : कोरोना से बचने के लिए हमें सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क का उपयोग और स्वच्छता के नियमा को ईमानदारी के साथ पालन करना होगा।

सवाल : क्या लॉकडाउन ठीक समय पर हुआ था।

जवाब : सरकार ने ठीक समय पर ठीक कदम उठाया था। लॉकडाउन में देरी करने से काफी नुकसान हो सकता था। इस दौरान सरकार को बीमारी से निपटने की तैयारी करने का पूरा समय मिल गया।

शहर का तापमान

- अधिकतम 38.03 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 28.05 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज

- सैनिक कालोनी स्थित कम्प्युनिटी सेंटर में रक्तदान शिविर : सुबह 9 बजे
- बीके चौक पर आशा वर्करों का धरना : सुबह 10 बजे
- सेक्टर-12 में पीटीआई टीचरों का धरना: सुबह 11 बजे
- बीके अस्पताल में कोरोना जांच व ओपीडी : सुबह 8 बजे

निवेश गुरु

सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम

पोस्ट ऑफिस की तरफ से बेस्टसेलर के रूप में यह स्कीम रिटायर्ड लोगों के लिए निवेश का पसंदीदा है। यह सेवानिवृत लोगों के लिए आय का नियमित ीत भी है। इस स्कीम की अवधि पांच साल है जिसे तीन साल के लिए और बढ़ाया जा सकता है. इसमें हालांकि प्रति व्यक्ति 15 लाख रुपये की अधिकतम निवेश सीमा है। यह 60 साल से अधिक उम्र के निवेशकों के लिए ही खुली है।

यूटीलिटी न्यूज

ओजोन परत के संरक्षण की अपील

फरीदाबाद। एनएच-तीन स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की सैंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड, जूनियर रेडक्रॉस और गाइडस ने मिलकर प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा की अध्यक्षता में विश्व ओजोन दिवस पर ओजोन परत संरक्षण के लिए प्रेरणा कार्यक्रम आयोजित किया। जूनियर रेडक्रॉस काउंसलर और प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचन्दा ने कहा कि 16 सितंबर को विश्व ओजोन दिवस मनाया जाता है। यह ओजोन परत के बारे में लोगों में जागरूकता फैलाने और इसे संरक्षित करने के संभावित समाधानों की खोज करने के लिए मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि ओजोन ऑक्सीजन के तीन परमाणुओं से मिलकर बना हुआ एक ऑप्शन है, गैस है।

क्विक न्यूज

जीएफ इलेवन ने जीता मैच

फरीदाबाद। 14वां रविंद्र फागना संडे कॉरपोरेट क्रिकेट मैच मे जी एफ इलेवन ने एकलव्य क्रिकेट क्लब को 5 विकेट से हराया। यह मुकाबला रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी पाली स्थित मैदान पर खेला गया। इस मौके पर बीबीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया कि यह मैच 20 -20 ओवर का था। ये मैच जीएफ इलेवन ओर एकलव्य क्रिकेट क्लब के साथ खेला गया। एकलव्य क्रिकेट क्लब ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का निर्यण लिया। एकलव्य क्रिकेट क्लब टीम की ओर बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 19 ओवर में 10 विकेट पर 95 रन बनाए। टीम की और बल्लेबाजी करते हुए अमन ने 21 रन, गोल्डी ओर जितेंद्र जैनवाल ने 13-13 रन बनाए।

कंगाल एचएसवीपी की अरबों की जमीन पर कब्जे

हूडा की अरबों रुपये की व्यवसायिक जमीन पर निजी कंपनी का कब्जा

राजेश दास। फरीदाबाद

किसानों को बढ़े हुए मुआवजे की रकम देने के नाम पर हूडा (हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण) के अधिकारियों द्वारा पिछले काफी समय से कंगाली का रोना रोया जा रहा है। एक तरफ हूडा अपनी कंगाली को दूर करने के लिए करने के लिए भूमि बैंक बनाने के दावे कर रहा है। वहीं दूसरी तरफ हूडा की अरबों रुपये की बेशकमीती जमीनों पर कब्जे हो चुके हैं। हूडा द्वारा सेक्टर 21सी में बिल्डिंग मैटेरियल मार्केट भाग दो कुछ साल पहले विकसित किया था। यहां हूडा ने विकास कार्यों पर लाखों रुपये खर्च किए थे। लेकिन हूडा ने यहां काटे गए प्लॉटों की नीलामी आज तक नहीं की। फिलहाल इस मार्केट की जमीन में एक निजी कंस्ट्रेक्शन कंपनी ने अपना स्टॉक यार्ड बनाया हुआ है। ऐसे में यहां बनाई गई सड़कें भी पूरी तरह टूट चुकी है। इसके अलावा हूडा के कई अन्य सेक्टरों में भी बेशकीमती जमीनों पर अवैध कब्जे हैं। इन स्थानों पर नगर निगम द्वारा विकास कार्य भी करवाए गए ।

दिखावे की कंगाली

अजरौंदा और दौलताबाद की जमीन अधिग्रहण करने के बाद हूडा ने सेक्टर 20ए और 20बी विकसित की थी। हूडा ने इन दोनों ही सेक्टरों पर काटे जा चुके ज्यादातर प्लॉटों की बिक्री भी कर दी है। वहीं कुछ खाली प्लॉटों पर लोगों ने अवैध तरीके से कब्जे कर लिए हैं। इन दोनों ही गांवों के किसान पिछले लंबे समय मुआवजे की बढ़ी हुई रकम की मांग को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। अदालत भी इन किसानों के पक्ष में अपना फैसला दे चुका है, लेकिन किसानों को मुआवजा देने के नाम पर हूडा की तरफ से हर बार कंगाली का रोना रो कर टालने का प्रयास किया जा रहा है। इसी तरह हूडा ने ग्रेटर फरीदाबाद में आईएमटी के विकास के लिए भी किसानों की जमीन अधिगृहित की थी। इन पांच गांवों के किसान भी मुआवजे की बढ़ी हुई रकम और अन्य मांगों को लेकर पिछले कई सालों से धरने प्रदर्शन करते आ रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद हूडा न तो किसानों को पैसा दे रहा है और न ही अन्य मांगों को पूरा कर रहा है।

स्पष्ट जवाब नहीं

आरटीआई कार्यकर्ता विष्णु गोयल का कहना है कि हूडा की जमीनों के संबंध में एक आरटीआई दायर की गई थी। लेकिन हूडा ने इस आरटीआई का आधा-अधूरा जवाब देकर खानापूर्ति कर दी। क्योंकि वास्तव में हूडा के पास अपनी जमीनों का स्पष्ट डाटा मौजूद ही नहीं है।

अब भूमि बैंक

हूडा के सेक्टर-48, सेक्टर 21सी, सेक्टर-46 और अन्य कई सेक्टरों में मौजूद बेशकीमती जमीनों पर लोगों ने अवैध रूप से कब्जे किए हुए हैं। कई स्थानों पर लोगों ने प्लॉटिंग कर कालोनियां काटी हुई हैं। इनमें से अनेक मामले अदालत में विचाराधीन है। जिन मामलों में अदालत हूडा के पक्ष में अपना फैसला दे चुका है, उन जमीनों से भी कब्जे हटावाने के लिए हूडा के अधिकारियों की तरफ से कोई रूचि नहीं दिखाई जाती। विभागों के तालतेल के अभाव में हूडा की जमीनों पर अवैध रूप से बनाई गई कालोनियों में नगर निगम द्वारा विकास कार्य तक करवाए जाते हैं। निगम द्वारा कभी स्लम के नाम पर तो कभी अन्य योजनाओं की आड़ में सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती है। वहीं दूसरी तरफ अब हूडा अपनी कंगाली दूर करने के लिए भूमि बैंक बनाने के दावे कर रहा है। भूमि बैंक बन जाने के बाद हूडा लंबित जमीनों की नीलामी करने की बात कर रहा है। जबकि वास्तव में हूडा के पास अपनी ही जमीनों का डाटा मौजूद नहीं है। जिन जमीनों की नीलामी कर तुरंत धन अर्जित किया जा सकता है, उन पर ध्यान देने की जरूरत महसूस नहीं की जा रही है।

फिजूल की कंगाली

हूडा अथवा एचएसवीपी चाहे तो चंद दिनों में अपनी कंगाली दूर कर सकता है। लेकिन हूडा के अधिकारी इस ओर ध्यान देने की जरूरत ही महसूस नहीं कर रहे हैं। कुछ साल पहले सेक्टर 21 सी में हूडा द्वारा बिल्डिंग मैटेरियल मार्केट भाग दो विकसित किया गया था। इस मार्केट में हूडा की तरफ से छोटे बड़े करीब 100 प्लॉट काटे गए थे। साथ ही हूडा ने यहां सड़कों के निर्माण पर एक करोड़ 20 लाख रुपये भी खर्च किए थे। लेकिन इसके बावजूद हूडा ने आज तक इन प्लॉटों की नीलामी करने की कोई जरूरत महसूस नहीं की। जबकि इसके साथ ही मौजूद मार्बल मार्केट में 250 गज के एक प्लॉट की नीलामी तीन करोड़ रुपये में हो चुकी है। हूडा यदि बिल्डिंग मैटेरियल मार्केट के प्लॉटों की नीलामी करता है तो अरबों रुपये सरकारी खजाने में आ सकते हैं। लेकिन इस मार्केट की जमीन पर एक निजी कंस्ट्रेक्शन कंपनी ने अवैध तरीके से अपना स्टॉक यार्ड बनाया हुआ है। मार्केट में भारी भरकम सामान रखने की वजह से हूडा द्वारा बनाई गई सड़के भी अब टूट कर जर्जर हो चुकी हैं।

फोटो : राजेश पुंजानी

पलवली नरसंहार : न्याय की राह में रोड़ा बना कोरोना

न्याय पाने की आस में पीड़ित परिवार को एक-एक दिन काटना पड़ रहा भारी

अपने परिजनों के साथ मिलकर गांव के पांच लोगों की सरेआम गोली मारकर कर दी थी हत्या

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

आज से ठीक तीन साल पहले ग्रेटर फरीदाबाद के गांव पलवली में मामूली सी बात को लेकर हुए विवाद में गांव की महिला सरपंच के पति ने अपने परिजनों के साथ मिलकर गांव के पांच लोगों ने सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस वारदात में महिला समेत पांच अन्य लोग घायल भी हुए थे। अदालत में चल रहा यह मामला अपने मुकाम पर पहुंचने ही वाला था कि कोरोना वायरस के कारण लॉकडाउन लग गया। न्याय पाने की आस में पीड़ित परिवार के लिए एक एक दिन काटना भारी पड़ रहा है।

क्या है मामला

17 सितंबर 2017 को गांव की सरपंच नेहा के पति बिल्लू और ग्रामीण हरप्रसाद की गाड़ी आमने-सामने आने पर दोनों के बीच मामूली नोंक झौंक हुई थी। जिसके बाद हरप्रसाद अन्य रास्ते से घर लौट आया। रात को वह इस मामले को लेकर परिवार के सदस्यों के साथ बैठकर विचारा विमर्श कर रहा था। तभी सरपंच पति अपने परिजनों के साथ वहां आ धमका। आरोपियों ने आते ही बातचीत कर रहे लोगों पर ताबड़ तोड़ फायरिंग कर दी। जिससे हरप्रसाद के परिजन श्रीचंद, राजेंद्र व ईश्वर की मौके पर ही मौत हो गई थी।

जबकि एक महिला समेत पांच लोग घायल हो गए थे। पड़ोसी नवीन और देव घायलों को उठाने पहुंचे तो आरोपियों ने उनकी भी गोली मारकर हत्या कर दी थी।

21 आरोपी जेल में

पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने इस मामले में 28 लोगों के खिलाफ हत्या, हत्या का प्रयास और अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। पुलिस ने बाद में सभी आरोपियों को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया था। न्यायिक हिरासत के दौरान जेल में एक आरोपी की मौत हो चुकी है। अन्य 27 आरोपियों में से दो महिला और चार पुरूषों समेत छह लोग जमानत पर बाहर आ चुके हैं। जबकि मामले में आरोपी बनाए गए अन्य 21 लोग अभी जेल में बंद हैं।

न्याय का इंतजार

पलवली गांव निवासी पीड़ित परिवार के सदस्य बिजेंद्र शर्मा ने बताया कि अदालत में यह मामला करीब करीब अंतिम चरण में हैं। मामले में दो तीन लोगों की गवाही शेष थी। उसी दौरान कोरोना वायरस की वजह से लॉकडाउन लग गया। अभी अदालतों में कामकाज पूरी तरह बहाल नहीं हो पाया है। जिससे न्याय मिलने में देरी हो रही हैं। पीड़ित परिजनों ने आरोपियों को सख्त से सख्त सजा देने की मांग कर रहा है।

दिल्ली चैलेंजर ने 19 रन से जीता मैच

फरीदाबाद। पहला रविंद्र फागना टी-20 क्रिकेट लीग में दिल्ली चैलेंजर क्रिकेट क्लब ने एफसीसी (गुरुग्राम) को 19 रन से हराया। यह मुकाबला रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी स्थित मैदान पर खेला गया। बीबीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया कि ये मैच 20-20 ओवर का है। दिल्ली चैलेंजर क्रिकेट क्लब ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाज़ी करने का निर्यण लिया। दिल्ली चैलेंजर क्रिकेट टीम की ओर बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 186 रन बनाए। टीम की और बल्लेबाजी करते हुए अभिजीत शर्मा ने 75 रन, अंकित तिरुपाठी ने 34 रन और कार्तिक ने 33 रन बनाए। एफसीसी (गुरुग्राम) टीम की और से गेंदबाजी करते हुए सन्नी भड़ाना ने 2 विकेट ललित, राजेश, प्रदीप देवतवाल और राहुल गुर्जर ने 1-1 विकेट लिए। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए एफसीसी (गुरुग्राम) टीम को 20 ओवर में 9 विकेट पर 167 रन बनाकर हार का सामना करना पड़ा। टीम की और से बल्लेबाजी करते हुए नितिन रूहेला ने 50 रन, अनिल हरसाना ने 34 रन और बिट्टु गुर्ज़र विकास ने 13 रन बनाए।

संक्षिप्त समाचार

डीएवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में वृक्षारोपण अभियान

फरीदाबाद। पेड़ लंबे समय से चर्चा का विषय रहे हैं और इसमें कोई आश्चर्य नहीं है, वे जीवन, विकास, शांति और प्रकृति का प्रतिनिधित्व करते हैं। विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर प्रकृति में योगदान देने के लिए एनएच-तीन स्थित डीएवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ने 16 सितंबर को वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। कोरोना अवधि के सभी मानदंडों और दिशा-निर्देशों के पालन के साथ यह वृक्षारोपण दो चरणों में आयोजित किया गया। पहले चरण में, डीएवीआईएम रोटारैक्ट क्लब और एनएसएस इकाई के स्वयंसेवकों और दीक्षा स्माइल फाउंडेशन के सहयोग से डीएवीआईएम के संकाय सदस्यों ने मस्जिद के पास सड़क के किनारे पर 40 पौधे लगाए। दूसरे चरण में, संस्थान के परिसर में सभी कर्मचारियों को लगभग 150 पौधे वितरित किए गए। डीएवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के प्रिंसिपल डायरेक्टर डॉ. संजीव शर्मा ने कोविड-19 की कठिन परिस्थितियों के दौरान भी पेड़ लगाने की इतनी अच्छी पहल करने के लिए डीएवीआईएम पर्यावरण केंद्र और हृस्स की टीमों के प्रयासों की सराहना की और दोहराया की छात्र भविष्य में भी इस तरह के आयोजन करते रहें, ताकि हमारी धरती को बचाया जा सके। डॉ संजीव शर्मा और डीएवीआईएम की पूरी बिरादरी ने इस नेक काम में हमारे साथ योगदान देने के लिए दीक्षा स्माइल फाउंडेशन का आभार व्यक्त किया।

रावल अकैडमी ने जीता एक विकेट से मैच

फरीदाबाद। सेक्टर-62 स्थित रॉयल क्रिकेट अकेडमी के ग्राउंड में प्रेक्टिस मैच खेला गया। इस बारे में जानकारी देते हुए क्रिकेट कोच सुनील चौधरी ने बताया कि यह मैच रॉयल क्रिकेट अकैडमी और रावल क्रिकेट अकैडमी के बीच खेला गया। जिसमें रॉयल क्रिकेट अकैडमी ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का निर्णय लिया। जिसमें रॉयल क्रिकेट अकैडमी ने 34.1 ओवर में 192/10 रन बनाए। जिसमें विशु कौशिक ने 12 चौकों और एक छक्के की मदद से 75 गेंदों पर 74 रन बनाये। आशीष ने 37 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 34 रन बनाये। वहीं रावल के बॉलर सन्नी और ऋषि ने 2-2 विकेट लिये। लक्ष्य का पीछा करते हुए रावल अकैडमी की तरह से फ 31.1 ओवर में 193/9 रन बनाये। जिसमें योगेश बहल ने 55 गेंदों में 86 रन 12 चौकों और तीन छक्कों की मदद से मनाये। वही दिपेश सैनी ने 57 गेंदों पर 10 चौको की मदद से 52 रन बनाये। रॉयल के गेंदबाज रिकि और धीरज ने तीन-तीन विकेट लिये। अंत में यह मैच रावल क्रिकेट अकैडमी ने 1 विकेट से जीत लिया। मैन ऑफ द मैच योगेश बहल को दिया गया।

1600 मीटर दौड़ आयोजित

फरीदाबाद। हथीन क्षेत्र के स्वामीका गांव में सेना में भर्ती होने वाले युवाओं के लिए 1600 मीटर दौड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। गांव वासियों और एसडी अकादमी स्वामीका के निमन्त्रण पर दौड प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि जिला एथलेटिक संघ पलवल के कार्यकारी अधिकारी सत्यवीर धनखड रहे। एसडी अकादमी के कोच विनीत पटेल, नितिन बैंसला और तारा चंद की देखरेख में दौड का आयोजन कराया गया। इस दौड में हथीन क्षेत्र गांवों से 300 से ज्यादा युवाओं ने भाग लिया। इस दौड प्रतियोगिता में पहले 20 विजेताओं को ब्लाक समिति वार्ड 27 से संभावित उम्मीदवार सतीश शर्मा के द्वारा नकद पुरस्कार और टी शर्ट वितरित की गई। सतीश शर्मा ने कहा कि यह दौड केवल सेना में भर्ती होने वाले युवाओं के लिए कराई गई है जिससे युवाओं में सेना में जाने का जोश बना रहे। सतीश शर्मा ने बताया कि आने वाले समय में खिलाड़ियों के लिए भी जिला स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जाएगा, जिससे बच्चे पढाई के साथ खेलों में भी रुचि लें। सत्यवीर धनखड ने युवाओं से कहा कि वह सेना में भर्ती होने की तैयारी करते रहें परन्तु खेलों की तरफ भी अपना रुझान बढाएं। जिला स्तर और राज्य स्तर पर होने वाली खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर खेल कोटे से भी भर्ती देखने का एक अन्य विकल्प भी मौजूद रहेगा। प्रथम स्थान परवीन कुमार, दूसरा स्थान राशिद, तीसरा स्थान मोहन, चौथे स्थान पर कृष्णपाल और मौनू ने पांचवां स्थान प्राप्त किया।

युवा प्रेरणा दिवस पर संबोधित करेंगे मुख्यमंत्री

फरीदाबाद। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 70वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'युवा प्रेरणा दिवस' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे। जिसका आयोजन आत्म-निर्भर भारत अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री कार्यक्रम को संबोधित करेंगे तथा 'आत्मनिर्भर भारत' में युवाओं की भूमिता तथा भागीदारी को लेकर अपने विचार रखेंगे। इस संबंध में जानकारी देते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान देश को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच की है, जिसका संपूर्ण जीवन तथा एक साधारण पृष्ठिभूमि से देश के प्रधानमंत्री बनने तक संघर्ष युवाओं के लिए प्रेरणा है। देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए उनकी दूरदर्शी सोच और मिशन का समर्थन करते हुए विश्वविद्यालय ने 17 सितंबर 2020 का दिन 'युवा प्रेरणा दिवस' के रूप में मनाने की पहल की है।कुलपति ने बताया कि इस दिन विश्वविद्यालय 'मोदी-फाय विद बोस' शीर्षक के साथ कॉर्पोरेट लीडर्स के लिए ऑनलाइन ग्लोबल टाउनहॉल (बैठक) का आयोजन करेगा, जिसमें विश्वविद्यालय तथा संबद्ध कालेजों के विद्यार्थी डिजिटल माध्यमों से कार्यक्रम से जुड़ेंगे। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण विश्वविद्यालय के यूट्यूब चैनल पर किया जायेगा।

एएनएम के थानेदाराना व्यवहार का विरोध करने वाले व्यक्ति पर मुकदमा

पॉजिटिव ने एएनएम पर लगाया घर आकर किया हंगामा करने का आरोप

कविता। फरीदाबाद

बल्लभगढ़ सिविल अस्पताल के अंतर्गत आने वाली भीकम कालोनी की एक एएनएम ने मंगलवार को पॉजिटिव आये एक व्यक्ति पर गली गलौज करने, जान से मारने की धमकी देने, बिना मास्क के बाहर घूमने, किसी अन्य व्यक्ति के साथ गाड़ी में बैठक जाने और कोरोना फैलाने का मामला दर्ज करवाया है। वही पॉजिटिव व्यक्ति का कहना है कि एएनएम ने उस पर झूठा मामला दर्ज करवाया है।

यह थी घटना

42 वर्षीय पॉजिटिव व्यक्ति ने पायनियर को बताया कि वह सेक्टर-आठ स्थित एक निजी अस्पताल के एडमिन के ब्रांडिंग विभाग में तैनात है। एएनएम ने उन पर झूठा मामला दर्ज करवाया है। एएनएम ने जब उन्हें फोन किया, उस समय उसका फोन दूसरे कक्ष में चार्जिंग पर लगा था। फोन न उठाने पर वह बिना मास्क के परिचय दिए बिना घर में पहुंच गई और उल्टा सीधा बोलने लगी। परिचय मांगने पर उसने नहीं बताया। उन्होंने उसे मास्क लगाने और घर से जाने के लिए कह दिया। जिस पर वह भड़क कर मुंह पर चुन्नी बांधते हुए उन्हें भला-बुरा कहते हुए हंगामा करने लगी। लोगों की भीड़ लगने पर एएनएम ने उसे पॉजिटिव बताते हुए हंगामा मचाना शुरू कर दिया। एएनएम द्वारा किए जा रहे हंगामे के दौरान उसने महिला थाने की एसएचओ इंदु को फोन पर शिकायत दी। जिस पर उन्होंने कहा कि इसकी शिकायत वह सिटी बल्लभगढ़ थाने में दें। जिसके बाद उन्होंने सिविल अस्पताल के एसएमओ डॉ. मान सिंह को हंगामे की जानकारी दी। एसएमओ ने मामला शांत करने का दबाव बनाते हुए एएनएम को समझाने की बात कही। जिस पर वह चुप होकर घर में क्वारेंटाइन हो गए।

दर्ज कराई एफआईआर

भीकम कालोनी की एक एएनएम ने मंगलवार को पॉजिटिव आये एक व्यक्ति पर गली गलौच करने, जान से मारने की धमकी देने और बिना मास्क के बाहर घूमने, किसी अन्य व्यक्ति के साथ गाड़ी में बाहर बैठकर जाने और कोरोना फैलाने का मामला दर्ज करवाया है।

एएनएम से पंगा

डॉ. मान सिंह ने बताया कि आरोपी पॉजिटिव व्यक्ति ने एएनएम से दुर्व्यवहार करने की सूचना मिलने पर वह स्वयं डॉ. एके यादव के साथ मौके पर पहुंचे, तो आरोपी व्यक्ति ने उन्हें कुछ नहीं कहा, बल्कि एएनएम से ही उनके सामने को ही उल्टा-सीधा बोल रहा। आरोपी पर मामला दर्ज करवाया गया है।

मतदाता सूचियों का पुनर्रीक्षण 15 नवंबर से

फरीदाबाद। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त यशपाल ने बताया कि एक जनवरी 2021 को क्वालीफाईंग तिथि मानकर मतदाता सूचियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। इसके तहत 16 नवंबर 2020 को मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किया जाएगा। अंतिम प्रकाशन 15 जनवरी 2021 को होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी बुधवार को मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर सभी ईआरओ, एईआरओ और विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की मीटिंग को संबोधित कर रहे थे। मीटिंग में जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी ईआरओ व एईआरओ को निर्देश दिए कि यदि किसी निर्वाचन क्षेत्र में मतदान केंद्रों का प्रस्ताव (मतदाताओं की संख्या अधिक होने, भवन क्षतिग्रस्त होने, राजनैतिक दलों के सुझाव व प्रस्ताव के कारण) है तो वह 30 सितंबर से पहले जिला निर्वाचन अधिकारी को भिजवा सकते हैं। सभी एआरओ व ईआरओ इनके दावे व आपत्तियों का निपटारा पांच जनवरी 2021 तक करना सुनिश्चित करेंगे।

कोरोना विस्फोट: 2 मौतें, 292 पॉजिटिव से आंकड़ा पहुंचा 16,699

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। बुधवार को 292 कोरोना के मरीज सामने आने से कोविड-19 का आंकड़ा 16,699 पर पहुंच गया। वहीं जिले में दो पॉजिटिव की मौत होने से मृतकों की संख्या का आंकड़ा 197 पर पहुंच गया। राहत की बात यह रही कि जिले में पिछले 24 घंटे में 228 मरीजों ने कोरोना को मात दे दी। जिससे जिले का रिकवरी रेट 87.9 प्रतिशत पर पहुंच गया।

मृतक और पॉजिटिव

जिले में पिछले 24 घंटों में कोरोना पॉजिटिव दो मरीजों की मौत हो गई। जिसमें 57 वर्षीय सेहतपुर निवासी एक महिला और मुजेड़ी निवासी 55 वर्षीय एक पुरूष शामिल है। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि दोनों कोरोना के अलावा अन्य कई बीमारियों से ग्रस्त थे। वहीं 292 पॉजिटिव में तिगांव, सागरपुर, मौजपुर, भूपानी, सेक्टर-85, हुडा मार्केट, छायंसा से 1-1 मरीज है। चावला कालोनी, चार्मवुड, शिव दुर्गा बिहार, सेक्टर-23, 76, जनता कालोनी, चंदावली, अनगपुर, पुलिस लाइन, यादराम कालोनी, राजीव कालोनी से 2-2 मरीज है। सेक्टर-64, 49, 75, स्प्रींग फिल्ड कालोनी, एनएच-5, बड़ौली, सैनिक कालोनी, जीवन नगर, कटरा वाडा, जवाहर कालोनी, पर्वतीया कालोनी, भुखारपुर, एसजीएम नगर से 3-3 मरीज है। राजा नाहर सिंह कालोनी, गांधी कालोनी, सेक्टर-55, 87, 28, 86, ईएसआईसी कैम्पस, डबुआ कालोनी, एनएच-एक, दो, भाटिया कालोनी से 4-4 मरीज शामिल है। सेक्टर-7, एसी नगर, सराय से 5-5 मरीज है। सेक्टर-8, श्याम कालोनी से 6-6 मरीज है। ददसिया, नंगला, ग्रीन फील्ड से 7-7 मरीज हैं। एनएचपीसी कालोनी से 8, सेक्टर-21 से 9 और अन्य एरियों से 114 मरीज शामिल है।

यह है आंकड़े

कुल सैम्पल लिये	172828
कुल नेगेटिव आये	155709
कुल पॉजिटिव आये	16699
रिपोर्ट आनी है शेष	420
अब तक कुल मौते	197
गंभीर हालत में भर्ती	56
वेंटीलेटर पर भर्ती	11

किसानों ने उठाई पिपली में दर्ज केस वापस लेने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कुरूक्षेत्र के पीपली में किसानों पर हुए लाठीचार्ज व उनके खिलाफ केस दर्ज को लेकर गांव अजरौंदा में सैनी धर्मशाला में किसानों की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें सैकड़ों किसानों ने भाग लिया। किसान संघर्ष समिति ग्रेटर फरीदाबाद के अध्यक्ष शिवदत्त वशिष्ठ, एडवोकेट ने कहा कि किसानों पर पुलिस द्वारा किये गये लाठीचार्ज की निन्दा करते हैं। सभी किसानों के हस्ताक्षर करके मुकदमा खारिज करने की मांग सरकार को भेजी। उन्होंने कहा कि सरकार को तुरन्त किसानों के खिलाफ मुकदमे को रद्द करने की मांग। किसान संघर्ष समिति के संयोजक अमर सिंह मलिक ने कहा कि जनतांत्रिक तरीके से विरोध व आन्दोलन करने वालों किसानों पर लाठी चार्ज करना असंवैधानिक है। सभी किसानों ने पिपली में भांजी गईं लाठियां जैसी भयावह कार्यवाही से पुलिस के खिलाफ सख्त नाराजगी दिखाई, वशिष्ठ ने कहा कि किसान अन्न पैदा करके सभी वर्गो का पोषण करता है। किसान जब अपने अधिकार की मांग करता है। इस मौके पर लाल सिंह पौसवाल, लाल सिंह सैनी, बुद्धीराम शर्मा, नानक चन्द डुडी, वीरपाल, गिर्राज, नरसिंह सैनी, भीम सिंह, वेदप्रकाश, निहाल सिंह, रामचन्द सैनी, रामअवतार, महावीर सिंह, चम्मन सिंह, छोटे लाल, रूप चन्द, हजारी सैनी, चतर सिंह, लाला राम, किशोर, नवल सैनी, नौसाद खान, बिजेन्द्र सिंह सैनी, सादू राम, आदि किसान मौजूद थे।

नया अध्यादेश पूरी तरह किसानों के हित में : गुर्जर

राष्ट्र चिंतन और सकारात्मक प्रयोगों से पिछले छह वर्षों में देश निरंतर हो रहा है उन्नति की ओर अग्रसर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अद्वितीय व्यक्तित्व, दूरदृष्टि, राष्ट्र चिंतन और सकारात्मक प्रयोगों से पिछले छह वर्षों में देश निरंतर उन्नति की उन्नति की ओर अग्रसर है। आज हर क्षेत्र में एक नए भारत का उदय हो रहा है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री द्वारा देश के अन्नदाताओं के लिए जो इस देश के लगभग सवा सौ करोड़ लोगों को अन्न प्रदान करते हैं, के हितों के लिए आजादी के बाद पहली बार अध्यादेश लाने का संकल्प लिया गया, परंतु विपक्ष के द्वारा यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि इस अध्यादेश के आने से मंडी व्यवस्था खत्म हो जाएगी, जबकि ऐसा नहीं होगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश के किसान भाइयों को सरकार द्वारा यह विश्वास दिलाया जाता है कि इस अध्यादेष से किसी तरह की जमाखोरी नहीं बढ़ेगी। सरकार का पूरा नियंत्रण रहेगा। किसी भी ऐसी वस्तुओं की जमाखोरी नहीं करने दी जाएगी, जिसकी उपलब्धता बाजार में कम हो गई होगी। अगर ऐसा होता है तो इसके पूरे भंडारण को सरकार अपने अधिकार में ले सकती है। उन्होंने कहा कि यह अध्यादेश किसान भाइयों को अपना उत्पाद देश भर में कहीं भी बेचने का अवसर प्रदान करता है। यह किसानों की आर्थिक आजादी के लिए उठाया गया सही कदम है। किसान भाई अपने उत्पाद को स्थानीय स्तर पर बेचें, चाहे प्रदेश स्तर पर बेचें या फिर पूरे देश में कहीं भी बेचें, उनके लिए सारे विकल्प खोल दिए गए हैं।

ये सुविधा पहले केवल उद्योगपतियों को ही प्राप्त थी। इन अध्यादेषों में कहीं भी ऐसा कोई जिक्र नहीं है कि किसान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर फसल नहीं बिकेगी। यह सब विपक्ष के द्वारा झूठी अफवाहें फैलाई जा रही हैं। किसान अगर चाहे तो मंडी में जाकर एमएसपी पर अपनी फसल को बेच सकता है। अगर उसको मंडी से बाहर एमएसपी से अधिक मूल्य मिल रहा है तो वह वहां बेचने के लिए भी स्वतंत्र है। ये किसान की मर्जी पर निर्भर करता है। किसान भाई कहीं भी अपनी फसल को बेच सकते हैं। हरियाणा सरकार ने तो अब खरीफ फसल की खरीद के लिए सारी तैयारी भी कर ली है। हरियाणा में धान की खरीद के लिए 400 खरीद केंद्र, बाजरा के लिए 120 और मूंग के लिए 30 खरीद केंद्रों का निर्धारण भी कर दिया है। इन केंद्रों पर जाकर किसान भाई अपनी फसल को एमएसपी पर दे सकते हैं। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार आश्वस्त करती है कि किसान की जमीन को किसी भी स्थिति में कोई कंपनी नहीं कब्जा सकती है।

जब तक का अनुबंध किसान चाहेगा, अपनी मर्जी से करेगा और जिस मूल्य पर चाहेगा, उस मूल्य पर करेगा। अध्यादेश की धारा 8ए में उल्लेख है कि अगर कोई भी व्यवसायी अनुबंध खेती की आड़ में किसान की जमीन नहीं ले सकेगा। कोई भी व्यवसायी एक बार अधिक धन देकर उसे चुकाने की एवज में हमसे बंधुआ खेती नहीं करा सकेगा। कोई भी व्यवसाय हमारे खेत यदि ट्यूबवेल व पाली हाउस जैसे ढांचा खड़ा करता है तो वह अनुबंध के 3 महीने के भीतर उसे नहीं हटाता है तो किसान उसका मालिक होगा। यह अध्यादेश पूरी तरह से किसान भाइयों के हित के लिए लाया गया है और आने वाले दिनों में यह उनकी आर्थिक दशा और दिशा बदलने में क्रांतिकारी साबित होगा।

संक्षिप्त समाचार

सेक्टर-52 के सामने लगा हुआ गोबर का ढेर

सड़क किनारे गोबर डालने से परेशान हो रहे लोग

फरीदाबाद। नगर निगम और इको ग्रीन ने मिलकर मंगलवार को लाखों रुपए खर्च करके स्वच्छता को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया था। जिसमें गैर सरकारी संस्था के सीईओ ने स्वच्छता रैंकिंग बढ़ाने के तरीके बताए थे। कार्यशाला में निगम अधिकारियों ने भी सफाई को लेकर बढ़े दावे किए गए थे। लेकिन जमीनी स्तर पर शहर में सफाई नजर नहीं आ रही है। इसका नजारा सेक्टर-52 के सामने गौछी ड्रेन के साथ लगती रोड पर देखा जा सकता है। गौछी ड्रेन के साथ लगती सड़क पर गोबर का ढेर लगा दिया गया है। जब सेक्टर के लोग डेयरी संचालकों से गोबर डालने के लिए मना करते है तो वह लड़ाई करने पर उतारू हो जाता है। कई बार डेयरी संचालक सेक्टर में भी गोबर डाल जाते हैं। बुधवार को डेयरी संचालकों के खिलाफ सेक्टर-52 आरडब्लूए की ओर से नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को शिकायत सौंपी गई गई। निगम स्वास्थ्य अधिकारी श्याम सिंह को बताया कि लगातार मना करने के बावजूद लोग गोबर डाल रहे हैं। जबकि नगर निगम दावा करता है कि गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की जा रही है। ऐसे में उन्होंने निगम से मांग करते हुए कहा कि गंदगी के ढेर को हटवाया जाए। आरडब्लूए प्रधान अनिल तिजारा और स्थाई निवासी अमित यादव ने कहा कि सेक्टर में किसी भी तरह की गंदगी बर्दाश्त नहीं होगी।

21 वें दिन भी जारी रहा आशा वर्करों का धरना

फरीदाबाद। अपनी लंबित मांगों को लेकर आशा वर्कर यूनियन का धरना बुधवार को 21 वे दिन भी बदस्तूर जारी रहा। धरने की अध्यक्षता जिला उप प्रधान रेखा शर्मा ने की। इस मौके पर सीटू के जिला प्रधान निरंतर पराशर, जिला सचिव लाल बाबू शर्मा, उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह डंगवाल एवं बैंक कर्मचारी यूनियन के नेता कॉमरेड ओम प्रकाश विशेष रूप से उपस्थित रहे। एसी नगर, नंगला, और मोहना ग्रामीण इलाकों की आशा वर्करों ने भाग लिया। सरकार की वादाखिलाफी से रूस्ट हुई बैठी आशा वर्करों ने खूब सरकार विरोधी नारे लगाए। उन्होंने आशा वर्करों को पक्का करो, इनको सरकारी कर्मचारी का दर्जा दो, के अलावा एएनएम की भर्ती में शैक्षणिक योग्यता रखने वाली आशाओं को पदोन्नति देने के नारे लगाए। आशा वर्करों को संबोधित करते हुए वीरेंद्र सिंह डंगवाल ने राज्य सरकार पर आशा वर्करों की समस्याओं का निदान नहीं करने का आरोप लगाया।

डॉ. ओपी भल्ला की याद में रक्तदान शिविर

फरीदाबाद। मानव रचना ने संस्थापक डॉ. ओपी भल्ला की 7वीं स्मरण वर्षगांठ पर उनको श्रद्धांजलि देने के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया। पूरे मानव रचना परिवार ने मानव रचना शिक्षण संस्थान (एमआरईआई) परिसर में रक्तदान शिविर के माध्यम से संस्थापक डॉ ओपी भल्ला को उनकी सातवीं स्मरण वर्षगांठ पर श्रद्धांजलि दी। लायंस क्लब ऑफ फरीदाबाद और समन्वय परिवार ट्रस्ट के सहयोग से डॉ ओ पी भल्ला फाउंडेशन के तत्वावधान में एमआरईआई की मुख्य संरक्षिका श्रीमती सत्या भल्ला द्वारा आयोजित शिविर का उद्घाटन किया गया। सख्त सोशल डिस्टेंसिंग मानदंडों के बाद, मानव रचना के स्टाफ के सदस्यों ने कंपित स्लॉट पर 91 यूनिट रक्त दान किया। स्टाफ सदस्यों को तहे दिल से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हुए सत्या भल्ला ने कहा, 'संकट के इस समय में, जब सोशल डिस्टेंसिंग नया सामान्य है, तो हमें एकजुटता और उदारता के महत्व को याद रखने की अहम् आव्यशकता है।

अवैध कालोनियों में फिर की हुई बड़ी कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ईन्फोर्समैन्ट एण्ड विजीलेंस द्वारा गांव सरूरपुर की राजस्व सम्पदा में 3 अवैध कालोनियां जोकि लगभग 8 एकड भूमि पर विकसित की जा रही थीं, में जिला प्रशासन की मदद से तोड़फोड़ की कार्यवाही अमल में लाई गई। जिला नगर योजनाकार नरेश कुमार ने बताया कि तोड़फोड़ की कार्यवाही के दौरान अवैध कालोनियों में बनाये गये रोड़ नेटवर्क के अलावा 8 निर्माणाधीन औद्योगिक शैड, 5 रिहायशी निर्माण व 20 डीपीसी/बाउंड्रीवाल में तोड़फोड़ की कार्यवाही की गई। उक्त अवैध कालोनी परमार प्रॉपर्टी डीलर, नरेश अग्रवाल प्रॉपर्टी डीलर और तैयब प्रॉपर्टी डीलर द्वारा विकसित की जा रही थीं, जिनके खिलाफ विभाग द्वारा पहले ही एफआईआर दर्ज करवाई जा चुकी है व तीनों प्रोपर्टी डीलर जमानत पर बाहर हैं। ये प्रोपर्टी डीलर अवैध कालोनी काट कर उसमें प्लाट बेचते हैं। इसलिए इन प्रोपर्टी डीलरों से जमीन की किसी भी प्रकार की खरीद-फरोख्त न करें। इन द्वारा काटी गई कालोनी में पहले भी विभाग द्वारा कई बारे तोड़फोड़ की कार्यवाही अमल में लाई जा चुकी है। विभाग द्वारा आजकल भू-माफियाओं के खिलाफ एक अभियान चलाया हुआ है। जिससे सामान्य जनता में एक संदेश जा रहा है कि अवैध कालोनियों में प्लाट खरीदना कितना नुकसानदायक साबित हो सकता है।

राहुल अरोड़ा को चुना प्रधान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

डीलर्स एण्ड बिल्डर्स एसोसिएशन सेक्टर-49 (सैनिक कालोनी) की एक महत्वपूर्ण बैठक सैनिक कालोनी मार्किट में संपन्न हुई जिसमें सर्वसम्मति से राहुल अरोड़ा को एसोएिशन का प्रधान चुना गया। बैठक में पूर्व प्रधान सुनील भड़ाना ने अपनी अति व्यस्तता का हवाला देते हुए राहुल अरोड़ा के नाम का प्रस्ताव रखा जिसका सभी सदस्यों ने ताली बजाकर स्वागत किया। इस अवसर पर राहुल अरोड़ा ने कहा कि में एसोसिएशन के सभी सदस्यों और खासकर पूर्व प्रधान सुनील भड़ाना का धन्यवाद करता हुं जिन्होंने मुझे इस लायक समझा। सुनील भड़ाना ने कहा कि में आशा करता हुं राहुल अरोड़ा के नेतृत्व में यह एसोसिएशन दिन दूरी रात चौगनी तरक्की करेगी। इस मौके पर सुनील भड़ाना, चन्दर विरमानी, जीडी कौशिक, अजीत मदान, सुनील भाटिया, सुभाष चौधरी, पुलकित अनेजा, प्रिंस अनेजा, कीर्ति, दीपक कुकरेजा, विपिन विरमानी, हिमांशु कपूर, तुषार दुआ, गगन अरोड़ा, अनिल, ऋषभ पुरी, कौशिक, निखिल, इन्दरपाल सिंह, मोहित कालरा, परवीन त्यागी, भगद सिंह, हितेश शर्मा व अनीश महेन्दू मौजूद थे।

पत्नी को मारने पर पति किया गिरफ्तार

बल्लभगढ़। साहूपुरा गांव में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के साथ मारपीट कर उसे जबरन जहर देकर घर में आग लगा दी। महिला को अस्पताल में दाखिल कराया गया है। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। साहूपुरा गांव निवासी कुसुम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका पति सुखवीर शराब पीने का आदि है। वह घर में हर समय झगड़ा करता रहता है। आरोप है कि मंगलवार को भी वह शराब पीकर आया था। उसकी पत्नी कुसुम ने शराब पीने का विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।

हाईटेंशन लाइन की वजह से एक जान और गई

लापरवाही

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बिजली निगम की लापरवाही से बीती रात एनएच पांच, एम ब्लॉक निवासी एक व्यक्ति की हाईटेंशन तार की चपेट में आकर मौत हो गई। आरडब्ल्यूए के प्रधान ने बिजली के अधिकारियों को सूचित किया तो उन्होंने सुबह बात करने की बात कहकर टाल दिया। आरडब्ल्यूए प्रधान का आरोप है कि वे गलत तरीके से डाली गई बिजली की लाइन की शिकायत बिजली निगम इलाके की विधायक से कर चुके हैं। यदि इसे दुरूस्त कर दिया जाता तो यह हादसा नहीं होता।

जानकारी के मुताबिक एनएच-पांच एम ब्लॉक में 27 वर्षीय रोहित बत्तरा रहता था। वह पिछले दस सालों से श्रीधार्मिक लीला कमेटी में माता सीता का किरादार निभा रहा था। मंगलवार की रात को 8.40 बजे अपने घर की छत्त पर फोन पर बात कर रहा था। तभी छत्त की बॉलकनी से गुजर रही 11000 वोल्टेज की तार ने उसे चपेट में ले लिया। इस घटना में झुलस कर रोहित की मौके पर ही मौत हो गई।

कल देखेंगे कह, झाड़ दिया पल्ला

आरडब्ल्यूए प्रधान तजेन्द्र खरबंदा द्वारा घटना की शिकायत करने पर निगम के जेई का कहना था कि ऐसे हादसे रोज होते हैं, सुबह देखेंगे। जिस पर खरबंदा ने जेई की बातचीत की वॉयस रिकॉर्डिंग एसडीओ को भेजते हुए मामले की शिकायत की तो उन्होंने भी सुबह देखने की बात कह कर टाल दिया। आरडब्ल्यूए प्रधान ने गत नौ अगस्त को इस बिजली की तार के संबंध में सीएम और विधायक सीमा त्रिखा से ट्यूटर पर शिकायत की थी। इस घटना के विरोध में मृतक के परिजनों ने सुबह मामला दर्ज करने की मांग करते हुए थाना एनआईटी में शिकायत दी। पीड़ितों ने बिजली निगम के अधिकारियों पर मामला दर्ज करने, पीड़ित परिवार को मुआवजा देने और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग की है।

265 शवों की अस्थियों को विसर्जित करने को भेजा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

श्री शक्ति सेवा दल के सदस्यों के द्वारा नई जनता कॉलोनी स्थित श्मशान घाट पर 265 शवों की लावारिस अस्थियों का दूध व गंगाजल से स्नान करा कर हरिद्वार गंगा जी मे विसर्जन के लिए सदस्यों का एक समूह को कोतवाली थाने के एसएचओ महेंद्र सिंह ने रवाना किया। श्री शक्ति सेवा दल के प्रधान मोहन लाल अरोड़ा ने आए हुए अतिथि का स्वागत किया। इस मौके पर दल के उप प्रधान परसोत लाल माटा व ओम प्रकाश छाबड़ा ने हनुमान चालीसा के पाठ से कार्यक्रम की शुरूआत की। आचार्य दिनेश शर्मा ने सभी लावारिश शवों की मोक्ष प्राप्ति के लिये, भगवान विष्णु से अरदास की। अन्त में राजेंद्र भाटिया सचिव ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। इस मौके पर मानक चन्द भाटिया, महिंद्र नागपाल, संजय शर्मा, कंवल खत्री, सतपाल सिंह पाले, लोचन भाटिया आदि लोग मौजूद थे।

29 को सड़कों पर उतरेंगे देशभर के कर्मचारी, करेंगे आक्रोश प्रदर्शन

नीतियों की पोल खोलने के लिए हैंड बिल का वितरण भी करने का लिया गया निर्णय

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष लांबा ने बुधवार को सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की जिला कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित किया। कार्यकारिणी को संबोधित करते हुए उन्होंने ऐलान किया की केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनविरोधी और कर्मचारी एवं मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ देशभर के कर्मचारी 29 सितंबर को सड़कों पर उतरेंगे और सभी विभागों एवं जिला मुख्यालयों पर आक्रोश प्रदर्शन करेंगे।

मीटिंग की अध्यक्षता कोषाध्यक्ष युद्धवीर सिंह खत्री ने की और संचालन सचिव बलबीर सिंह बालगुहेर ने किया। बैठक में 29 सितंबर को होने वाले प्रदर्शन की मांग एवं मुद्दों को आम कर्मचारी तक पहुंचाने के लिए 17 से 28 सितंबर तक सभी विभागों में जन संपर्क अभियान चलाया जाएगा और सरकार की नीतियों को पोल खोलने के लिए हैड बिल का वितरण भी करने का भी निर्णय किया गया। बैठक में 23 सितंबर को बर्खास्त पीटीआई द्वारा कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा के आवास पर होने वाले प्रदर्शन व 22 सितंबर को निजीकरण के खिलाफ निगम के चेयरमैन के कैथल आवास पर हरियाणा टूरिज्म कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदर्शन का भी समर्थन करने का फैसला किया गया। 27 सितंबर को पं. मूलचंद शर्मा के आवास पर आरटीआई के ठेका कर्मचारियों के सामूहिक प्रतिनिधिमंडल के आगमन का भी स्वागत करने का निर्णय बैठक में लिया गया। जिला कार्यकारिणी को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष सुभाष लांबा ने कहा कि 29 सितंबर के आक्रोश प्रदर्शनों में सभी सरकारी विभागों एवं उपक्रमों, श्रम कानूनों, जनतांत्रिक अधिकारों, संवैधानिक संस्थाओं व रोजगार को बचाने, भ्रष्टाचार की जननी एंव शोषण की पोषक ठेका प्रथा को समाप्त करवाने,ठेका कर्मचारियों को सीधा विभागों के पे रोल पर लेने,समान काम समान वेतन एवं सभी ठेका कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा देने और एनपीएस रद्द कर पुरानी पेंशन बहाल करने, 1983 पीटीआई सहित अन्य विभागों से बर्खास्त किए सभी कर्मचारियों की सेवाएं बहाल करने,डीए, एलटीसी व नई भर्तियों पर लगाई गई।

BAJAJ FINSERV बजाज हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड
[illegible]
सार्वजनिक सूचना
[illegible]

वर्चुअल प्लेटफार्म पर गुरुग्राम के स्कूलों से करें संपर्क

स्कूलों में एडमिशन की शुरुआत होते ही माता-पिता के सामने नई चुनौती खड़ी हुई

गुरुग्राम। गुरुग्राम के स्कूलों में एडमिशन की शुरुआत होते ही माता-पिता के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई है। कोरोना महामारी के कारण बने हालात में हर स्कूल जाकर वहां की जानकारी जुटाना अब पहले जितना आसान नहीं रह गया है। ऐसे में अपने बच्चों के लिए सही स्कूल की तलाश में लगे माता-पिता की मदद के लिए एक अनूठा एजुकेशन एक्जीबिशन तैयार है।

आगामी 19 और 20 सितंबर को सुबह 10 से शाम 6 बजे तक इस वर्चुअल एक्जीबिशन का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान प्रीमियर स्कूल्स एक्जीबिशन डॉटकॉम पर जाकर माता-पिता गुरुग्राम के 30 से ज्यादा अग्रणी स्कूलों के प्रमुखों से सीधे जुड़ सकेंगे। अपने सवालों के जवाब पा सकेंगे। इससे उन्हें अपने बच्चे के लिए सही स्कूल चुनने में आसानी होगी। इस एक्जीबिशन के दौरान लाइव वीडियो मीटिंग, वाट्सएप चैट और फोन के जरिये स्कूलों की एडमिशन टीम से सीधे संपर्क किया जा सकेगा।

कृषि जागरुकता अभियान रथ से पराली ना जलाने का संदेश

गुरुग्राम के गांवों में संदेश दे रहा है यह रथ

पराली जलाने से जमीन, पर्यावरण में हो रहे नुकसान के बारे में जानकारी दी

गुरुग्राम के फर्रूखनगर खंड में पराली ना जलाने का संदेश देने को शुरू किया गया जागरुकता रथ।

फर्रूखनगर। कृषि तथा किसान कल्याण विभाग गुरुग्राम के सौजन्य से बुधवार को फर्रूखनगर खंड के विभिन्न गांवों में कृषि जागरुकता अभियान रथ से मुनादी करके किसानों को पराली जलाने से जमीन, पर्यावरण में हो रहे नुकसान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

इस मौके पर खंड कृषि अधिकारी नरेंद्र यादव ने कहा कि पराली न जलाएं, जमीन में मिलायें पराली प्रबंधन मशीनरी का प्रयोग करें। पराली जलाने से हानि कारक गैसों का उत्सर्जन होता है और स्वास्थ्य को हानि पहुंचती है। उन्होंने बताया कि इन दिनों फसल की कटाई शुरु हो चुकी है। ऐसे समय में किसानों को जागरुक करना जरूरी है।

सरकार द्वारा किसानों के हितार्थ नई योजना के तहत पराली प्रबंधन मशीनरी के लिए किसानों को 50 प्रतिशत सब्सिडी तथा किसानों के समूह को कस्टम हाईरिंग केंद्रों की स्थापना के लिए 80 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा पराली नहीं जलाने के लिए जागरुकता अभियान चलाया हुआ है। पराली जलाने से जमीन की उर्वरा शक्ति नष्ट हो जाती है वहीं पर्यावरण को भी हानि पहुंचती है। पर्यावरण प्रदूषण के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है।

संक्षिप्त समाचार

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पीटीएम में भाग लेते अभिभावक, शिक्षक।

गूगल लिंक से अभिभावकों से भरवाया सहमति पत्र

पलवल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मंडकोला में पीटीएम का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य 10वीं व 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के अभिभावकों से विभाग द्वारा गूगल लिंक पर दिए गए परफॉर्मा के अनुसार अक्टूबर माह से विद्यालय को नियमित रूप से खोलने की सहमति पत्र मांगा गया था। ताकि यह निश्चय किया जा सके कि कितने प्रतिशत अभिभावक बोर्ड की कक्षाओं के लिए विद्यार्थियों की पढ़ाई को नियमित रूप से विद्यालय आकर कराना चाहते हैं। विभाग के निर्देशानुसार प्रधानाचार्य जितेंद्र यादव ने बारहवीं कला संकाय के कक्षा प्रभारी सत्यदेव, बारहवीं विज्ञान व वाणिज्य संकाय के कक्षा प्रभारी वेदप्रकाश भारद्वाज, दसवीं कक्षा की प्रभारी विनीता मिश्रा और सीमा रानी को विद्यालय में अभिभावकों से सहमति पत्र लेने के लिए आदेश जारी किए। प्रधानाचार्य के आदेशानुसार चारों कक्षा प्रभारियों ने पूरी निष्ठा के साथ यह कार्य किया। इसके अलावा विद्यालय में रोटेशन ड्यूटी के अनुसार पचास प्रतिशत अन्य स्टाफ सदस्य राजबाला, रेखा चौधरी, सुबेसिंह मैन सिंह, मनोज, कविता, उषा रानी, मनोज लिपिक ने ऑनलाइन गृहकार्य देने, फीस लेने, हिंदी पखवाड़े से संबंधित कार्य व अन्य जरूरी कार्य किए। इसी के साथ दसवीं और बारहवीं कक्षा के सभी विद्यार्थियों को अपने आधार कार्ड में नया फोटो अपडेट करने के लिए भी हिदायत दी गई। जितने अभिभावकों ने गूगल लिंक पर विद्यालय खुलने की अनुमति में हां या ना लिखा, उसका सारा रिकॉर्ड प्रधानाचार्य ने दयानंद रावत खंड शिक्षा अधिकारी को भेजा।

अज्ञात बाइक सवार ने टैंपो चालक से की लूट

फर्रूखनगर। जाटोला रेलवे फाटक के पास अज्ञात बाइक सवार ने टैंपो चालक को बाइक सामने लगाकर मारपीट करके पैसे लूटे और फरार हो गए। जानकारी अनुसार सोमवार को करीब सवा 9 बजे रेलवे लाइन जाटोला के पास पवन पुत्र प्रेमसुख वासी जोड़ी कला अपना लोडिंग टेंपो लेकर आ रहा था। रेलवे फाटक के पास एक मोटरसाइकिल पर सवार युवकों ने टेंपो के सामने मोटरसाइकिल लगाकर पवन पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया व करीब डेढ़ लाख रुपए लूट ले गए पवन को पटौदी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जिसकी हालत अब सामान्य बताई जा रही है। मौके पर स्थानीय पुलिस पहुंचकर जांच कर रही है।

नरेन्द्र मोदी का 70 वां जन्मदिवस पर सेवा सप्ताह की शुरूआत

सोहना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 70वां जन्मदिवस सेवा सप्ताह की शुरूआत से मनाया गया। खेड़ला में नेत्र जांच शिविर का आयोजन करके सेवा सप्ताह की शुरूआत की गई। पूरे एक सप्ताह तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस को सेवा सप्ताह के रुप में मनाया जाएगा। इस सेवा सप्ताह के सात दिनों में नेत्र जांच, रक्तदान शिविर, सफाई अभियान, प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिसकी शुरूआत खेड़ला गांव में नेत्र जांच शिविर से की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़ ने फीता काट कर शिविर का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि और स्थानीय विधायक संजय सिंह रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मनोज राघव ने की। इस अवसर पर सोहना विधायक संजय सिंह नेत्र जांच शिविर में अपनी आंखों की जांच कराने आए वृद्धों को चश्मे और दवाइयां फ्री दी गई। शिविर में 133 लोगों ने अपनी ऑखों की जांच कराई। इस अवसर पर यशवीर राघव, पिंटू त्यागी, महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष निधि राघव, आदि भाजपा के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पोर्टल पर जिला के साढ़े 15 हजार किसानों ने कराया पंजीकरण

गुरुग्राम। गुरुग्राम जिला में मेरी फसल, मेरा ब्यौरा पोर्टल पर बाजरे की फसल के लिए 15 हजार 597 किसानों ने 67 हजार 550 एकड़ भूमि के लिए अपनी फसल का रजिस्ट्रेशन करवाया है। इसके अलावा अन्य फसलों के लिए जिला में 16 हजार 44 किसानों ने 72 हजार 105 एकड़ भूमि के लिए अपना पंजीकरण किया है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप-निदेशक आत्माराम गोदारा ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा किसानों की खरीफकी फसल को जोखिममुक्त बनाने के लिए इस योजना की शुरूआत की गई। इस योजना का उद्देश्य प्राकृतिक आपदा के दौरान उन्हें सही समय पर सहायता उपलब्ध करवाना है। इसके साथ ही किसानों की सुविधा के लिए इस पोर्टल पर किसानों को कृषि संबंधी सभी जानकारियां भी दी जाती है। उन्होंने क्षेत्रवार बाजरे की फसल के पंजीकरण की जानकारी देते हुए बताया कि जिला के पटौदी में किसानों द्वारा सबसे अधिक पंजीकरण किया गया है। पटौदी में 5 हजार 639 किसानों ने स्वयं का 24 हजार 415 एकड़ भूमि के लिए पंजीकरण करवाया है। इसी प्रकार फर्रूखनगर में 4 हजार 907 किसानों ने 21 हजार 861 एकड़, मानेसर में 2 हजार 508 किसानों ने 9 हजार 909 एकड़ भूमि, सोहना में 2 हजार 188 किसानों ने 8 हजार 777 एकड़, हरसरू के 460 किसानों ने 2 हजार 233 एकड़, बादशाहपुर के किसानों ने 66 किसानों ने 282 एकड़ तथा कादीपुर के 17 किसानों ने 70 एकड़ भूमि के लिए स्वयं का पंजीकरण करवाया है। अन्य फसलों के सबसे अधिक रजिस्ट्रेशन पटौदी के 5 हजार 768 किसानों ने किया है। इसी प्रकार फर्रूखनगर के 5 हजार 108 किसानों, मानेसर में 2 हजार 514 किसानों, सोहना के 2 हजार 2 हजार 279 किसानों, कादीपुर के 24, बादशाहपुर के 69 किसानों तथा गुरुग्राम के लिए 3 किसानों ने अपना पंजीकरण किया है।

देशभर में 1000 केंद्र खोलने का रखा गया लक्ष्य

पूर्व चैम्पियंस खोल सकेंगे खेलो इंडिया लघु केंद्र

खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार का अहम कदम

लघु केंद्र खोलने के लिए केंद्र देगी पांच लाख की आर्थिक सहायता

गुरुग्राम। खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने रूपरेखा तैयार की है। इसके तहत पिछले पांच वर्षों में जिला की जिन संस्थाओं ने खेलों को बढ़ावा देने का कार्य किया है या राष्ट्रीय अथवा अंतरराष्ट्रीय स्तर के चैम्पियन रह चुके खिलाड़ी अब खेलो इंडिया लघु केंद्र खोल सकते हैं। इन केंद्रों को खोलने के लिए भारत सरकार ने प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं, जिनके लिए सरकार एक मुश्त पांच लाख रूपये की आर्थिक मदद भी देगी।

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत खेलों को बढ़ावा देने के लिए शुरू की जा रही खेलो इंडिया लघु केंद्र योजना के बारे में उपायुक्त अमित खत्री ने बताया कि जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने के लिए खेलों इंडिया लघु केंद्र का संचालन पूर्व चैम्पियन खिलाड़ी द्वारा किया जाएगा ताकि उसके लिए यह आय का साधन बन सके। इससे जहां एक ओर पूर्व चैम्पियन खिलाड़ी अपने आप को स्थापित कर पाएंगे वहीं दूसरी ओर उनके खेल अनुभव का लाभ उभरते नए खिलाड़ियों को मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस योजना में खोले जाने वाले लघु केंद्रों में ओलंपिक में खेले जाने वाले 14 खेलों को सूचीबद्ध किया गया है, जिनमें आर्चरी, एथलैटिक्स, बॉक्सिंग, बैडमिंटन, साईकलिंग, फैंसिंग, हॉकी, जूडो, रोइंग, शूटिंग, तैराकी, टेबल टेनिस, वेट लिफ्टिंग तथा कुश्ती शामिल हैं। उन्होंने बताया कि फुटबॉल व अन्य परम्परागत खेलों को भी इसमें शामिल किया जा सकता है।

खेलों इंडिया लघु केंद्र योजना के तहत पूर्व चैम्पियन खिलाड़ियों द्वारा नए उभरते खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए शुल्क भी पूर्व चैम्पियन खिलाड़ी प्रशिक्षु खिलाड़ियों से प्राप्त कर सकते हैं। चयनित खेलो इंडिया केंद्र को चार वर्षों के लिए भारत सरकार द्वारा एक मुश्त राशि 5 लाख रुपए की राशि खेल के मैदान के रख-रखाव, खेल उपकरण, खेल किट आदि के लिए उपलब्ध करवाई जाएगी। भारत सरकार द्वारा इस योजना के तहत देश में एक हजार लघु केंद्र खोलने का लक्ष्य रखा गया है।

कोरोना के बढ़ते प्रकोप से सावधानी ही बचाव : दलीप

गुरुग्राम स्थित राम नगर धर्मशाला में कोरोना जांच करवाता एक व्यक्ति।

गुरुग्राम। शहर के वार्ड-17 स्थित रामनगर धर्मशाला में 21वां नि: शुल्क कोरोना जांच शिविर लगाया गया। इस शिविर में 80 लोगों की जांच की गई। जिनमें से तीन कोरोना संक्रमित पाए गए। उन्हें उनके स्वास्थ्य के हिसाब से क्वारंटाइन कर दिया गया है।

इस शिविर के मौके पर वार्ड-17 के पूर्व पार्षद एडवोकेट दलीप साहनी ने कहा कि कोरोना का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। रोजाना जिले में मरीजों की संख्या बढ़ रही है। गुरुग्राम के चारों जोनों में भी कोरोना तेजी से फैल रहा है। कोरोना से बचाव के लिए सावधानी बरतना ही जरूरी है। लापरवाही से हम इस बीमारी को और अधिक फैला सकते हैं। इसलिए ऐसी कोई लापरवाही ना करें, जिससे कि हम इस महामारी को फैलाएं। उन्होंने कहा कि सरकार, प्रशासन के साथ स्वास्थ्य विभाग की ओर से जो भी गाइडलाइंस जारी की गई हैं, उनका सख्ती से पालन करें। क्योंकि यह बहुत जरूरी है। अगर हम इनका पालन नहीं करते हैं तो हम अपने साथ-साथ दूसरों को भी परेशानी में डाल सकते हैं। वार्ड-17 की पार्षद रजनी साहनी ने कहा नगर निगम आयुक्त विनय प्रताप सिंह, उपायुक्त अमित खत्री व अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस आपदा के समय में पूरी तन्मयता के साथ सक्रिय हैं। सभी का प्रयास यही है कि कोरोना को फैलने से रोका जाए। जो संक्रमित हो चुके हैं, उन्हें उचित उपचार व सुविधाएं मिले। इसलिए हम सबका यह कर्तव्य बनता है कि सरकार के नियमों को मानें और कोरोना को फैलने से रोकें।

बिना पंजीकरण के सेप्टेज करने पर टैंकर होगा जब्त, जुर्माना भी लगेगा

नगर निगम गुरुग्राम सेप्टेज कार्य करने वाले टैंकर ऑपरेटरों को कर रहा पंजीकृत

गुरुग्राम। सीवरेज वेस्ट का अवैध तरीके से इधर-उधर डालना नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेशों और हरियाणा नगर निगम अधिनियम-1994 के प्रावधानों के तहत दंडनीय अपराध है। ऐसा करने वाले वाहनों को जब्त करके उन पर भारी जुर्माना किया जाएगा।

नगर निगम द्वारा निकटतम सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट पर सीवरेज वेस्ट के सुरक्षित निस्तारण के लिए सेप्टेज का कार्य करने वाले टैंकर ऑपरेटरों को पंजीकृत करके सीवरेज के अवैध निपटान को विनियमित करने का कार्य किया जा रहा है। इसके लिए टैंकर ऑपरेटरों को नगर निगम गुरूग्राम के पास पंजीकृत करवाना अनिवार्य है।

पंजीकरण करवाने के लिए आवेदनकर्ता के पास टैंकर व उसके साथ लगे ट्रैक्टर का वैधानिक पंजीकरण, चालक के पास ट्रांसपोर्ट विभाग द्वारा जारी किया गया वैधानिक लाईसैंस तथा वाहन का बीमा होना चाहिए। पंजीकरण के समय वाहन पर फुल प्रूफ जीपीएस सिस्टम नगर निगम के सेक्टर-42 स्थित कार्यालय में लगाया जाएगा, जिसके लिए आवदेनकर्ता को निर्धारित शुल्क का भुगतान जीपीएस लगाने वाली फर्म को करना होगा।

सवालों के घेरे में बालगृह की सुरक्षा व्यवस्था

एसडीएम के दौरे के दौरान डीएसपी और तहसीलदार भी रहे साथ

अधिकारियों संग बालगृह का निरीक्षण करते एसडीएम डॉ. नरेश कुमार।

तावडू। ऑर्फन इन नीड बाल गृह के एक बार फिर विवादों में आने के बाद एसडीएम डॉ. नरेश कुमार ने बुधवार को डीएसपी सुरेंद्र सिंह, तहसीलदार मनमोहन वर्मा व नायब तहसीलदार महेंद्र सिंह सहित बाल गृह का दौरा किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने बालगृह मैनेजमेंट के अधिकारियों से कई सवाल किए। वहीं बाल गृह बिल्डिंग का भी गहनता से निरीक्षण किया।

निरीक्षण के बाद एसडीएम ने बताया कि पुलिस व प्रशासन गहनता से मामले की जांच में जुटा है। इस संदर्भ में ही आज यहां निरीक्षण किया है। बालगृह मैनेजमेंट के अधिकारियों के कुछ जवाबों से प्रशासन संतुष्ट नहीं है। वहीं बिल्डिंग सुरक्षा व्यवस्था में भी कुछ खामियां नजर आई हैं। वहीं डीएसपी ने कहा कि मामले की तीव्रता से जांच जारी है। पुलिस जल्द मामले को ट्रेस कर लेगी। बता दें कि गांव पीपाका में स्थित ऑर्फन इन नीड बाल गृह में गत 28 जुलाई को बाल कल्याण समिति नूंह के आदेश पर नाबालिग लड़की को रखा गया था। बालगृह इंचार्ज जहीर खान के अनुरूप 14 सितंबर की सुबह उनके साथ रहने वाले अन्य लड़की ने सूचित किया कि नाबालिग लड़की कमरे में नहीं है।

योगी राजेश कुमार बने जोगीनाथ समाज के मीडिया प्रभारी

रोहतक/गुरुग्राम। अखिल भारतीय नाथ (योगी) समाज हरियाणा की बैठक प्रदेश अध्यक्ष जगदीश भट्ठी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में रोहतक जिला के गांव तैमूरपुर (जेठपुर) निवासी योगी राजेश कुमार को जिला मीडिया प्रभारी चुना गया। बैठक में बोलते हुए जगदीश भट्ठी ने कहा कि जोगी नाथ समाज पूरी तरह से पिछड़ा हुआ है। इसलिए सरकार से मांग है कि समाज को एसटी कैटेगरी में शामिल किया जाए, ताकि समाज का उद्धार हो सके। उन्होंने शिव अवतारी गुरू गोरखनाथ के नाम पर हरियाणा में कहीं पर भी विश्वविद्यालय खोलने की भी मांग की। बैठक के दौरान सोशल डिस्टेंस का पालन किया गया।

सरपंच के साले और बेटे पर जानलेवा हमला करने का आरोप

सोहना। गांव किरंकी खेड़ली में युवक को लाठी व लोहे की रॉड से हमला करके गंभीर रुप से घायल कर दिया। पीड़ित ने ग्राम पंचायत सरपंच के साले व बेटे पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। गांव किरंकी खेड़ल निवासी अचल पुत्र जोगेन्द्र ने सोहना सदर थाना में अपने भाई यशवीर पर हुआ जान लेवा हमले की शिकायत दर्ज कराई है। अचल ने पुलिस को बताया कि उसका भाई यशवीर रविवार की शाम को खेतों पर गया था। जो देर शाम तक वापस घर नहीं आया। जिससे तलाशने के लिए परिजन आस-पास के जंगल में पहुंचे। यशवीर गांव किरंकी के पास वेस्टन वाटिका के गेट नंबर एक पास सड़क के किनारे खून से लथपथ मिला। जिसके सिर से खून निकल रहा था। अचल ने बताया कि उसके पूछने पर यशवीर ने बताया कि सरपंच हसन का साला सुन्दर से उसका मामूली सी बात को लेकर झगड़ा हो गया।

ट्यूबवेल से पांच सोलर प्लेट चोरी, केस दर्ज

फर्रूखनगर। खंड के गांव सुल्तानपुर की ढाणी ख्वासपुर के खेतों में अज्ञात चोरों ने एक किसान के खेत में लगे ट्यूबवेल पर लगी पांच सोलर प्लेट चोरी कर लीं। पुलिस ने किसान के बयान पर मामला दर्ज करके जांच शुरु कर दिया है। पुलिस को दिए बयान में महेंद्र सिंह पुत्र अमीलाल निवासी ख्वासपुर की ढाणी सुल्तानपुर ने बताया कि उसने अपने खेत में दो वर्ष पहले सोलर पैनल टयूबवेल लगवाया था। चोरी कर ले गए।

गुरुग्राम विश्वविद्यालय की तीसरी मेरिट लिस्ट जारी

विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर चेक कर सकते हैं अपना नाम

गुरुग्राम। गुरुग्राम विश्वविद्यालय में यूजी पाठ्यक्रमों के लिए तीसरी कट ऑफ जारी कर दी गई है। यूजी पाठ्यक्रमों में बीटेक, बीपीटी, एमबीए-5 वर्ष व एमकॉम -5 वर्ष में दाखिले के लिए दूसरी मेरिट लिस्ट में आए छात्रों द्वारा फीस भरने के बाद बुधवार को तीसरी लिस्ट जारी कर दी गई है।

एमबीए 5 वर्ष के लिए ऑल इंडिया कैटगरी में 86.40 प्रतिशत पर कट ऑफ रही, हरियाणा जनरल कैटगरी में 80 प्रतिशत, एससी कैटगरी के लिए 73.60 कट ऑफ रही। एमकॉम 5 वर्ष के लिए ऑल इंडिया कैटगरी में 86.2 कट ऑफ रही, हरियाणा जनरल कैटगरी में 85.2, एससी कैटगरी के लिए 80.2 प्रतिशत पर कट ऑफ रही। बीटेक के लिए ऑल इंडिया कैटगरी में 91.2 प्रतिशत पर कट ऑफ रही, हरियाणा जनरल कैटगरी में 87, एससी कैटगरी के लिए 80 प्रतिशत पर कट ऑफ रही।

सोहना में भी रेल दौड़ने की मंजूरी से खिले क्षेत्रवासियों के चेहरे

नरेश कुमार । सोहना

सोहना में भी रेल दौड़ने की मंजूरी मिलने से क्षेत्रवासियों के चेहरे खिल उठे हैं। क्षेत्र के लोगों को अब प्रदेश की राजधानी चण्डीगढ़ जाना-आना आसान हो जाएगा। राज्य के अन्य जिलों का सफर भी आसानी से कर सकेंगे। केन्द्र सरकार द्वारा मंगलवार को पलवल से वाया सोहना, मानेसर, सोनीपत के बीच ऑर्बिटल रेल चलने की मंजूरी मिलने से क्षेत्रवासियों की सालों से चली आ रही रेल लाइन की मांग पूरी हो गई है। जिससे क्षेत्र के लोगों के चेहरे खिल उठे हैं। क्षेत्र के लोगों को सड़क यात्रा से रेल मार्ग का सफर आसान और कम खर्चे वाला होने के साथ-साथ सुहावना भी होगा।

चण्डीगढ़ आना-जाना होगा आसान

युवा आशिश का कहना है कि रेल का सफर बस किराएं से काफी कम खर्चे वाला होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की राजधानी चण्डीगढ़ से संबंधित कामकाजों को निपटाना तथा हाईकोर्ट से संबंधित मामलों को वहा जाकर आसान होगा। इसके अलावा राज्य के अन्य जिले भिवानी, रोहतक में स्थित शिक्षा बोर्ड और एमडी यूनिवर्सिटी का भी सफर सुहावना हो जाएगा।

सालों बाद जनता की मांग हुई पूरी

सोहना निवासी सरोज का कहना है कि क्षेत्र में छूक,छूक, छूक दौड़ने की मांग क्षेत्र के लोग 1980 से करते आ रहे हैं। रेल चलने की मांग पूरी होने में भले ही 40 वर्ष का सपना पूरा हो गया, लेकिन क्षेत्र के विकास को चार चांद लगे है, क्योंकि किसी भी क्षेत्र को विकसित करने में रेल लाइन का सबसे बड़ा महत्वपूर्ण सहयोग होता है।

जाम से मिले जाएगी मुक्ति

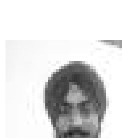

गुरप्रीत सिंह का मानना है कि ऑर्बिटल रेल लाइन से राज्य के अन्य जिलों में जाने आने की दूरी कम तो हो ही जाएगी। इसके साथ जो चण्डीगढ़ जाने के लिए जो दिल्ली या गुरुग्राम से रेल पकड़नी होती थी। वह अब सफर भीड़-भाड़ से मुक्ति मिलेगी। क्योंकि इतना समय दिल्ली से चण्डीगढ़ जाने में लगता था। उतना ही समय सोहना से दिल्ली को पार करने में लग रहता है।

आईएमटी के विकास में रामबाण

दौला निवासी सतबीर का कहना है कि सोहना से लगता रोजका मेव के साथ लगता आईएमटी को विकसित करने में रेल लाइन का आना लाभदायक होगा। किसी भी उद्योग क्षेत्र में कच्चा माला लाना और तैयार माल को निर्यात करना रेल से आसान होता है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार चाहती है कि गुरुग्राम के बाद सोहना को विकसित करने के लिए इस प्रकार की सुविधाएं देना जरूरी है।

यातायात नियमों का पालन करने वालों को किया सम्मानित

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण और परिवर्तन एक प्रयास संस्था ने किया कार्यक्रम

गुरुग्राम में यातायात के नियमों का पालन करने वाले वाहन चालकों को सम्मानित करते यातायात पुलिस अधिकारी और संस्था की संस्थापक रितु कटारिया।

गुरुग्राम। गुरुग्राम जिला में एक नई पहल करते हुए यातायात के नियमों का पालन करने वाले लोगों को जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण और परिवर्तन-एक प्रयास नामक ट्रस्ट द्वारा मिलकर सम्मानित किया जा रहा है। अब तक इस अभियान के तहत जिला के 400 लोगों को सम्मानित किया जा चुका है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रदीप चौधरी ने बताया कि गुरुग्राम जिला के विभिन्न चौराहों जैसे-सेक्टर 4/7 चौक, न्यू कॉलोनी रोड, सोहना चौक व कई अन्य प्रमुख सड़कों पर पिछले 10 सप्ताह से यह अभियान चलाया जा रहा है। आगे भी यह अभियान जारी रहेगा। जो लोग स्वेच्छा से अपना उत्तरदायित्व समझते हुए यातायात नियमों का पालन कर रहे हैं ।

नई रेल लाइन से हजारों दैनिक यात्रियों को मिलेगा लाभ : कौशिक

सांसद रमेश कौशिक ने विशेष सहयोग के लिए मुख्यमंत्री खट्टर और रेल मंत्री का आभार व्यक्त किया

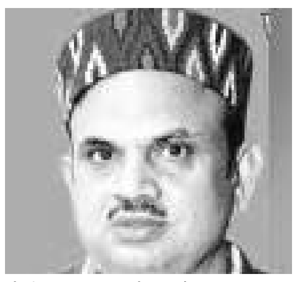
सोनीपत। सांसद रमेश कौशिक।

रणबीर सिंह। सोनीपत

केंद्र सरकार द्वारा हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरीडोर परियोजना को मंजूरी दिए जाने पर सांसद रमेश कौशिक ने विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। साथ ही उन्होंने विशेष सहयोग के लिए रेल मंत्री और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल का भी आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने हरियाणा को यह रेलवे नेटवर्क की बड़ी सौगात प्रदान की है।

सांसद कौशिक ने कहा कि उनके प्रयासों को सफलता मिली है। वे पिछले लंबे समय से इस रेल परियोजना पर काम कर रहे थे। केंद्र सरकार ने उनकी मांग को पूरा करने का काम किया है, जिसके लिए वे धन्यवादी हैं। उन्होंने कहा कि यह राजधानी दिल्ली के लिए भी लाभकारी परियोजना सिद्ध होगी। इससे राजधानी के यातायात को डायवर्जन मिलेगा। साथ ही दिल्ली सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में भीड़ में भी कमी आएगी।

सांसद रमेश कौशिक के अनुसार नई रेल लाइन से हजारों दैनिक रेलयात्रियों को विशेष लाभ मिलेगा। उन्होंने संभावन जताई कि करीब बीस हजार रेलयात्री इस परियोजना का नियमित रूप से रोजाना लाभ उठायेंगे। इन रेल यात्रियों को दिल्ली नहीं जाना होगा। इससे व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि बड़े स्तर पर इस रेल लाइन के माध्यम से माल का आयात-निर्यात अन्य राज्यों को किया जा सकेगा।

121.7 किलोमीटर है रेल लाइन की लंबाई

सांसद ने कहा कि इस नई रेल लाइन की शुरुआत पलवल से की जाएगी और सोनीपत में हरसाना कलां स्टेशन पर खत्म होगी। इससे प्रदेश के सोनीपत, पलवल, नूंह तथा झज्जर और गुरुग्राम जिलों को विशेष रूप से लाभ मिलेगा। रेल लाइन की कुल लंबाई करीब 121.7 किलोमीटर की है। इसका निर्माण कार्य हरियाणा रेल बुनियादी ढांचा विकास निगम लि. (एचआरआईडीसी) के द्वारा किया जाएगा। यह रेल लाइन वेस्टर्न पैरिफेरल एक्सप्रेस-वे कुंडली-मानेसर-पलवल के साथ किया जाएगा। इस परियोजना के निर्माण पर लगभग 5617 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत आएगी।

विकास के पथ पर बढ़ रहा हरियाणा

हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरीडोर परियोजना को मंजूरी से अति उत्साहित सांसद रमेश कौशिक ने कहा कि हरियाणा विकास के नये पथ पर आगे बढ़ रहा है, जिसमें केंद्र हर संभव सहयोग प्रदान कर रहा है। वे लगातार प्रयासरत रहते हैं कि खासतौर से सोनीपत संसदीय क्षेत्र को केंद्रीय योजनाओं का लाभ मिले। उन्होंने कहा कि गन्नौर में रेल कोच फैक्ट्री का निर्माण कार्य तीव्र गति से जारी है। आधा दर्जन से अधिक राष्ट्रीय राजमार्गों की सौगात सोनीपत संसदीय क्षेत्र को मिली है। राष्ट्रीय राजमार्ग-44 का निर्माण कार्य पुन: प्रारंभ कराया गया है, जिसे शीघ्रातिशीघ्र पूरा किया जाएगा। साथ ही उन्होंने विभिन्न विकास परियोजनाओं की भी जानकारी दी।

नेत्र बैंक के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम ने देखी जगह

सेवा संघ कार्यालय का निरीक्षण करती डाक्टरों की टीम।

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

जनसेवा के 40 साल मुकम्मल कर चुकी अग्रणी समाज सेवी संस्था सेवा संघ कार्यालय में नेत्रबैंक स्थापित करने के दृष्टिगत स्वास्थ्य विभाग के नेत्र विशेषज्ञों की टीम ने संस्था कार्यालय का निरीक्षण किया। टीम द्वारा नेत्रबैंक के लिए की जाने वाली जरूरी व्यवस्था के तहत होने वाले प्रबंधों का जायजा लिया।

संस्था के संस्थापक एवं महासचिव शिव शंकर पाहवा, संस्था से जुड़े नेत्र विशेषज्ञ डॉ. दिपेश गर्ग व पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे। सिविल सर्जन डॉ. जयभगवान जाटान द्वारा भेजी गई टीम में जिला अस्पताल की प्रधान चिकित्सा अधिकारी व नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ. कविता गोयल की अगुवाई में डॉ. आरपी गोयल, उप सिविल सर्जन डॉ. संदीप जैन, नेत्रदान काउंसलर सुनीता सहित सतीश व राजेश ने संस्था कार्यालय परिसर में नेत्रबैंक के लिए जरूरी परिसर व्यवस्था, तकनीकी स्टाफ, नेत्र स्टोर रूम में रेफ्रिजरेटर, स्लीट लैम्प व आटो क्लेव आदि का जायजा लिया और की गई समुची व्यवस्था पर नेत्रबैंक की स्थापना के दृष्टिगत संतोष व्यक्त किया।

इस प्रक्रिया में संस्था के अशोक भारती, मदन खुराना, सचिन धमीजा, पवन, सुभाष कथूरिया ने सहयोगी भूमिका निभाई है। मौके पर संस्था के अन्य पदाधिकारियों व सदस्यों में प्रकाश नारंग, अरविन्द चावला, महेन्द्र खन्ना, नरेश भारती, चन्द्र मलिक, अशोक भारती, मदन खुराना, सुभाष कथूरिया, सचिन धमीजा पवन व तुषार आदि के साथ शहर के डॉ. उमेश कांत खन्ना भी मौजूद रहे।

संक्षिप्त-समाचार

सीवरेज समस्या से बेहाल लोगों ने लगाई समाधान की गुहार

सोनीपत। शहर के ओल्ड डीसी रोड स्थित आनंद नगर पिछले काफी समय से सीवरेज समस्या बनी हुई है। क्षेत्रवासियों के कई बार निगम अधिकारियों को सूचित करने के बाद भी समाधान न होने पर बुधवार को क्षेत्र के लोगों ने रोष प्रकट करना शुरू कर दिया। इसकी सूचना पूर्व नगर परिषद चेयरमैन अशोक छाबड़ा को दी। अशोक छाबड़ा की अनुपस्तिथि में उनके बेटे अनुज छाबड़ा मौके पर पहुंचे और क्षेत्रवासियों की समस्या सुनी। क्षेत्रवासियों ने बताया कि उनके क्षेत्र में काफी समय पहले सीवरेज समस्या से निदान दिलाने के लिए निगम की तरफ से सीवर लाइन डालना शुरू किया था, यह लाइन डालने के काम तो शुरू कर दिया लेकिन बीच में ही काम बंद कर दिया। अब हालात ऐसे हो गए कि पैदल राहगीर को भी आवागमन करने में परेशानी हो रही है। भारत बत्रा, हरी अरोड़ा, कृष्ण कुमार, सुदेश कुमार, सन्नी अरोड़ा, राजकरन यादव, रजनी, अमन, हरीश, सुरेश, पुनित व मानिक आदि ने बताया कि उनके क्षेत्र में नई सीवरेज लाइन डालनी थी व नई सड़क बनानी थी, लेकिन नगर निगम की तरफ से काम रोका गया। वे मांग करते हैं कि जल्द से जल्द इन समस्या का समाधान करना चाहिए। क्षेत्रवासियों की समस्या को अनुज छाबड़ा ने विधायक पंवार को बताया। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही समस्या का समाधान कर दिया जाएगा।

खिलाड़ियों को दीं स्पोर्ट्स किट

सोनीपत। समाजसेवी एवं कांग्रेस नेता निखिल मदान ने शहर में कुश्ती का प्रशिक्षण ले रहे खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स किट प्रदान कीं। निखिल मदान ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा के शासनकाल में सभी प्रतिभाशाली एवं जरूरतमंद खिलाड़ियों को सरकार की तरफ से नौकरियां और खेल की सभी सुविधाएं मिलती थी। वर्तमान हालातों में खिलाड़ियों को मूलभूत सुविधाएं भी नहीं मिल रही हैं जो बेहद शर्मनाक है। हरियाणा को मेडल की खान कहा जाता है, जिसका पूरा श्रेय भूपेंद्र हुड्डा को जाता है, जिन्होंने ऐसी खेल नीति बनाई जिसमें प्रतिभावान खिलाड़ियों को नौकरी की गारंटी मिलती थी और अपना पूरा ध्यान खेलों पर लगा पाते थे। निखिल मदान ने बताया कि भूपेंद्र हुड्डा से प्रेरणा लेकर उन्होंने आज कुश्ती के सैकड़ों खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स किट भेंट की हैं। टीम दीपेन्द्र सोनीपत शहर में हर युवा और मेहनती खिलाड़ी की उचित मदद के लिए सदैव तैयार है और इसी कड़ी में शहर के हर सरकारी और निजी खेल मैदानों का दौरा कर विभिन्न खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स किट प्रदान की जा चुकी है और जरूरतमंद खिलाड़ियों को साइकिल भी दी गयी है। इस मौके पर कुश्ती समेत विभिन्न खेलों के कोच मौजूद रहे। कोचों ने समाजसेवी निखिल मदान की इस पहल की सराहना की और उनका धन्यवाद। इस दौरान कुश्ती कोच रविन्द्र, हरपाल दहिया, मास्टर नौरंग, नवीन पहलवान, संजीत, रवि दहिया, जसवंत खत्री, योगेश, बिजेन्द्र आदि लोग मौजूद रहे।

विदेश भेजने के नाम पर की ठगी

कैथल। कस्बा पूंडरी में विदेश भेजने के नाम पर ठगी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। विजय कंसल ने थाना पूंडरी में केस दर्ज करवाया कि चेतन, मृदुल निवासी चंडीगढ़ और बलराज तथा तिलकराज निवासी जालंधर ने विजय कंसल के बेटे को विदेश भेजने का करार किया था। इसकी एवज में आरोपियों ने उससे 30 हजार रुपये पेशगी के रूप में लिये थे लेकिन आरोपियों ने शिकायतकर्ता के बेटे को न तो विदेश भेजा और न ही उसके पैसे वापिस किए। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

उचित दूरी बनाते हुए सजाया धार्मिक दीवान

कुरुक्षेत्र। गुरुद्वारा नीलधारी संप्रदाय पिपली साहिब में संक्रांति पर विशाल धार्मिक समागम सजाया गया। श्री गुरु रामदास जी महाराज एवं श्री गुरु अर्जुन देव जी महाराज के गुरुता गद्दी दिवस और भाई साहिब भाई निर्मल सिंह जी के जन्मदिन को समर्पित यह कार्यक्रम संत बाबा सतनाम सिंह जी (राजा जोगी) के मार्गदर्शन में किया गया। इस समागम में पंथ के सिरमौर रागी जत्थों ने गुरबाणी कीर्तन कर संगत को निहाल किया। गुरुद्वारा साहिब के हजूरी रागी जत्था भाई अर्जुन सिंह परवाना और रागी जत्था भाई सूबा सिंह पिहोवा ने गुरबाणी कीर्तन कर संगत को गुरु इतिहास से जोड़ा। जत्थेदार भाई हरदयाल सिंह ने सरबत के भले के लिए गुरु चरणों में अरदास की। गुरुद्वारा साहिब के हैड ग्रंथी भाई बलजीत सिंह ने गुरबाणी शब्द की व्याख्या कर संगत को अषाढ़ महीने की कथा सुनाई। आई हुई संगत के लिए गुरु के लंगर की व्यापक व्यवस्था की गई। समागम के दौरान सरकार द्वारा जारी कोविड-19 के निर्देशों की पूर्णत- पालना करते हुए संगत को उचित दूरी बना कर बिठाया गया। इतना ही नहीं, पूरे क्षेत्र को सैनिटाइज किया गया, जबकि दीवान हाल में प्रवेश से पहले संगत के हाथ भी सैनिटाइज करवाए गए। इस मौके पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान भाई जसवंत सिंह, महासचिव भाई शमशेर सिंह, दविन्दर सिंह, अवतार सिंह, रणजोध सिंह, रब्ब सिंह, बचितर सिंह, जसबीर सिंह, प्रधान सिंह सहित संगत मौजूद रही।

सड़क हादसे में महिला की मौत

कैथल। गांव चंदलाना में सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। इस बारे में महिला के पति विक्रम सिंह निवासी गांव आहुं ने थाना ढांड में मामला दर्ज करवाया कि वह अपनी पत्नी के साथ बाइक पर जा रहा था कि कार नंबर एचआर 07 एल 3332 के चालक ने तेजी व लापरवाही से कार चलाते हुए उसकी बाइक को टक्कर मार दी। इस टक्कर में उसकी पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। कार चालक फरार है।

युवती का अपहरण

कैथल। कलायत थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव से एक युवती के अपहरण का समाचार है। इस बारे में युवती के पिता ने थाने में अभियोग दर्ज कराया कि एक अज्ञात व्यक्ति उसकी बेटी का अपहरण करके ले गया। इस अपहरण में सुनीता निवासी गांव जुलानीखेड़ा ने भी अपहरणकर्ता की मदद की। पुलिस ने अभियोग दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है ।

पायनियर क्लासीफाइड

बेदखली सूचना

मैं, बलबीर उर्फ सतपाल पुत्र स्व. श्री बाबूराम निवासी मकान न. 2ई-105 एन.आई.टी फरीदाबाद अपने पुत्र सूरज व पुत्रवधु हरदीप कौर को अपनी चल-अचल सम्पत्तियों से बेदखल करता हूं, जो कि मेरी आज्ञा में नही है। उनके द्वारा किए गये किसी सम्बन्ध, कार्य, पुराना व नया पैसे का लेन-देन, झगड़ा, मार-पीट, पुलिस केस, कोर्ट केस आदि से मेरा व मेरे परिवार के किसी सदस्य का कोई सरोकार नहीं होगा।

पीएम मोदी देश के उत्थान के लिए प्रयत्नशील

कुरुक्षेत्र। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले सेवा सप्ताह के अंतर्गत मोदी जी का व्यक्तित्व एवं कृतज्ञता नाम से वेबिनार पंचायत भवन में किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में भारत माता, डा. शयामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीन दयाल उपाध्याय के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्जवलित किया गया। तदोपरांत भाजपा जिलाध्यक्ष राज कुमार सैनी, पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मवीर मिर्जापुर, जिला परिषद अध्यक्ष गुरदयाल सुन्हेडी ने मुख्यातिथि रिटायर्ड वैज्ञानिक डा. सीबी सिंह का बुके देकर स्वागत किया। जिलाध्यक्ष राजकुमार सैनी ने सभागार में कार्यकर्ताओं का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। इसके उपरांत डा. सिंह ने कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि यह हमारा सौभाग्य है जो देश को नरेन्द्र मोदी के रूप में कर्मठ एवं समर्पित प्रधानमंत्री मिला है, जिन्होंने जय जवान जय किसान एवं जय विज्ञान जोडकर उना वैज्ञानिकों को सम्मान दिया है। मोदी देश के उत्थान के लिए सदा प्रयत्नशील रहते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री देश एवं सिर्फ देशवासियों के बारे में सोचते हैं और उसे साकार भी करते हैं। जिन्होंने धारा 370, राम मन्दिर, तीन तलाक जैसे दशकों से लंबित मुद्दों का हल बिना किसी नुकसान के सहजता से कर दिया। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का विश्व में सम्मान बढ़ा है और भारत आज शक्तिशाली राष्ट्रों की कतार में आ खडा हुआ है। डा. सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी किसानों की आय बढ़ाने के लिए दिल से प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि देश के लिए इस तरह कार्य करने वाला ऐसा कर्मठ प्रधानमंत्री हमने आज तक नहीं देखा। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक हेप्पी विर्क, सह संयोजक रोशन बेदी, रतन लाल बंसल, जिला मीडिया

किसानों को मिले फसल खरीद व भुगतान की गारंटी

किसान एक खत प्रधानमंत्री के नाम से शुरू की मुहिम, तीन हजार खत भेजे

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

करनाल की सड़कों पर सरकार विरोधी प्रदर्शन करते किसान।

भारतीय किसान यूनियन के तत्वाधान में प्रदेश में एक किसान एक खत प्रधानमंत्री के नाम से शुरू की गई मुहिम के तहत प्रधानमंत्री को करनाल के मुख्य डाकघर में करीब तीन हजार खत पोस्ट किए गए। जिसमें किसानों ने खतों पर स्वयं लिख कर मुझे, कंपनी राज नहीं समर्थन मूल्य पर खरीद व सही समय पर भुगतान का कानून बनाए जाने की मांग की।

किसान नेताओं ने बताया कि इस तरह से इस मुहिम के तहत प्रधानमंत्री को सितम्बर माह में एक लाख एक हजार कार्ड पोस्ट करने का ऐलान किया है। इससे पूर्व सैकड़ों किसानों ने जिला अध्यक्ष यशपाल राणा की अगुवाई में पुरानी तहसील परिसर में एकत्रित होकर रोष जाहिर किया। इसके उपरांत भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले पुरानी तहसील परिसर से किसान चौक, घंटा घर चौक, पुरानी सब्जी मंडी चौक से होते हुए मुख्य डाकघर तक शहर की सड़कों पर उतर कर प्रर्दशन किया।

आंदोलित किसानों ने गर्म जोशी के साथ हरियाणा सरकार मुर्दाबाद व भारतीय किसान यूनियन जिंदाबांद के नारे लगा कर अपनी आवाज को बुलंद किया। प्रदेशाध्यक्ष रतनमान ने कहा कि किसान को फसल खरीद व भुगतान की गांरटी मिलनी चाहिए। आज ये ही किसान की सर्वोतम मांग है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में केंद्र के विवादित तीन अध्यादेशों को लेकर दर्जनभर किसान संगठन अपने अपने तरीके से आंदोलन कर रहे हैं। इस आंदोलन में कई किसान नेताओं को राजनीतिकरण से बचना चाहिए। वरना किसानों को बड़ा नुकशान हो सकता है। सभी राजनेतिक दलों के नेता एक समान है। इनसे बच कर किसान आंदोलन को मजबूत करना होगा। दिल्ली में गत दिवस किसान नेताओं के बीच हुए टकराव के प्रकरण पर पुछे गए सवाल का जवाब देते हुए प्रदेशाध्यक्ष रतनमान ने कहा कि जहां भी किसान आंदोलन में राजनीति का मिश्रण हो जाता है वहां पर अमुमन इस तरह की स्थितियां पैदा होती है। जिससे बचना चाहिए। लेकिन जो प्रकरण दिल्ली में हुआ वह निंदनीय है। प्रदेश उपाध्यक्ष स. सुरेंद्र सिंह घुम्मन, प्रदेश संगठन सचिव डा. श्याम सिंह मान, जिला ध्यक्ष यशपाल राणा, सतपाल बड़थल, महिला प्रधान नीलम राणा, भारतीय किसान गन्ना संघर्ष समिति प्रवक्ता नेकी राम, सतीश कलसोरा, विनोद राणा, सतबीर मढ़ाण, रामफल नरवाल, सुरेंद्र आदि किसान मौजूद थे।

5 को होगा सरकार से आरपार का हिसाब

प्रदेशाध्यक्ष रतनमान ने कहा कि किसान विरोधी भाजपा सरकार के खिलाफ आने वाली 5 अक्तूबर को हिसार के कसबा बरवाला में किसान अधिकार महापंचायत को आयोजन किया जाएगा। जिसमें निर्णायक कदम उठाया जाएगा।

देश सेवा में लगाया है मोदी ने अपना जीवन : संदीप

अमेरिका जैसे विकसित देश भी प्रधानमंत्री मोदी के निर्णयों के कायल हैं

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

कार्यक्रम के दौरान लोगों से मिलते खेल मंत्री संदीप सिंह।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर भाजपा की ओर से मनाए जाने वाले जनसेवा सप्ताह के तहत कुरुक्षेत्र रोड पर आशीर्वाद आंखों का अस्पताल की तरफ से मुफ्त आंखों का जांच शिविर लगाया गया। इसमें खेल व युवा मामलों के मंत्री संदीप सिंह ने बतौर मुख्यातिथि भाग लेकर कैंप का उद्घाटन किया।

खेल मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना पूरा जीवन इस देश की सेवा में लगाया है। उनके प्रयास की बदौलत आज पूरी दुनियां में भारतीय नागरिकों का सम्मान बढ़ा है। अमेरिका जैसे विकसित देश भी प्रधानमंत्री मोदी के निर्णयों के कायल हैं और उनके फैसलों का इंजतार करते हैं कि किस परिस्थिति में मोदी क्या निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि नेत्र व रक्तदान सबसे अधिक पुण्य का कार्य है। इसमें सभी को बढ़चढ़ कर सहयोग करना चाहिए। आयोजक डॉ. अवनीत वड़ैच ने बताया कि शिविर में आशीर्वाद आखों के अस्पताल के साथ-साथ हरियाणा मिल्क फूड प्राइवेट लिमिटेड व नेशनल सोसायटी फॉर दी प्रीवेंशन ऑफ ब्लाइंडनेस के सहयोग से 51 मरीजों को आंखों के ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। इसके अलावा सैकड़ों मरीजों की जांच करके उन्हें नि:शुल्क दवाइयां और चश्में वितरित किए गए। कार्यक्रम के बाद खेल मंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर चर्चा की। साथ ही किसान रेस्ट हाऊस में आयोजित किसान मोर्चा की बैठक में भाग लेकर उनकी किसानों के बीच जाने की ड्यूटी लगाई गई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष राजकुमार सैनी, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष मनदीप विर्क, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष लाडी पाल, मंडलाध्यक्ष राकेश पुरोहित, बाखली मंडलाध्यक्ष साधु सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

सीएम से शीघ्र मुलाकात करवाएं कृष्ण बेदी : राजबाला

कैथल। आशा वर्कर राजबाला पाई ने कहा कि मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि कृष्ण बेदी शीघ्र उनकी बातचीत मुख्यमंत्री से कराएं अन्यथा वे फिर से हड़ताल पर चली जाएंगी। कृष्ण बेदी ने उनसे वादा किया था कि वे दस दिन के अंदर उनकी मुलाकात मुख्यमंत्री से करा देंगे लेकिन अभी तक उनकी बात सीएम से नहीं हुई है।

राजबाला बुधवार को लघु सचिवालय में जारी आशा वर्करों के धरने की अध्यक्षता कर रही थी। मंच संचालन निर्मला डुलियानी ने किया। धरने पर पाई व पूंडरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की आशाएं बैठी। निर्मला ने कहा कि वे लंबे समय से अपनी छोटी-छोटी मांगों को लेकर धरने पर बैठी हैं लेकिन सरकार लगातार उनकी अनदेखी कर सही है। उन्होंने कहा कि एक ओर तो सरकार महिलाओं के उत्थान की बात करती है लेकिन वास्तव में उनकी समस्याएं बढ़ाई जा रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि कोरोना काल में आशा वर्कर अनेक प्रकार के सर्वे और दवाएं वितरण का काम कर रही हैं, वे 24 घंटे अपने कार्यों पर मुस्तैद रहती हैं। लेकिन जब उनकी मांगों के समाधान की बात आती है तो सरकार आनाकानी करने लगती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार संवेदनहीन है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली भाजपा सरकार स्वयं बेटियों की समस्याओं के प्रति गंभीर नहीं है। धरने पर नेहा शर्मा, पतासो, सुदेश पाई, राजेश व सीमा ने भी अपनी बात रखी।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- तरुण सतीजा दुकान नंबर 3689 निकट काबली गुरुद्वारा एसजीएम नगर 7701965422
- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- कामरेड,बल्लभगढ़ रेड लाइट
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

नज़रिया

दिनेश रघुवंशी, कवि

करोड़ों धड़कनों पर करता है तू राज बॉलीवुड
तुझे ये कृत्य करते क्यूँ न आई लाज बॉलीवुड
कभी आदर्श था लेकिन ये कैसी दौड़ है जिसमें
नशे का हो गया आदी रुपहला आज बॉलीवुड

सप्ताह के अंतिम 3 दिन बनाएं जाएंगे परिवार पहचान पत्र : वीना

कुरुक्षेत्र। अतिरिक्त उपायुक्त वीना हुड्डा ने कहा कि कुरुक्षेत्र में परिवार पहचान पत्र का कार्य शुरू हो चुका है। इसके तहत प्रथम चरण में सभी राजकीय स्कूलों में विद्यार्थियों के डाटा को अपडेट किया है और अब 17 से 19 सितंबर तक सभी आमजन अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सैंटर व राजकीय स्कूल में जाकर अपने परिवार पहचान पत्र बनवा सकते है। एडीसी ने बुधवार को बातचीत करते हुए कहा कि राज्य सरकार के आदेशानुसार और उपायुक्त शरणदीप कौर के निर्देशानुसार कुरुक्षेत्र जिला में परिवार पहचान पत्र अपडेशन का कार्य स्कूल स्तर पर 14 सितंबर से शुरु किया गया था। इस कार्य के तहत सम्बन्धित स्कूल में पढ़ रहे बच्चों के परिवार पहचान पत्र के अपडेशन, एडिट और न्यू रजिस्ट्रेशन का कार्य किया गया। इस कार्य के लिए किसी भी बच्चे को स्कूल नहीं बुलाया गया। इस कार्य में स्कूल शिक्षकों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सीएलपी इंडिया ने झज्जर में पेयजल पहुंचाने के लिए ओवरहेड टैंक का निर्माण किया

इस पहल से गांव की बढ़ती आबादी को अगले 30 वर्ष तक मिलेगा पीने का पानी

पायनियर समाचार सेवा। झज्जर

सीएलपी इंडिया की सहायक कंपनी झज्जर पावर लिमिटेड (जेपीएल) ने अपने काम करने के क्षेत्र में पानी से जुड़ी समस्या दूर करने के लिए हरियाणा के झज्जर जिले के खानपुर खुर्द गांव में ओवरहेड वाटर टैंक का निर्माण किया है। नए वाटर टैंक से लगभग 1500 घरों को निरंतर पीने का पानी मिलेगा। जगबीर सिंह मलिक, सुपरिटेंडेंट इंजीनियर, पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग- झज्जर सर्कल भास्कर भट्टाचार्जी, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, ऑपरेशंस और मेंटिनेंस, झज्जर प्लांट, सीएलपी इंडिया और खानपुर खुर्द के सरपंच उदय सिंह ने टैंक का उद्घाटन किया।

24 मीटर ऊंचे इस टैंक में 2 लाख लीटर पानी जमा किया जा सकता है और यह गांव के वाटर वर्कस्टेशन से जुड़ा है। ग्राम पंचायत ने जेपीएल से संपर्क करके घरों में पीने के पानी की समस्या को दूर करने का अनुरोध किया था। जेपीएल ने स्थानीय पंचायत के सहयोग इस परियोजना को आसानी से पूरा कर दिया। इस पहल से गांव की बढ़ती आबादी को अगले 30 वर्षों तक पीने के पानी की समस्या नहीं होगी।

उद्घाटन के मौके पर भास्कर भट्टाचार्जी ने कहा, काम करने की जगह के आसपास पानी का पर्याप्त बुनियादी ढांचा तैयार करने पर सीएलपी इंडिया का फोकस रहा है क्योंकि स्वस्थ समुदायों के निर्माण में यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। गांव के लोगों को लंबे समय से इसकी जरूरत थी और हमें खुशी है कि हमने इसे पूरा किया। यह फैसिलिटी सफल पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप का बेहतरीन उदाहरण है क्योंकि इस ओवरहेड टैंक का निर्माण जेपीएल ने किया और पंचायत ने घरों तक पानी पहुंचाने के लिए पाइप नेटवर्क लगाने का काम किया।

सीएलपी इंडिया अनूठे तरीके से काम करती है जिसके तहत वह स्थानीय समुदायों की समस्या समझने के लिए उनके साथ मिल कर काम करती है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा -201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। संपादक : चंदन मित्रा, स्थानीय सम्पादक : प्रवीण मोहंती । दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किये गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

श्रमिकों की मौतें

सरकार का आंकड़े से इनकार

बेंजामिन डिजराइली ने एक बार कहा था कि 'झूठ तीन प्रकार का होता है, झूठ, सफेद झूठ व आंकड़े'। लगता है कि सरकार ने राष्ट्रीय संकट के समय यह कथन स्वीकार कर लिया है। उसे किसी ऐसे डेटा पर विश्वास नहीं है जिसे स्वयं उसने न एकत्र किया हो। इस प्रकार परोक्ष रूप से उसने महामारी के कारण लागू लाकडाउन के समय प्रवासी मजदूरों के पलायन के समय उनकी मौतों को स्वीकार नहीं किया है। हालांकि, उस समय मीडिया में अनेक हृदय विदारक खबरें सामने आई थीं जिनमें शहरों में रातोंरात रोजगार समाप्त होने के बाद निर्धन मजदूर बड़ी संख्या में अपने गांवों को पलायन के लिए मजबूर हुए थे। उनमें से अनेक भूख या बीमारी के कारण कोई सहायता न मिलने से मर गए थे। सरकार का यह दृष्टिकोण संवेदनहीन होने के साथ अपनी जिम्मेदारी से पीछा छुड़ाना है। इससे भी बुरी बात है कि यह संवेदनहीनता संसद में सामने आई है। एक सवाल के जवाब में केन्द्रीय श्रम मंत्रालय ने कहा कि उसके पास प्रवासी श्रमिकों की मौतों का कोई आंकड़ा नहीं है, इसलिए राहत और सहायता का 'सवाल ही नहीं उठता है।' यदि मंत्री, उनके कार्यालय व नौकरशाहों की बात मान ली जाए कि किसी कारण से वे भारत के सबसे खराब 'विपरीत पलायन' की खबरों को नहीं मानते हैं तो मंत्रालय की इस स्वीकारोक्ति का क्या अर्थ है कि देश के विभिन्न कोनों से एक करोड़ से अधिक श्रमिकों ने अपने गांवों की ओर पलायन किया? क्या यह मान लिया जाए कि असंगठित श्रमिकों पर कोई आपदा नहीं आई थी? शायद इस बार कांग्रेस नेता राहुल गांधी की प्रतिक्रिया सटीक है जिन्होंने ट्वीट किया है कि 'यदि आपने गिनती नहीं की है तो क्या इसका अर्थ है कि मौतें नहीं हुई हैं?' सरकार रेल मंत्रालय द्वारा दिए इस बयान से कैसे पल्ला झाड़ सकती है

कि श्रमिक ट्रेनों से यात्रा करते समय अनेक प्रवासी श्रमिक मर गए। अनेक श्रमिक थकावट के कारण पटरियों पर सो गए और ट्रेनों से कुचल गए। मीडिया के अनुसार 25 मार्च व 31 मई के बीच 1400 से अधिक सड़क दुर्घटनाओं में 198 प्रवासी श्रमिकों समेत 750 लोग मारे गए। यदि सरकार इन आंकड़ों पर विश्वास नहीं करती है तो भी वह सारी दुनिया को झुठला नहीं सकती है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन-आईएलओ व एशियन डेवलपमेंट बैंक-एडीबी के अनुसार देश में महामारी के समय 41 लाख रोजगार समाप्त हुए हैं। अप्रैल में विश्व बैंक की एक रिपोर्ट्र से संकेत मिलता है कि महामारी के समय देश में 40 मिलियन से अधिक आंतरिक विस्थापितों का रोजगार प्रभावित हुआ था। हाल ही में सेंटर फार मानीटरिंग इंडिया इकोनोमी-सीएमआईई ने कहा था कि केवल जुलाई में पांच मिलियन वेतनभोगी लोगों का रोजगार समाप्त हुआ, जबकि अप्रैल में यह आंकड़ा सबसे अधिक 17.7 मिलियन था। संकट इतना बड़ा था कि मनरेगा के अंतर्गत रोजगार की पंजीकरण कराने वालों में एमए व एमबीए डिग्री धारक भी शामिल थे। इनमें शहरों में रोजगार समाप्त होने के बाद स्वरोजगार में लगे नौजवान भी थे। यदि सरकार प्रत्येक मनरेगा कार्ड धारक को इस साल 100 दिन का रोजगार दे तो उसे 2.8 लाख करोड़ रुपये खर्च करने होंगे। केन्द्र ने इस योजना पर जोर देकर ठीक किया, लेकिन बकाया भुगतान की समस्या बनी हुई है। इस वित्त वर्ष की शुरुआत 16,045 करोड़ रुपये बकाया मजदूरी व अन्य दायित्वों के साथ हुई। ऐसे में वित्त वर्ष 2020-21 के लिए एक लाख करोड़ का आबंटन घट कर 84,000 करोड़ रह जाता है। योजना शुरू होने के बाद इसमें अधिकतम आबंटन किया गया है, लेकिन यह जीडीपी का केवल 0.47 प्रतिशत है, जबकि विश्व बैंक की सलाह 1.7 प्रतिशत खर्च की है। मनरेगा में लगातार वर्तमान 100 कार्य दिवसों में वृद्धि की मांग होती रही है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर पिछले चार सालों में औसत केवल 47 दिन रहा है। समय आ गया है कि मनरेगा में सुधार किए जाएं। विभिन्न राज्यों ने वापस लौटे श्रमिकों की उनके कौशल के अनुसार सूची बनाने का काम किया है, पर यह अखिल भारतीय स्तर पर होना चाहिए। श्रमिकों को महत्व देना होगा क्योंकि इसके बिना आत्मनिर्भरता का लक्ष्य नहीं प्राप्त हो सकता है।

ड्रैगन सेना की भयावह कमजोरी

युद्ध का अनुभव खरीदा नहीं जा सकता है। अनुभव की यह कमी चीनी सेना के लिए युद्ध के मैदान में सबसे घातक सिद्ध हो सकती है।

भूपिंदर सिंह
(लेखक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी व पूर्व उपराज्यपाल हैं)

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने स्वयं स्वीकार किया है कि 2.1 मिलियन से अधिक सक्रिय सैनिकों वाली दुनिया की सबसे बड़ी सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी-पीएलए 'शांति की बीमारी' से ग्रस्त है। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी-सीसीपी के महासचिव तथा केन्द्रीय सैनिक आयोग-सीएमसी के अध्यक्ष की 2012 में जिम्मेदारी संभालने के बाद से शी जिनपिंग ने पीएलए में सैद्धान्तिक, रणनीतिक, तकनीकी, सांस्कृतिक व हथियारों की उपलब्धता के दृष्टिकोण से भारी परिवर्तन किए हैं। इसके बावजूद वे युद्ध में अनुभवहीनता से बहुत चिन्तित हैं क्योंकि चीनी सेना का 1979 के बाद से कोई परीक्षण नहीं हुआ है, जब यह तुलनात्मक रूप से कमजोर वियतनामी सेना के सामने एकदम नाकारा सिद्ध हुई थी। महत्वपूर्ण है कि 1979 में चीन से लड़ने वाले वियतनामी सैनिक पहले ही अमेरिकी सैनिकों से दो दशक से लड़ रहे थे तथा बुरी तरह आहत थे। इस कारण वे एक बेहतर संगठित, प्रशिक्षित व हथियारों से लैस बल नहीं थे। 1979 में चीनी पीएलए के सैनिक केवल 1950 के दशकारंभ में कोरियाई युद्ध में लड़े थे और इस अनुभवहीनता के साथ उन्होंने वियतनामी सैनिकों का मुकाबला किया था। उनको बहुत जल्दी खुद को बड़ी सैनिक शक्ति होने की गलतफहमी का खामियाजा भुगतना पड़ा था। वे बेहतर हथियारों तथा आक्रामक रणनीति से लैस थे, लेकिन युद्ध की अनुभवहीनता इस पर भारी पड़ी थी। वर्तमान समय में पीएलए की इसी अनुभवहीनता को शी जिनपिंग 'शांति की बीमारी' कहते हैं। लेकिन इसके बावजूद वे आक्रामक व उत्पीड़नवादी तथा वैश्विक विस्तारवादी दृष्टिकोण अपना रहे हैं।

'शांति की बीमारी' के अनेक अन्य आयाम हैं जो पीएलए की युद्धक क्षमता पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। पहला, पीएलए की स्वामिभक्ति तथा आधीनता सिविलियन सीसीपी के प्रति है। यह समझ शुरुआती वर्षों में शी जिनपिंग द्वारा पीएलए के अनेक जनरलों को हटाने तथा अपने 'यंग गार्डों' को पदोन्नत करने के रूप में सामने आई थी। ये 'यंग गार्ड' 1979 के बाद वाले हैं। इसके साथ ही चीनी युद्धक इकाइयों में कंपनी के स्तर पर 'यूनिटी आफ कमांड' हमेशा कमजोर होती है क्योंकि उसे राजनीतिक अधिकारियों के साथ अपनी जिम्मेदारी साझा करनी होती है जो पार्टी या सीसीपी के प्रति जिम्मेदारी सुनिश्चित करने का गैर-सैनिक लक्ष्य सामने रखते हैं। पीएलए की ढांचागत संरचना में बहुत बड़ी कमी गैर-कमीशंड अधिकारियों या एनसीओ कैडर का ठीक से विकास न होना है, जबकि यह युद्धक क्षमता के लिए बहुत जरूरी है। कारगिल युद्ध में भारतीय सेना की फौलाद जैसी मजबूती अन्य चीजों के साथ 'जूनियर कमांड' की मजबूती थी जिसने सीधे सामने आ कर नेतृत्व किया। इस दृष्टिकोण से एनसीओ कैडर की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। जहां भारत और यहां तक कि पाकिस्तान की सेनायें आंतरिक जरूरतों या अशांत सीमाओं पर युद्ध अनुभव प्राप्त करती रही हैं, वहीं चीनी 'शांति की बीमारी' आराम के कारण पैदा हुई है। भारत-चीन इतिहास में 1967 में नाथू ला व चो ला

> **डोकलाम व गलवान घाटी में चीन जवाबी कार्रवाई से आश्चर्यचकित है। भारतीय सेना ने ऊंची पहाड़ियों पर कब्जा कर वीरता का प्रदर्शन किया है। इससे चीनी सेना की शांति की बीमारी या युद्ध अनुभवहीनता स्पष्ट रूप से सामने आ गई है जिसकी कमी तलवार-भांजने, धोखाधड़ी तथा सैनिक-ढांचागत निर्माण से पूरी करने का प्रयास हो रहा है।**

सीमा पर झड़प में भारतीय सेना की श्रेष्ठता सिद्ध हुई थी जो लड़ाइयों में तपी हुई थी तथा 1962 में भारतीय सेना की तुलना में उसकी सोच एकदम अलग थी। निसंदेह चीन ने सेना में भारी निवेश किया है। उसका वार्षिक रक्षा बजट आबंटन 2019 में लगभग 261-266 बिलियन डालर था। यह भारत द्वारा सशस्त्र सेनाओं पर खर्च का चार गुना है। लेकिन सैनिक तकनीकों में उत्कृष्टता के चीनी दावों पर गंभीर सवाल हैं। इनमें चेंगडू जे-20 'पांचवी पीढ़ी' के स्टील्थ लड़ाकू विमान पर उठने वाले सवाल महत्वपूर्ण हैं। इसके साथ ही उसके प्रशिक्षण, ढांचागत पुनर्गठन व कमांड व्यवस्थाओं पर भी सवाल हैं। स्वदेशी हथियारों की श्रेष्ठता के चीनी दावों के बावजूद चीन ने खुलेआम रूस से एस-300, एस-400 एंटी-एयरक्राफ्ट प्रणालियां तथा एसयू-27 व एसयू-35 लड़ाकू जेट खरीदने के प्रयास किए हैं। इसके साथ ही उसने 'रिवर्स इंजीनियरिंग' के माध्यम से अन्य प्रणालियां व तकनीकें तैयार की हैं। लेकिन भारत जैसे देशों की तुलना में चीन की स्थिति इस अर्थ में बेहतर है कि उसने राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अभिन्न अंग के रूप में 'सुरक्षा' को अंतर्निहित कर लिया है। यह उसकी अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों व रणनीतिक गणित में सभी नीतिगत क्षेत्रों में दिखाई देता है, फिर चाहे वे आंतरिक हों या बाहरी। इसके उलट तनाव बढ़ने पर 'भारतीय सैनिक' को चयनित तरीके से याद किया जाता है, पर भारतीय अवस्थापना ने उसकी भूमिका को दूसरे स्तर का माना है। यह रक्षा मामलों पर प्राथमिकता और प्रासांगिकता के रूप में दिखाई देता है तथा त्वरित प्रतिक्रिया या राजनीतिक रूप से प्रतियोगी 'निवेशों' के रूप में सामने आता है। विडंबना है कि राजनेता वर्ग द्वारा भारत के आंतरिक मामलों के कुप्रबंधन ने सुनिश्चित किया है कि भारतीय सैनिक बलों में कोई 'शांति की बीमारी' न आने पाए।

युद्ध का अनुभव एक सबसे महत्वपूर्ण चीज है जो सेनाओं की किस्मत तय करता है। इसके साथ ही घातक हथियार, प्रक्रियायें, नेतृत्व, संख्या बल या सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेश तथा राजनीतिक जुड़ाव भी महत्वपूर्ण हैं। जापान की 'बानजेई' संस्कृति व अभिप्रेरणा का स्तर भौतिक कमियों को पूरा कर सकता है। संख्या बल के अनुसार बहुत बड़ी तथा दशकों चले ईराक-ईरान युद्ध के कारण अनुभवी ईराकी सेना पहले खाड़ी युद्ध में अमेरिकन हथियारों, प्रशिक्षण तथा पेशेवर कार्यशैली की श्रेष्ठता के चलते 100 घंटे के भीतर पराजित हो गई। इसी प्रकार यही युद्ध अनुभव तथा ज्यादा पेशेवर अमेरिकी सेना को अफगानिस्तान से 'बाहर निकलने' पर मजबूर होना पड़ रहा है, जबकि उसका सामना अधकचरी तालिबान मिलिशिया से है जिसके पास बराबरी के हथियार, प्रशिक्षण व ढांचागत संरचना नहीं है।

डोकलाम व गलवान घाटी में चीन जवाबी कार्रवाई से आश्चर्यचकित है। इसके साथ ही भारतीय सेना ने ऊंची पहाड़ियों पर कब्जा कर अपनी वीरता का प्रदर्शन किया है। इससे चीनी सेना की 'शांति की बीमारी' या युद्ध अनुभवहीनता स्पष्ट रूप से सामने आ गई है जिसकी कमी तलवार-भांजने, धोखाधड़ी तथा सैनिक-ढांचागत निर्माण से पूरी करने का प्रयास हो रहा है।

पीएलए के लेफ्टीनेंट जनरल ही लेई ने कुछ साल पहले कहा था कि सेवानिवृत्ति के पहले उनका सबसे बड़ा दुख यह है कि उन्होंने कभी कोई लड़ाई नहीं लड़ी। युद्ध अनुभव के दृष्टिकोण से उनके वारिस और भी बुरी स्थिति में हैं, जबकि दूसरी ओर अनेक चिन्ताओं व कमियों के बावजूद 'शांति की बीमारी' जैसी कोई चीज उनके साथ निश्चित रूप से नहीं है। युद्ध का अनुभव खरीदा नहीं जा सकता है और इसके कारण युद्ध के मैदान में चीन का भ्रम पूरी तरह टूट सकता है।

मीडिया की विश्वसनीयता की रक्षा जरूरी

सिद्धार्थ मिश्र
(लेखक विवेकानंद स्कूल आफ जर्नलिज्म में प्रोफेसर हैं)

भारतीय मीडिया में वर्तमान उथल-पुथल की आलोचना, खासकर टेलीविजन में, आलोचक को खारिज किए जाने की प्रवृत्ति का परिचायक है। अगला आरोप यह कि मीडिया पिछली हुकूमत के प्रति सहानुभूति रखता है तो फिर ऐसी सहानभूतियों के लिए तब सवाल क्यों नहीं उठाए गए थे। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि वर्तमान समय के बहुत से कोलाहलपूर्ण ध्वज-वाहक, जो मीडिया में निर्लज्जतापूर्ण ढंग से प्रस्तुत किए जा रहे झुकाव का विरोध कर रहे हैं, वे स्वयं अनुचित पहुंच एवं संरक्षण का लाभ उठाने के दोषी हैं, जिससे ईमानदार पत्रकारिता एवं संरक्षण प्राप्त पत्रकारिता के बीच का अंतर धूमिल हो रहा है। ऐसा कहकर, पूर्व में उल्लिखित मूल धारणा को तीक्ष्णता एवं विद्वेष के एकमात्र कारक के तौर पर सही नहीं ठहराया जा सकता है, जो भारतीय टेलीविजन की दशा की व्याख्या करता है। इसका ज्यादा लेना-देना बाजार तथा राजस्व मॉडलों से है। इस लेखक ने उस समय उस दौर में दि पायनियर के साथ काम किया है जब उसे केंद्रीय अंग्रेजी दैनिक का सबसे बड़ा अधिकार माना जाता था। लेकिन समाचार पत्र के संपादकीय नेतृत्व को इसका श्रेय जाता है कि झुकाव के बावजूद, इसने कभी विरोधी मतों को हतोत्साहित नहीं किया और प्रमुख स्थान दिया।

अधिक महत्वपूर्ण रूप से, इसने वैचारिक रुख अपनाया, व्यावसायिक कीमत चुका कर क्योंकि बहुत सी सरकार एजेंसियां एवं विभागों ने अखबार के राजस्व मॉडल को ध्वस्त करने के लिए दिनरात प्रयास किए। निश्चित रूप से विपक्षी समाचार पत्र होना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था और वो भी केंद्रीय विचार के निकट रहकर काम करने वाले अखबार के नाते। यही बात केंद्रीय वैचारिकता के निकट वाले वर्तमान पक्षधरों के लिए नहीं कही जा सकती। यह तो सरकार के दाहिनी ओर रहकर काम करने का मामला है। किसी वैचारिकता के प्रति ईमानदार होने का अर्थ होता है कीमत चुकाना, जो वर्तमान के दिखावा करने वाले नहीं चुकाते थे और न ही आज चुका रहे हैं, क्योंकि दोनों अवसरों पर वे सरकार के दाहिनी ओर रहते थे।

फिर एक और मुद्दा आता है। क्या किसी राजनीतिक विचार का समर्थक होना किसी मीडिया घराने को उसी वैचारिकता वाली सरकार पर सवाल उठाने के अधिकार से वंचित कर देता है? अटल बिहारी वाजेपेयी के प्रधानमंत्रित्वकाल के दौरान, बांग्लादेश के साथ सीमा पर झड़प का एक उदाहरण सामने आया था जिसमें सीमा सुरक्षा बल का एक अधिकार मारा गया था। उसकी बटालियन बहुत गरिमाहीन ढंग से वापस लौटी थी। छवियां

देखकर क्रोध आता था जबकि सरकार शांति की बात कर रही थी। पायनियर में मुख्य पृष्ठ पर छपे संपादकीय में कहा गया, ''झुको, मगर जमीन पर लेट न जाओ।'' अब यह उस समाचाार पत्र द्वारा की गई आलोचना थी जो तत्कालीन सरकार से निकटता के लिए जाना जाता था। इसके लिए संपादक के स्तर पर काफी साहस की, और आलोचना को सकारात्मक रूप से लेने के लिए सरकार के स्तर पर विशालहृदयता बरतने की आवश्यकता थी।

मीडिया घरानों द्वारा अपनाया जाने वाला वर्तमान खबर संबंधी रुझान यह है कि सरकार कभी गलत नहीं करती, क्या इससे सत्ताधारी चिंतित होंगे। चिंता दो मोर्चों पर होनी चाहिए : पहला, इन मीडिया घरानों की विश्वसनीयता का क्षरण और एंकरों का सरकार के प्रति सहानुभूति रखना। दूसरे, विपक्ष को कोई स्थान न देकर, मुख्यधारा मीडिया ऐसी स्थिति में पहुंच गया है जहां उसने अपने राजनीतिक प्रचार वाहन चलाने प्रारम्भ कर दिए हैं, जहां मीडिया घरानों के प्रति अविश्वास पैदा हो गया है और उन्हें सरकारी प्रचार के वाहन बताया जा रहा है। जिनके पास आलोचकों के प्रति विद्वेष को बढ़ावा देकर प्रचार नीतियों की जिम्मेदारी है उन्हें एहसास नहीं है कि आलोचकों पर हमला बोलकर वे समान रूप से कटु प्रति-विमर्शों को भड़काने का काम कर रहे हैं। जब सोशल मीडिया और तकनीकी उच्चीकरण पूर्ण रूप से मीडिया क्षेत्र का लोकतांत्रीकरण कर रहा है, ऐसे में किसी सरकार की छवि केवले प्राइम टाइम एंकरों पर निर्भर नहीं हो सकती।

हम ऐसे समय में जी रहे हैं जहां ट्रोल करने वाले सेनाएं कीचड़ उछाल प्रक्रिया में अपने सेवाएं मुहैया कराने को तैयार हैं। सवाल यह है कि उन्हें कौन ऐसा करने के लिए भुगतान कर रहा है। जबकि जवाहरलाल नेहरू के विचारों का प्रसार होने में आधी सदी से अधिक का समय लग गया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने जीवनकाल में ही इन आलोचनाओं का विषय बनाए जा रहे हैं। नेहरू तथा उनके बाद के कई प्रधानमंत्री सौभाग्यशाली थे कि वे आर के लक्ष्मण जैसे कार्टूनिस्ट द्वारा आलोचनाओं का विषय बनते थे। साथ ही वे भाग्यशाली थे कि उस समय सोशल मीडिया नहीं था, जो उन्हें कीचड़ में घसीटने का प्रयास करता।

आज सरकार के दावों पर विरोधी विमर्श विविध सोशल मीडिया मंचों पर नजर आते हैं जो कुछ ही पलों के भीतर सार्वजनिक रूप से सामने आ जाते हैं। फर्जी एवं गलत व्याख्याओं पर आधारित तथ्यों पर निर्भरता के कारण अविश्वास का माहौल पैदा हो गया है, जहां खबर सच भी हो तो उसकी स्वीकार्यता जल्दी होना आसान नहीं होता। इस स्थिति ने ऐसे माहौल को जन्म दिया है कि कारण सबसे बड़ी दुर्घटना बन जाता है। जब फर्जी खबर बाजार में बेचे जाने योग्य वास्तविकता बन जाती है, तब प्रमाण आधारित, बेहतर तर्क के अनुरूप जानकारियों के इच्छुक ग्राहक ज्यादा संख्या में नहीं होते। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रतिपादित इन्फोडेमिक शब्द को ही ले लीजिए, जो कोविड-19 महामारी संबंधी सूचनाओं के बहाव पर दिया गया था। असलियत में रोगाणु ने मीडिया को वित्त तथा विश्वसनीयता दोनों मामलों में तगड़ी चोट पहुंचाई है। टेलीविजन और अखबार दोनों में, महामारी को लेकर सरकार के संबोधनों से परे जाने में पत्रकारों की विफलता तथा उसके मतानुसार आलोचना ने खबरों के उपभोक्ताओं को होशियार कर दिया है। किसी को भी स्पष्ट जानकारी नहीं है वायरस दुनिया को कहां ले जा रहा है।

यदि किसी उत्पाद के प्रति अविश्वास की भावना व्याप्त हो, तो उसके लिए स्वाभाविक रूप से कोई बाजार नहीं होगा। बाजार ऐसे उत्पादों की तलाश करता है जिनका आसानी से उपभोग किया जा सके। अत: बाजार नए उत्पादों की खोज में रहता है। असलियत में, वर्तमान स्थिति एक इतालवी नाटककार, उपन्यासकार, कवि तथा छोटी कहानी लेखकर लुइगी पिरांडेलो के 20वीं सदी के पूर्वार्द्ध में रचे गए नाटक, 'किसी लेखक की तलाश में छह किरदार' की याद दिलाती है। शुरुआत में नाअक दर्शकों को समझ में नहीं आया। जब पिरांडेलो ने कुछ वर्ष बाद उसमें आगे जोड़ा तब उसकी सराहना की जाने लगी। खबरों के पारखी आज उत्सुकतापूर्वक वर्तमान तारतम्यहीन मीडिया परिदृश्य में आगे प्राक्कथन जोड़े जाने की प्रतीक्षा में हैं।

आप की बात

समस्याओं का जाल

महामारी के दौर में हम देख रहे हैं कि बहुत लोगों के हाथों से उनकी नौकरी छिन गई है। वह सब नहीं बेरोजगारी की दीवार पर आ गए हैं और अब कोई और काम में नहीं मिल रहा है। हाल ही में जारी हुई एक रिपोर्ट के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2020 में जॉब ग्रोथ रेट घटकर 3.5प्रतिशत हो गई है। जबकि पहले यह .3 प्रतिशत ज्यादा थी लेकिन ऐसे डेटा के मुताबिक यह समझ में नहीं आ पा रहा है कि लॉकडाउन के कारण कितने लोगों ने नौकरियां छोड़ी कई लोग बेघर हो गए। नया रोजगार ना मिल पाने के कारण लोग पलायन कर रहे थे और कोई सरकारी योजना के तहत अपना काम ढूंढ रहे थे ऐसे में ग्रोथ रेट .3 प्रतिशत ही क्यों घटी? इसका एक कारण कि बाद में नौकरियां मिलनी शुरू हुई तो जो लोग इसके लिए जागरूक थे सिर्फ वही इसके लिए तत्पर हो पाए जिसकी वजह से जो बेरोजगारी का हमारे पास डाटा था वह थोड़ा कम हो गया। इसी बीच दिया देखा गया कि सबसे ज्यादा विकास तकनीकी के क्षेत्र में हुआ है। चाहे वह नए लोगों को रोजगार देने में हो या फिर घरेलू वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पकड़ बनाने में हो तकनीकी क्षेत्र हर पहलू पर सफल हुआ है। आशा है कि जो बेरोजगारी की दर इस लाक डाउन के समय में थी वह धीरे-धीरे गायब हो।

– **सुदर्शन सोराड़ी**, नैनीताल

रूप बदलता कोरोना

कोरोना के रूप का बदलना कोई नई बात नहीं है लेकिन जो इसके आकड़े प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं वो बेशक चिंताजनक है। वैसे आमतौर पर डेंगू बुखार में प्लेटलेट्स काउंट कम होते थे, परन्तु अब कोरोना भी डेंगू के वेश में मरीजों पर वार कर रहा है। जो अवश्य ही भयावह है। व इसमें अचानक मरीज की प्लेटलेट्स काउंट गिरकर 20 हजार से भी नीचे आ जा रही है। जबकि जांच में डेंगू नहीं निकल रहा है। ऐसे में मरीज ज्यादातर कोरोना की गंभीर अवस्था में पहुंचने के बाद मिल रहे हैं। पीजीआई में डॉक्टरों ने इस पर शोध भी शुरू कर दिया है। पीजीआई के प्रोफेसर अनुपम वर्मा का कहना है कि अचानक मरीजों में प्लेटलेट्स काउंट गिरने से मैनेज करना मुश्किल हो रहा है। और पीजीआई में एडमिट लोकबंधु अस्पताल के डॉक्टर की प्लेटलेट्स भर्ती होने के दूसरे दिन ही दस हजार पहुंच गई। प्राथमिक तौर पर यह सामने आ रहा है कि कोरोना मरीज के इम्यून कॉम्प्लेक्स को प्रभावित करता है, जिसमें मोनोसाइड और मैकरोफेज सेल पर अटैक होता। इससे बॉडी में प्लेटलेट्स की खपत बढ़ जाती है। जबकि उनका उत्पादन पहले के मुकाबले कम रहता है। और यही कारण है कि प्लेटलेट्स काउंट अचानक से गिर जाते हैं।

– **निधि जैन**, लोनी, गाजियाबाद

बढ़ता भ्रष्टाचार

भ्रष्टाचार का नासूर व्यवस्था को लीलता जा रहा है। आज छोटे से छोटा काम भी बगैर खर्च के नहीं हो पाता है। जहां इसमें व्यवस्था दोषी है वही आम आदमी भी बराबर का हकदार है क्योंकि त्वरित काम के लिए अपनी मजबूरी जताता था व्यक्ति आखिरकार उसका पारिश्रमिक भी भ्रष्टाचार के ऊपर अदा करता ही है। तेलंगाना में भ्रष्टाचार का एक बड़ा मामला सामने आया है जहां एडिशनल कलेक्टर ने एक किसान से उसकी जमीन के अनापत्ति प्रमाण पत्र के बदले 1.2 करोड़ की घूस की मांग की थी। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी)उक्त अधिकारी को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है जो व्यवस्थाओं की पोल खोलने के लिए काफी है। तमाम कानूनी कार्यवाही के बीच मामला जब जांच में आएगा तब राजनीतिक दबाव से सब कुछ सुलझ जाएगा। इतनी बड़ी राशि के रिश्वत का मामला है तो उसमें राजनीतिक संरक्षण भी कहीं ना कहीं है। जरूरत इस बात की है कि इसमें लिप्त दलालों को भी दबोचा जाए जिससे कि व्यवस्था बिगड़ने से बचे।

– **अमृतलाल मारू,** दसई, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

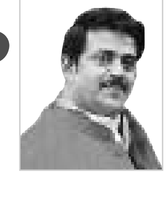

नशे का व्यापार एवं लत लगने की समस्या बढ़ती जा रही है। चीन और पाक से होकर ड्रग्स भारत आती हैं। हमारा फिल्म उद्योग भी प्रभावित है।

– **रवि किशन**
अभिनेता व भाजपा सांसद

कल लोकसभा सदस्यों में से किसी एक ने, जो फिल्म उद्योग से आए हैं, बॉलीवुड के खिलाफ बोला था। यह शर्मनाक है। फिल्म उद्योग को संरक्षण की जरूरत है।

– **जया बच्चन**
अभिनेत्री व सपा सांसद

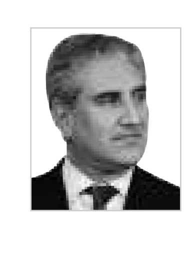

पाकिस्तान ने पूर्ण रूप से उस प्रक्रिया को प्रोत्साहित किया जो 29 फरवरी को दोहा में अमेरिका-तालिबान शांति वार्ता के रूप में परिणित हुई और इस मुकाम पर पहुंची है।

– **शाह महमूद कुरेशी**
पाक विदेश मंत्री

हरियाणा में छह माह बाद सड़कों पर दौड़ी बसें

चंडीगढ़ से यूपी व राजस्थान गई बसें

हिमाचल, जम्मू उत्तराखंड से नहीं मिली मंजूरी

पंजाब व दिल्ली आज करेंगे फैसला

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में करीब छह माह बाद बुधवार से रोडवेज की बसें पहले की तरह सड़कों पर आ गई। सरकार ने आज से प्रदेश में 2300 बसों को रूटों पर उतार दिया है। हरियाणा में 22 मार्च को लॉकडाउन के साथ ही बसों का आवागमन बंद कर दिया गया था। जून माह के दौरान अनलॉक-वन में सरकार द्वारा छह सौ बसों के साथ अंतर जिला बस सेवा शुरू की गई थी। वर्तमान में हरियाणा सरकार द्वारा 1600 बसें चलाई जा रही हैं। राज्य परिवहन के बेड़े में कुल 3800 नियमित बसें और 470 किलोमीटर स्कीम वाली बसें हैं।

दिल्ली नहीं माना तो वोल्वो का बदलेगा रूट

हरियाणा सरकार द्वारा चलाए जाने वाले रूटों में चंडीगढ़-दिल्ली-गुरुग्राम रूट ऐसा है जहां सर्वाधिक वोल्वो बसें चलती हैं। हरियाणा रोडवेज की वोल्वो बसें दिल्ली हवाई अड्डे से होकर गुरुग्राम तक जाती हैं। दिल्ली सरकार द्वारा एनओसी नहीं दिए जाने पर हरियाणा सरकार योजना पर भी विचार कर रही है कि वोल्वो बसों को चंडीगढ़ से चलाकर वायां केएमपी होते हुए गुरुग्राम तक पहुंचाया जाए। इससे हरियाणा की बसें दिल्ली में नहीं जाएंगी।

अनलॉक-4 के तहत हरियाणा सरकार द्वारा बुधवार से सात सौ अतिरिक्त बसें सड़क पर उतारी गई हैं। अब हरियाणा में कुल 2300 बसें चलेंगी। जिन्हें आने वाले दिनों में और बढ़ाया जाएगा। हरियाणा सरकार ने बसों का संचालन शुरू करने से पहले उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, चंडीगढ़, पंजाब, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड प्रशासन को पत्र लिखकर बसों के संचालन को एनओसी जारी करने की अपील की थी।

उत्तर प्रदेश सरकार ने हरियाणा सरकार के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। जिसके तहत बुधवार से उत्तर प्रदेश के करीब आधा दर्जन रूटों पर पहले की तरह हरियाणा रोडवेज की बसें चलेंगी। राजस्थान सरकार द्वारा पहले ही बसों के संचालन को मंजूरी दी जा चुकी है। हिमाचल, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर ने अभी हरियाणा को बसों के संचालन के लिए एनओसी नहीं दी है। उधर पंजाब सरकार के साथ हरियाणा के अधिकारी लगातार बातचीत कर रहे हैं। दिल्ली सरकार ने इस संबंध में गुरुवार को फैसला करेगी।

अब पंचकूला की बजाए चंडीगढ़ आएंगी बसें

चंडीगढ़ प्रशासन ने भी बुधवार से अंतरराज्जीय बस अड्डे का दोबारा संचालन शुरू कर दिया है। जिसके चलते हरियाणा के विभिन्न जिलों के लिए बसें पंचकूला की बजाए चंडीगढ़ आया करेंगी। लॉकडाउन के चलते चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा सेक्टर-17 का बस अड्डा बंद कर दिया गया था। जिसके चलते हरियाणा सरकार द्वारा अपनी बसों का संचालन पंचकूला से शुरू कर दिया गया था।

हरियाणा में 25 से शुरू होगा खरीफ का सीजन

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने धान की खरीद 25 सितंबर से शुरू करने के लिए केंद्र से मंजूरी मांग ली है। सरकार द्वारा केंद्रों को प्रदेश के ताजा हालातों का हवाला देते हुए यह मंजूरी मांगी है। केंद्र सरकार अगर मंजूरी प्रदान करती है तो प्रदेश में 25 सितंबर से धान की खरीद शुरू हो जाएगी। पिछले साल यह सीजन 26 सितंबर को शुरू हुआ था। इस साल कोरोना के चलते प्रदेश सरकार एक दिन पहले धान की खरीद शुरू करना चाहती है। हरियाणा खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव पीके दास ने बुधवार को चंडीगढ़ सचिवालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि खरीफ के सीज में धान, बाजरा, मूंग और मक्का की खरीद 25 सितंबर से करने के लिए केंद्र से मंजूरी मांगी गई है।

हरियाणा में लागू नहीं होने देंगे तीनों कानून : हुड्डा

बोले, किसान नेताओं से बात करने की बजाए सरकार उन्हें कर रही है बेइज्जत

सरबजोत सिंह दुग्गल। कुरुक्षेत्र

पत्रकारों से बातचीत करते पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा व अन्य।

किसानों के मुद्दों को लेकर लगातार सक्रिय पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा बुधवार को एक बार फिर कुरुक्षेत्र पहुंचे। यहां उन्होंने किसान, मजदूर और आढ़तियों से मुलाकात की।

हुड्डा ने कहा कि बिना किसानों की सहमति के उन पर 3 काले कानून थोपना तानाशाही है। कांग्रेस हर स्तर पर तीनों कानूनों का विरोध करेगी। इसके लिए बड़े से बड़ा आंदोलन करना पड़ा, तो कांग्रेस करेगी। कांग्रेस राज्यपाल से मुलाकात कर विधान सभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग करेगी। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हरियाणा सरकार पंजाब की तरह विधानसभा का सत्र बुलाकर किसान विरोधी तीनों कानूनों को सिरे से खारिज करे। क्योंकि स्वामीनाथन के सी2 फार्मूले वाली एमएसपी के 3 नए कृषि कानून किसान को मंजूर नहीं है। इसलिए सरकार को इसमें एमएसपी की गारंटी का प्रावधान जोड़ना चाहिए। अगर वो ऐसा नहीं करती है, तो पंजाब सरकार की तरह इसे पूरी तरह खारिज कर देना चाहिए। हुड्डा ने कहा कि अगर सरकार ने अपनी तानाशाही जारी रखी, तो प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनते ही इन काले कानूनों को खत्म किया जाएगा।

पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि प्रदेश की सभी पार्टियों और किसान संगठनों को एक सुर में किसान विरोधी फैसलों का विरोध करना चाहिए। लेकिन बीजेपी किसानों में फूट डालने और मुद्दे को भटकाने की कोशिश में लगी है। किसान नेताओं से बात करने की बजाए उन्हें बार-बार बेइज्जत और गिरफ्तार किया जा रहा है। कांग्रेस की सरकार के दौरान भी किसान अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाते थे। उस वक्त किसानों से बात करके हमेशा उनकी समस्या का समाधान करने की कोशिश की जाती थी। कहा कि किसान और पूरा हरियाणा किसान पर लाठियां बरसाने वाली गठबंधन सरकार को कभी माफ नहीं करेगा। अन्नदाता पर चलने वाली हर लाठी सरकार की ताबूत में कील का काम करेगी।

तीन अध्यादेशों के खिलाफ धरने पर बैठे किसान

भिवानी। दिन-रात व गर्मी-सर्दी की परवाह किए बिना देश का अन्नदाता लोगों का पेट भरता है, लेकिन कभी सूखे तो कभी बाढ़ और इनसे बच जाए तो ये बीमारी उसकी फसलों को चौपट कर देती है। उसके बाद सरकार भी सरकार द्वारा ऐसे कानून थोपे जाते हैं, जो किसानों हित में नहीं होते हैं।

इसी के विरोध में बुधवार को गांव कोंट में अखिल भारतीय किसान समिति द्वारा किसानों के लिए लाए गए तीन अध्यादेशों के विरोध में केंद्र व प्रदेश सरकार के खिलाफ धरना दिया और नारेबाजी की। किसान सभा के जिला सचिव ओमप्रकाश सैनी व करतार ग्रेवाल भी समर्थन देने पहुंचे और धरने पर बैठे किसानों का हौसला बढ़ाया। धरने में प्रवीण कालीरमन, लकी कोंट, सरपंच रणदीप, जयभगवान, विनय कालीरमन, मनोज बरमन, गांधी फौजी ने तीन अध्यादेशों का विरोध किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जो किसानों के हितों के विपरीत तीन अध्यादेश लेकर आई है, इन अध्यादेशों से किसान बर्बाद हो जाएगा। उन्होंने सरकार से इन अध्यादेशों को वापस लिए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि आज हर जिला में किसानों की नरमा की फसल झुल्सा, सफेद मक्खी व तेला जैसी बीमारियों से बर्बाद हो चुकी है।

कांग्रेस की पूरी तरह से खिसक चुकी है राजनीतिक जमीन : जेपी दलाल

कृषि मंत्री ने पत्रकार वार्ता में कहा कांग्रेस ने हमेशा किसानों को बरगलाने का काम किया

ईश्वर धामु। भिवानी

प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जय प्रकाश दलाल ने कहा है कि पूर्व कांग्रेस सरकार ने किसानों को बहकाकर केवल दलगत राजनीति की है। भाजपा सरकार द्वारा किसानों के हित के लिए लाए गए तीन अध्यादेशों से कांग्रेस की शेष कुछ बची राजनीतिक जमीन पूरी तरह से खिसक गई है और जिससे कांग्रेसी नेता बेचैन व परेशान हैं। इसी के चलते कांग्रेस ने कोरोना काल के दौरान किसान की जान जोखिम में डालकर व कानून अपने हाथ में लेकर हाई-वे जाम किया।

उन्होंने कहा कि किसान नेता के नाम पर राजनीति करने वालों व कांग्रेस को जनता दो बार विगत लोकसभा व विधानसभा चुनाव में सबक चुकी है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसानों के हितों पर आंच नहीं देगी। कांग्रेस किसानों को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। लेकिन प्रदेश का किसान जागरूक और समझदार है। प्रदेश का किसान विपक्ष के बहकावे में आने वाला नहीं है। कृषि मंत्री दलाल रविवार को स्थानीय सेक्टर 13 स्थित अपने निवास स्थान पर पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने किसानों के हित में तीन नए अध्यादेश लागू किए है, इन अध्यादेशों के लागू होने से किसानों को काफी फायदा होगा। किसानों को अपनी फसल बिक्री के लिए छूट दी गई है और किसी भी प्रकार से एमएसपी कम नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अब वन नेशन वन मार्केट की तर्ज पर किसानों को अपनी ऊपज किसी भी राज्य में ले जाकर बेचने की आजादी होगी। इससे कृषि उपज का बाधा मुक्त अंतर-राज्य व्यापार संभव हो सकेगा। किसानों को अपना उत्पाद मंडी तक ले जाने की बाध्यता नहीं होगी। आवश्यक वस्तु अधिनियम 1956 में संशोधन कर अनाज, दलहन, तिलहन, खाद्य तेलों, प्याज और आलू जैसी वस्तुओं को आवश्यक वस्तुओं की सूची से हटाने का फैसला किया गया है।

खेती के बारे में जेपी नड्डा को नहीं है जानकारी : सुरजेवाला

रणदीप सिंह सुरजेवाला का अभिनंदन करते कार्यकर्ता।

धर्मनगरी में रणदीप सिंह सुरजेवाला का अभिनंदन किया

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं महाराष्ट्र के नवनियुक्त प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला का अभिनंदन किया गया। कार्यकर्ताओं ने उत्साह से लबरेज होकर पुष्प वर्षा से रणदीप सिंह सुरजेवाला का स्वागत किया। इसके बाद कार्यकर्ताओं का काफिला शहर के नए बस स्टैंड, मोहन नगर, मीरीपीरी चौक, पिहोवा से होते हुए किसान भवन कैथल के लिए रवाना हो गया।

रणदीप सिंह सुरजेवाला ने अपनी नियुक्ति पर केंद्रीय नेतृत्व का आभार जताया। उन्होंने प्रदेश की गठबंधन सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने जेपी नड्डा के बयान पर पलटवार करते हुए जेपी नड्डा को खेती के बारे में कोई जानकारी नहीं है। वे तो कभी खेत में भी नहीं गए और ना ही कभी उन्होंने किसान की तरह फसल बेची है। दिल्ली में किसानों की गुटों की आपसी बहस पर बोलते हुए रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि यह भाजपा सरकार ईस्ट इंडिया कंपनी की तरह है, जो लोगों में फूट डालकर राज कर रही है। उन्होंने कहा वह इतना बड़ा आंदोलन खड़ा करेंगे, जिससे मोदी और मनोहर लाल दोनों के आंख-नाक खुल जाएंगे। इस दौरान हरियाणा प्रदेश कांग्रेस किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष रण सिंह देशवाल, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस किसान प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मधुसूदन बवेजा एडवोकेट सहित पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जवान और किसान के साथ मजबूती से खड़े हैं मोदी

प्रधानमंत्री के नेतृत्व का लौहा विश्व के दूसरे देश भी मानते हैं

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

मंच पर उपिस्थत मुख्यातिथि व अन्य ।

महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीमा पर जवानों और खेत में किसानों के साथ मजबूती से खड़े हैं।

पूरी दुनिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम बड़े आदर के साथ लिया जाता है। उनके नेतृत्व का लौहा विश्व के दूसरे देश भी मानते हैं। देश के वर्षों से पड़े कई अहम मुद्दों को उन्होंने हल किया है। हर वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक योजनाएं चला कर अंतिम व्यक्ति को आगे बढ़ाने का काम किया है। ढांडा प्रधानमंत्री के जन्म दिन के उपलक्ष में आरकेएसडी कॉलेज के हॉल में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रही थीं। इस मौके पर उन्होंने प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालते हुए सभी को उनके जीवन के बारे में बताया। कार्यक्रम में महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय के वीसी श्रेयांश द्विवेदी ने मुख्यवक्ता रूप में शामिल होकर प्रधानमंत्री के जीवन व कार्यशैली के बारे में अवगत करवाया। इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण वेबिनार के माध्यम से भी किया गया।

उन्होंने कहा कि देश की वर्षों से लंबित समस्याओं को खत्म करने का फैसला लिया। धारा 370 को खत्म करके कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाकर मान-सम्मान बढ़ाया। तीन तलाक खत्म करके मुस्लिम बहनों को उनके अधिकार दिलवाया। नागरिकता संशोधन कानून से दूसरे देशों में बसने वाले अल्पसंख्यक हिंदू, सिख, जैन, ईसाई को नागरिकता का अधिकार दिलवाया। इसके साथ-साथ भारतवासियों की आस्था से जुड़ी राम मंदिर बनाने की मांग को पूरा करके निर्माण कार्य शुरू करवाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिन के उपलक्ष में 21 सितंबर तक सेवा सप्ताह कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसके तहत नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर, रक्तदान शिविर, कपड़े के थैले का प्रयोग जिस पर लिखा होगा मोदी जी को हां-पॉलीथिन को न का संदेश आम जन को देने का किया जाएगा।

इस अवसर पर रामपाल राणा, तुषार ढांडा, कार्यक्रम संयोजक कृष्ण पिलनी, विरेंद्र बत्रा, प्रवीन प्रजापति, ज्योति सैनी, हितेष शर्मा, सुरेश खनौदा, संजीव कांगड़ा, महिपाल राणा, कुलविंद्र राणा, कृष्ण लालर, पाला राम, महेंद्र चीमा, सतीश सिरटा, राजेश निडाण और जोनी आदि मौजूद रहे।

देश के प्रति दायित्व को हमें ध्यान में रखना होगा

भिवानी। देश भर में भारत माता अभिनन्दन दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। हमें गर्व है कि भारत माता अभिनन्दन दिवस केरूप मे मनाये जाने की परम्परा है। यह बात संगठन के नगर उपप्रधान अंशु लोहिया ने कहीं। लोहिया ने बताया कि गऊशाला मार्केट के पास राजधानी रोड़ पर संगठन कार्यालय में यह उत्सव देशभक्ति कार्यक्रमों के साथ देर रात्रि तक चला। संस्था के संस्थापक एडवोकेट पीडी मितल ने कहा कि अभिनन्दन दिवस पूरे विश्व में इसी तरह मनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के प्रति हमारा जो दायित्व है, उसे भी हमें ध्यान में रखना चाहिए। तभी हम राष्ट्र की सेवा कर सकते हैं। मुख्य अतिथि के रूप मे सुप्रसिद्व डाक्टर कपिल शर्मा ने कहा कि भारत माता की जय बोलने में हमें कदम पीछे नहीं आगे रखने चाहिए। संगठन की राष्ट्रीय महासचिव श्रीमती मंजू मितल की टीम ने संगठन के कार्यालय की बहुत सुन्दर सजावट की तथा सभी देशवासियों व प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार व बधाई दी।

लाठीचार्ज का खामियाजा सरकार को भुगतना पड़ेगा

पायनियर समाचार सेवा। असंध

तलवार लहराते रणदीप सिंह सुरजेवाला। साथ में साहब सिंह मर्दान।

जीटी रोड पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता साहब सिंह मर्दानखेडा के नेतृत्व असंध क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव ,कर्नाटक प्रभारी, स्थाई सीडब्ल्यूसी सदस्य और कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी के सलाहकार कमेटी के मुख्य सलाहकार के रूप में शामिल करने पर रणदीप सुरजेवाला का जोरदार स्वागत किया।

उन्होंने सुरजेवाला को तलवार भेंट की। कांग्रेस नेता साहब सिंह मर्दानखेडा ने कहा कि रणदीप सुरजेवाला कि नियुक्ति से प्रदेश के युवाओं व कांग्रेस कार्यकर्ताओं मे खुशी की लहर व भारी उतसाह है। उन्होंने कहा कि रणदीप सुरजेवाला ने किसान, मजदूर, कर्मचारी, व्यापारी, दलित व पिछडा वर्ग की आवाज को उठाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पिपली में किसानों पर लाठीचार्ज करना निदंनीय है और लाठीचार्ज के घटनाक्रम से हर वर्ग मे सरकार के प्रति भारी रोष है। उन्होंने कहा कि लाठीचार्ज का खामियाजा गठबंधन सरकार को बरौदा उपचुनाव में भुगतान पड़ेगा। रणदीप सुरजेवाला का स्वागत करने वालों में अनिल फफडाना, सुनील कौशिक, पदम गुप्ता, जितेंद्र ढिल्लो, ओमदत्त कौशिक और सिराजुद्दीन आदि मौजूद रहे।

वैद्य स्वामी दयानंद गिरी के सान्निध्य में लगाए औषधीय पौधे

भिवानी। शहर के नेहरू पार्क में वैद्य स्वामी दयानंद गिरी के सान्निध्य में रविवार को गुलमोहर, नीम, अर्जुन, कदम, परिजात, सहजन व आंवला आदि औषधीय पौधे लगाए गए। गिरी महाराज ने कहा कि वृक्ष मनुष्य के सच्चे मित्र हैं।

हमें स्वयं भी पौधारोपण करना चाहिए और अन्य लोगों को भी पौधारोपण के लिए प्रेरित करना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व सरपंच शेर सिंह ने कहा कि पौधारोपण अभियान को प्रभावी बनाने में पर्यावरण प्रेमी वैद्य स्वामी दयानंद गिरी अहम भूमिका निभा रहे हैं। वैद्यजी हर वर्ष औषधीय व अन्य पौधे रोपित करते हैं। जब तक पौधे वृक्ष नहीं बन जाते तब तक पौधों में पानी देना व इनकी निराई गुड़ाई करना वैद्य जी द्वारा किया जाता है। वैद्य जी विश्वव्यापी आपदा कोरोना राहत कोष में भी एक लाख रुपये का योगदान दे चुके हैं। इसके अलावा जरूरतमंद लोगों को रजाई वितरण भी करते हैं।

संक्षिप्त-समाचार

स्लम बस्तियों में पुनः चलाया फोगिंग अभियान

सोनीपत। भाजपा के वरिष्ठ नेता राजीव जैन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 70वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को कुष्ठ आश्रम और गांधी कॉलोनी में फलों का वितरण किया। साथ ही उन्होंने कुष्ठ आश्रम में फोगिंग भी कराई। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री की दीर्घायु के साथ अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। राजीव जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्म दिवस को 14 से 20 सितंबर तक सेवा सप्ताह के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का जन्मदिवस 17 सितंबर को है। मौके पर सब्जी मंडी व गोहाना रोड और कच्चे क्वार्टर में थैला वितरण कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाएगा, ताकि लोगों को प्लास्टिक का प्रयोग न करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। प्लास्टिक का प्रयोग स्वास्थ्य व वातावरण के लिए हानिकारक है। अत: हमें प्लास्टिक का प्रयोग बंद करना होगा, ताकि पर्यावरण संरक्षण को मजबूती दी जा सके। भाजपा नेता जैन ने इस मौके पर कुष्ठ आश्रम में फोगिंग भी करवाई ताकि लोगों का मच्छर जनित रोगों से बचाव हो सके। जैन ने लोगों का आह्वान किया कि वे स्वयं अपने स्तर पर भी मच्छर जनित रोगों से बचाव के प्रबंध करें। घरों में अथवा कार्यस्थल आदि किसी भी स्थान पर पानी का जमावड़ा रोकना होगा। किसी भी जगह गंदगी नहीं पनपने देनी। मच्छर पैदा होने की सभी संभावनाओं पर अंकुश लगाना होगा। यह कोरोना काल है, जिसमें विशेष सावधानियां बरतनी जरूरी हैं। कोविड-19 कोरोना वायरस के बचाव के साथ मच्छर जनित रोगों से भी संरक्षण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है।

चरखी-दादरी में सरकारी कॉलेज खोलने की मांग

चंडीगढ़। हरियाणा गर्वमेंट कालेज टीचर एसोसिएशन ने हरियाणा सरकार से चरखी-दादरी जिला मुख्यालय पर सरकारी कालेज खोलने की मांग की है। एसोसिएशन के प्रधान डॉ. नरेंद्र सिवाच, महासचिव डॉ. शर्मिला सांगवान और अन्य पदाधिकारियों ने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल, उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, शिक्षा मंत्री कंवर पाल गुर्जर के नाम दादरी के विधायक एवं चेयरमैन सोमबीर सांगवान को दिए ज्ञापन में कहा है कि दादरी को जिला बने कई साल हो चुके हैं। इसके बावजूद जिला मुख्यालय पर लडकों व लड़कियों के लिए कोई सरकारी कालेज नहीं है। उन्होंने कहा कि यहां के विद्यार्थियों को मजबूरन निजी कालेजों में पढ़ाई करनी पड़ रही है। जो सरकारी कॉलेज यहां मौजूद हैं वहीं जिला मुख्यालय से दूर हैं। ऐसे में जो विद्यार्थी सरकारी कॉलेजों में पढ़ना चाहते हैं उन्हें मुख्यालय से दूर जाना पड़ता है। एसोसिएशन ने हरियाणा सरकार से इस मामले को गंभीरता से लेने की मांग करते हुए आगामी शिक्षा सत्र से चरखी-दादरी मुख्यालय पर सरकारी कालेज स्थापित करने की मांग की है।

भाकियू नेता गुरनाम सिंह साथियों सहित हिरासत में लिए

कुरुक्षेत्र। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी को साथियों सहित पुलिस ने हिरासत में लिया है। बता दें कि गुरनाम सिंह चढ़ूनी अगले आंदोलन पर विचार-विमर्श करने के लिए राष्ट्रीय किसान संगठन के अध्यक्षी वीएम सिंह से मुलाकात करने जा रहे थे। मगर कुंडली बॉर्डर पर पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। समाचार लिखे जाने तक भाकियू नेता को फिलहाल अलीपुरा थाने में बैठाया गया था। गुरनाम सिंह ने कहा कि सरकार उनके आंदोलन को दबाने के लिए हर औच्छा हथकंडा अपनाने पर उतर आई है। मगर किसानों के हौंसले बुलंद हैं और वें सरकार के हर जुल्म का टाकरा करने के लिए तैंयार बैठे हैं।

सफाई व्यवस्था को लेकर नप कार्यालय पर धरना देगी आप

कुरुक्षेत्र। शहर की सुभाष मंडी में चहुंओर फैली गंदगी, अव्यवस्था, टिप्परों द्वारा कूड़ा डंपिंग करने और सफाई कर्मचारियों के नियमित न आने का मुद्दा आम आदमी पार्टी ने आज प्रभावी ढंग से उठाया। इतना ही नहीं, पत्रकारों को बुला कर इस अव्यवस्था से रूबरू करवाया। आम आदमी पार्टी ने पिछले 25 सालों से नगरपरिषद पर काबिज सुधा परिवार को चेताया कि यदि एक सप्ताह के भीतर यहां सफाई व्यवस्था सुचारु न हुई, तो वे व्यापारियों को साथ लेकर पहले नगर परिषद कार्यालय पर धरना देंगे, सुनवाई न होने पर विधायक निवास पर भी धरना देने से नहीं हिचकिचाएंगे। इतना ही नहीं, समस्या का समाधान करवाने के लिए चंडीगढ़ सीएम निवास तक भी जाना पड़ा, तो जाएंगे। आम आदमी पार्टी के जिला संयोजक जवाहर गोयल, व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश बिंदल, नार्थ जॉन के संयुक्त सचिव नवीन अग्रवाल व बीर सिंह बिहोली, जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र मित्तल, जिला प्रवक्ता अशोक कुमार व रामलाल, आप के विधानसभा प्रत्याशी रहे सुमित गर्ग, जिला सचिव हितैश जैन, संयुक्त सचिव नीतिन सिंगला, जिला कोषाध्यक्ष प्रमोद मित्तल आदि ने पत्रकारों को सुभाष मंडी में फैली गंदगी, अव्यवस्था से रूबरू करवाते हुए कहा कि पिछले कई वर्षों से सुभाष मंडी में सफाई नहीं हो पा रही। गंदगी का आलम पसरा हुआ है। यहां तक कि आसपास के वार्डों से लाया गया कूड़ा भी सुभाष मंडी में ही डंपिंग किया जाता है। इस समस्या को लेकर वे वार्ड के पार्षद, नगर परिषद की अध्यक्षा और विधायक को भी अवगत करवा चुके हैं। आप नेताओं ने नगर परिषद को एक सप्ताह का अल्टीमेटम देते हुए घोषणा की कि यदि एक सप्ताह के भीतर नगर परिषद द्वारा सफाई व्यवस्था दुरूस्त नहीं की गई और कूड़ा डंपिंग की व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो सुभाष मंडी के अंदर काम करने वाले और रहने वाले लगभग 150 व्यापारी कूड़ा लेकर नगर परिषद कार्यालय पर पहुंचेंगे। अगर फिर भी समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो कूड़े को लेकर विधायक आवास पर जाएंगे। आवश्यकता पड़ी तो मुख्यमंत्री आवास पर भी।

विश्व ओजोन दिवस पर किया पौधारोपण

कुरुक्षेत्र। विश्व ओजोन दिवस पर समाजसेवी गुरप्रीत सिंह ने अपने साथियों समेत पौधारोपण किया। उन्होंने कहा कि उनका यह अभियान लोगों को ओजोन परत के प्रति जागरूक करना है। वायु मण्डलीय ओजोन परत पृथ्वी पर सूर्य की हानिकारक अल्ट्रावायलेट किरणों को पहुंचने से रोकती है। अल्ट्रावायलेट किरणें अगर सीधे तौर में धरती पर पहुंच जाए, तो ये हानिकारक किरणें मनुष्य, पेड़-पौधों और जानवरों के लिए भी बेहद खतरनाक हो सकती हैं। पौधारोपण में देवी चन्द नंबरदार पिपली, प्रदीप पांचाल, मनजिन्द्र सिहं, फकीर चन्द ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

प्रेरणा

पायनियर हरियाणा
हमेशा सच के साथ

विकेश भारतीय
लेखक एवं मोटिवेशनल स्पीकर

जिंदगी में जिन्हें बहुत सा काम करना होता है,
सितारों तक जिन्हें अपना नाम करना होता है,
वो जिंदगी का एक पल भी खोते नहीं हैं,
हर हाल में खुश रहते हैं,कभी रोते नहीं है।

कोविड-19 के बीच संरा महासभा के ऐतिहासिक 75वें सत्र की शुरुआत

योशिता सिंह। संयुक्त राष्ट्र

सभा के 75वें सत्र की महा चर्चा 22 से 29 सितंबर तक चलेगी

कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप के बीच संयुक्त राष्ट्र महासभा के ऐतिहासिक 75वें सत्र की शुरुआत हुई। वैश्विक संस्था के 75 साल के इतिहास में पहली बार दुनिया के नेता डिजिटल तरीके से सत्र में शिरकत करेंगे।

वार्षिक उच्चस्तरीय सम्मेलन में दुनियाभर के नेता मानव जाति के सामने आने वाले अति गंभीर खतरों पर विचार-विमर्श करेंगे। तुर्की के राजनयिक वोल्कन बोजकिर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें सत्र के अध्यक्ष के रूप में प्रभार संभाला। उन्होंने नाइजीरिया के तिजानी मुहम्मद-बंदे की जगह ली है। दुनियाभर में अब तक 2.9 करोड़ से अधिक लोगों को संक्रमित करने वाली और 9,31,000 से अधिक लोगों की जान लेने वाली कोरोना वायरस महामारी के चलते संयुक्त राष्ट्र महासभा का ऐतिहासिक 75वां अधिवेशन ऐसा होगा जो इसके इतिहास में पहले कभी नहीं देखा गया। पहली बार सम्मेलन के लिए संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के राष्ट्र और सरकार प्रमुख, मंत्री तथा राजनयिक न्यूयॉर्क में एकत्रित नहीं होंगे।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें सत्र के नए अध्यक्ष वोल्कन बोजकिर ने कहा है कि संरा सुरक्षा परिषद की सदस्यता और इसकी कार्यप्रणाली 21वीं सदी की वास्तविकताओं को

दर्शाती हुई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 15 सदस्यीय निकाय में सुधार संयुक्त राष्ट्र के लिए बहुत अहम हैं।

बोजकिर ने संवाददाताओं से कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार बहुत जरूरी हैं, न केवल सदस्य राष्ट्रों के लिए बल्कि संपूर्ण संयुक्त राष्ट्र के लिए भी। उन्होंने कहा, निश्चित ही, यह एक जटिल चुनौती है जो संगठन के मुख्य स्तंभों में से एक-शांति एवं सुरक्षा- से करीब से जुड़ी हुई है।

बोजकिर ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि सुरक्षा परिषद की सदस्यता एवं इसकी कार्यप्रणाली 21वीं सदी की वास्तविकताओं का प्रतिबिंब करती हुई होनी चाहिए। यह एक अंत: सरकारी प्रक्रिया है, जिसका मतलब है कि यह सदस्य राष्ट्रों द्वारा संचालित होगी। भारत संरा सुरक्षा परिषद में गैर स्थाई सदस्य चुना गया है और उसका दो वर्ष का कार्यकाल एक जनवरी 2021 से शुरू होगा। सुरक्षा परिषद में सुधार के वर्षों से चले आ रहे प्रयासों में भारत अग्रणी भूमिका में रहा है। उसने कहा है कि परिषद में स्थाई सदस्य होने की वह पात्रता रखता है। भारत ने यह भी कहा कि परिषद का वर्तमान स्वरूप 21वीं सदी की भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करता है। महासभा के सत्र के आरंभ में अपने संबोधन में बोजकिर ने अपनी प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए कहा, हमारे एजेंडा के महत्वपूर्ण मुद्दों मसलन हथियार पाबंदी से लेकर मानवाधिकार और जलवायु से लेकर टिकाऊ विकास तक, मैं सर्वसम्मति बनाने के हरसंभव प्रयास करूंगा। बोजकिर ने संरा के सदस्य राष्ट्रों के प्रतिनिधियों से कहा, मेरे अध्यक्षता काल में कोरोना वायरस के प्रभावों से लड़ना मेरी प्राथमिकता होगी।

शेयरचैट ने वीडियो निर्माण कंपनी एचपीएफ फिल्म्स का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली। भारतीय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म शेयरचैट ने बुधवार को कहा कि उसने वीडियो निर्माण कंपनी एचपीएफ फिल्म्स का अधिग्रहण किया है, जिसे डिजिटल कंटेंट में विशेषज्ञता हासिल है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि अधिग्रहण से शेयरचैट और इसके लघु वीडियो प्लेटफॉर्म मौज को बेहतर कंटेंट इकोसिस्टम बनाने की दिशा में मदद मिलेगी और ब्रांड के लिए उसके विज्ञापन समाधानों में वृद्धि होगी। कंपनी ने हालांकि इस सौदे की राशि की जानकारी नहीं दी। बयान के मुताबिक 2018 में शुरू हुई एचपीएफ फिल्म्स ने वेब-सीरीज, डिजिटल विज्ञापन, लघु फिल्मों के लिए वृत्तचित्र बनाए हैं।

पाकिस्तान आतंकवाद का गढ़ : भारत

संयुक्त राष्ट्र में भारतीय प्रतिनिध ने कहा हिंदुओं, सिखों और इसाइयों पर कर रहा है जुल्म

जिनेवा। पाकिस्तान को आतंकवाद का गढ़ करार देते हुए भारत ने कहा कि किसी को भी इस्लमाबाद से मानवाधिकारों पर बेवजह व्याख्यान सुनने की आवश्यकता नहीं है जो खुद ही हिंदुओं, सिखों और इसाइयों सहित अपने धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों पर लगातार जुल्म कर रहा हैं।

भारतीय प्रतिनिधि ने मानवाधिकार परिषद (एचआरसी) के 45वें सत्र में पाकिस्तान द्वारा यहां दिए गए वक्तव्यों का जवाब देने के लिए उत्तर देने के अधिकार का इस्तेमाल करते हुए मंगलवार को कहा कि गलत और मनगढ़ंत विमर्श पेश करके भारत की छवि खराब करने की पाकिस्तान की आदत हो गई है। भारतीय कूटनीतिज्ञ ने कहा, न ही भारत और न ही कोई अन्य किसी ऐसे देश से

मानवाधिकारों पर बेवजह का व्याख्यान सुनने का हकदार है जिसने अपने धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों पर लगातार जुल्म किए हैं, आतंकवाद का गढ़ है, जिसने संयुक्त राष्ट्र प्रतिबंधित सूची में डाले गए व्यक्तियों को पेंशन दी हो और जिसके पास एक ऐसा प्रधानमंत्री है जो जम्मू-कश्मीर में लड़ने के लिए हजारों आतंकवादियों को प्रशिक्षित करने की बात गर्व से स्वीकार करता है।

भारत ने कहा कि इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि अन्य संबंधित बहुपक्षीय संस्थान आतंकवाद को धन मुहैया कराने से रोकने में पाकिस्तान की नाकामी और पाकिस्तान में मौजूद सभी आतंकवादी संगठनों पर प्रभावी तरीके से लगाम लगाने में विफलता पर लगातार चिंता व्यक्त करते आ रहे हैं। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में उसके नापाक मंसूबों का जिक्र करते हुए भारत ने कहा, बड़े पैमाने पर बाहरी लोगों के आने से भारत के केन्द्र शासित क्षेत्र जम्मू कश्मीर और लद्दाख के पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाकों में कश्मीरियों की संख्या बहुत घट गई है।

भारत ने कहा कि पाकिस्तान में हजारों की संख्या में सिख, हिंदू और इसाई अल्पसंख्यक महिलाओं और लड़कियों को अगवा किया जाता है, धर्मांतरण किया जाता है और उनका जबरदस्ती विवाह कराया जाता है। बलोचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा और सिंध में लोगों की दुर्दशा पर भारत ने कहा, एक भी दिन नहीं होता जब बलोचिस्तान में किसी परिवार के किसी सदस्य को पाकिस्तान के सुरक्षा बलों द्वारा उठाया नहीं जाता हो अथवा उनका अपहरण नहीं किया जाता हो। भारत ने जम्मू कश्मीर के संदर्भ में इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) की टिप्पणी को भी खारिज किया।

भारत ने कहा, भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का ओआईसी का कोई अधिकार नहीं हैं। ओआईसी ने पाकिस्तान को अपना एजेंडा चलाने के लिए उसका इस्तेमाल करने की इजाजत दी हुई है। यह ओआईसी के सदस्यों को तय करना है कि क्या पाकिस्तान को ऐसा करने देना उनके हित में है। भारत ने तुर्की को उसके आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने से बचने और लोकतांत्रिक परंपराओं की बेहतर समझ विकसित करने की भी सलाह दी।

विज्ञान पत्रिका ने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर बाइडेन का समर्थन किया

पत्रिका में कहा गया कि बाइडेन का रिकॉड आंकड़ों को मानने वाला और विज्ञान पर चलने वाला रहा है

न्यूयार्क। अमेरिका की सबसे पुरानी विज्ञान पत्रिका साइंटिफिक अमेरिकन ने देश में राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जो बाइडेन का समर्थन करने का फैसला किया है।

पत्रिका ने 175 वर्ष के अपने लंबे इतिहास में कभी राष्ट्रपति पद के चुनाव में किसी भी उम्मीदवार का अनुमोदन नहीं किया गया था। पत्रिका की प्रधान संपादक लॉरा हेल्मथ ने मंगलवार को कहा कि डेमोक्रेटिक पार्टी से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बाइडेन को समर्थ देने के मुद्दे पर बस थोड़ी सी अंदरूनी चर्चा हुई। हेल्मथ ने कहा कि पत्रिका को जितना अंदेशा था, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन वैज्ञानिक समुदाय के लिए उससे कहीं ज्यादा खराब साबित

हुआ है। पत्रिका ने बाइडेन के प्रति अपना समर्थन मंगलवार को ऑनलाइन पोस्ट किया। इससे ठीक एक दिन पहले ट्रम्प ने कैलिफोर्निया के जंगलों में लगी आग को जलवायु परिवर्तन से जोड़ने पर सवाल खड़ा किया था। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने कहा, साक्ष्य और विज्ञान बताते हैं कि डोनाल्ड ट्रंप ने मूल रूप से अमेरिका और उसके लोगों को नुकसान पहुंचाया है क्योंकि वह सबूत और विज्ञान को नकारते हैं। वरिष्ठ संपादक जोश फिशमैन ने अपने संपादकीय में कोरोना वायरस महामारी से निपटने के तरीकों पर ट्रंप की तीखी निंदा की। पत्रिका में कहा गया कि बाइडेन का रिकॉड आंकड़ों को मानने वाला और विज्ञान पर चलने वाला रहा है।

राजेश एक्सपोर्ट का मुनाफा 50 फीसद घटकर 152.13 करोड़ हुआ

नई दिल्ली। सोने का शोधन करने वाली कंपनी राजेश एक्सपोर्ट ने बताया कि 30 जून 2020 को समाप्त तिमाही के दौरान उसका शुद्ध लाभ 49.61 प्रतिशत गिरकर 152.13 करोड़ रुपये हो गया।

कंपनी ने बताया कि एक साल पहले इसी अवधि में उसका शुद्ध लाभ 301.94 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल परिचालन आय 46,054.55 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के 40,622.52 करोड़ रुपये के मुकाबले 13.37 प्रतिशत अधिक है।

मजबूत इच्छाशक्ति वाले हैं जापान के नए प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा

तोक्यो। जापान का प्रधानमंत्री चुने जाने से पहले योशिहिदे सुगा को पर्दे के पीछे का प्रधानमंत्री कहा जाता था, वह जापान के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे शिंजो आबे के बेहद करीबी माने जाते हैं।

जब आबे ने पिछले महीने घोषणा की थी कि वह खराब सेहत के चलते पद छोड़ने वाले हैं तब उनके मंत्रिमंडल के मुख्य सचिव सुगा ने कहा था वह आबे के अधूरे कामों को पूरा करेंगे। अपने दम पर राजनीति में स्थान बनाने वाले सुगा को संसद ने बुधवार को औपचारिक तौर पर जापान का नया प्रधानमंत्री चुन लिया। इससे पहले, सोमवार को उन्हें जापान की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी का नया नेता चुना गया था।

सरकारी ब्रिफ्रिंग से सुगा की जो छवि महसूस होती थी वह पर्दे के पीछे नौकरशाहों को संभालने तथा नीतियों को आगे बढ़ाने के उनके काम से ठीक विपरीत है। पर्दे के पीछे वह एक दृढ़ व्यक्तित्व वाले शख्स हैं। नीति संयोजक के रूप में वह सख्त मिजाज हैं और प्रधानमंत्री कार्यालय की शक्तियों के जरिए नौकरशाहों को प्रभावित करते हैं। इसी कारण राजनीतिक विश्लेषक उन्हें पर्दे के पीछे का प्रधानमंत्री कहते हैं। उनकी नीतियों का विरोध करने वाले कुछ अफसरों का कहना है कि उन्हें सरकारी परियोजनाओं से हटा दिया गया या उनका स्थानांतरण कर दिया गया। सुगा ने भी हाल में कहा था कि वह ऐसा करना जारी रखेंगे। उनके स्कूल के दिनों के साथी उन्हें दृढ़ इच्छाशक्ति वाला व्यक्ति मानते हैं।

सोमवार को सुगा ने कहा था, मैं राजनीति में आ गया, जिसमें मेरा कोई जान-पहचान का व्यक्ति या और कोई कनेक्शन नहीं था। मैंने शून्य से शुरुआत की। सुगा 1996 में 47 साल की आयु में निचले सदन में चुने गए। सुगा, आबे के करीबी माने जाते हैं और 2006 से उनके समर्थक रहे हैं जब आबे पहली बार प्रधानमंत्री बने थे। तब आबे का कार्यकाल 2006 से 2007 के बीच महज एक साल का था जिसकी वजह उनकी खराब सेहत थी। 2012 में फिर से प्रधानमंत्री बनने में सुगा ने आबे की खासी मदद की थी।

सुगा किसान के बेटे हैं और अपने दम पर राजनीति में आए। उन्होंने आम लोगों और ग्रामीण समुदायों के हितों का ध्यान रखने का वादा किया है। सुगा ने कहा कि वह आबे की अधूरी नीतियों को ही आगे बढ़ाएंगे और उनकी प्राथमिकता कोरोना वायरस से निपटना और वैश्विक महामारी से प्रभावित अर्थव्यवस्था को बेहतर करना होगा।

जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने दिया इस्तीफा

तोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने पद से इस्तीफा देते हुए अपने उत्तराधिकारी के लिए राह साफ कर दी। जापान के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे आबे ने पिछले महीने घोषणा की थी कि वह स्वास्थ्य कारणों के चलते पद छोड़ेंगे। मंत्रिमंडल के मुख्य सचिव योशिहिदे सुगा को सोमवार को जापान की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी का नया नेता चुना था। वह आबे के काफी करीबी हैं और 2006 से उनके समर्थक रहे हैं। आबे के उत्तराधिकारी को चुनने के लिए हुए आंतरिक मतदान में सुगा को सत्तारूढ़ लिबरल डेमाक्रेटिक पार्टी में 377 वोट मिले और अन्य दो दावेदारों को 157 वोट हासिल हुए थे।

अमेरिका ने कंबोडिया में चीनी कंपनी पर पाबंदी लगाई

ललित के झा। वाशिंगटन

कंबोडिया में भूमि हथियाने और भ्रष्ट गतिविधियों के आरोप

अमेरिका ने विकास परियोजना के लिए कंबोडिया में भूमि हथियाने और भ्रष्ट गतिविधियों के आरोप में चीन की एक सरकारी कंपनी पर पाबंदियां लगा दी है। अमेरिका का कहना है कि इस परियोजना का इस्तेमाल सैन्य संपत्ति के तौर पर किया जा सकता है।

विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने मंगलवार को कहा कि डारा सकोर में तटीय विकास परियोजना को लेकर विश्वसनीय खबरें है कि इसका इस्तेमाल चीन की सेना की संपत्ति के तौर पर किया जा सकता है और अगर ऐसा होता है तो यह कंबोडिया के संविधान के खिलाफ है तथा हिंद प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता के लिए खतरा है, यह कंबोडिया की संप्रभुत्ता और हमारे सहयोगियों की सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने कहा कि आज की कार्रवाई दिखाती है कि कैसे चीन की कम्युनिस्ट पार्टी अपने प्रभाव को बढ़ाने के लिए कंपनियों का इस्तेमाल कर रही है और अवैध आर्थिक लाभ के लिए बेगुनाह लोगों के खिलाफ सैन्य बल का इस्तेमाल करने के वास्ते भ्रष्ट अधिकारियों के जरिए काम करा रही है।

पोम्पिओ ने कहा कि कंबोडिया सरकार ने चीन की यूनियन डेवलपमेंट ग्रुप (यूडीजी) को 2008 में एक विकास परियोजना के लिए जमीन का 99 साल का पट्टा दिया था। इस भूमि में देश की तट रेखा का करीब 20 फीसदी हिस्सा शामिल है। वित्त मंत्री स्टीवन मनुचिन ने कहा कि कंपनी ने जमीन लेने के लिए खुद को कंबोडिया की स्वामित्व वाली कंपनी दिखाया और भूमि मिलने के बाद यूडीजी अपनी असल मिल्कियत में आ गई जो चीनी की है। उन्होंने कहा कि जहां भी ऐसा किया जाएगा, उसे निशाना बनाने के लिए अमेरिका अपने सारे प्रभाव का इस्तेमाल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पोम्पिओ ने आरोप लगाया कि कंबोडिया की सेना के पूर्व अधिकारियों के साथ सांठगांठ कर कंबोडिया की सेना ने हिंसक हथकंडे अपना कर जमीन को पट्टे पर देने को मंजूरी दे दी। उन्होंने कहा कि शाही कंबोडियाई सशस्त्र बल के पूर्व प्रमुख कुम किम को यूडीजी के साथ संबंधों का काफी फायदा हुआ।

ट्रांसजेंडर कार्यकर्ता ने डेलावेय में प्राइमरी चुनाव में जीत दर्ज की

डोवर (अमेरिका)। ट्रांसजेंडर कार्यकर्ता सारा मैकब्राइड ने डेलावेयर में मंगलवार को डेमोक्रेटिक पार्टी के राज्य सीनेट प्राइमरी चुनाव में जीत दर्ज की। इसके साथ ही वह राज्य की महासभा की पहली ट्रांसजेंडर सदस्य बनने के करीब पहुंच गईं।

मैकब्राइड पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के प्रशासन में व्हाइट हाउस में इंटर्न थीं। उन्होंने डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन (डीएनसी) 2016 में भाषण दिया था और किसी बड़ी पार्टी के सम्मेलन में भाषण देने वाली भी वह पहली ट्रांसजेंडर थीं। वह मानवाधिकार अभियान के लिए राष्ट्रीय प्रेस सचिव भी रह चुकी हैं। मैकब्राइड ने मंगलवार को चुनाव में जोसेफ मैककोल को मात दी और इसी के साथ नवम्बर में होने वाले चुनाव के लिए उनका रास्ता खुल गया है। नवम्बर में होने वाले चुनाव में जीत हासिल करने पर वह ट्रांसजेंडर विधायकों की चुनिंदा सूची में शामिल हो जाएंगी, लेकिन राज्य से वह पहली ट्रांसजेंडर सीनेटर होंगी। चुनाव से पहले मंगलवार को मैकब्राइड ने एपी से कहा था, मैं इस चुनाव में जी-जान लगा रही हूं। मेरी पहचान, मैं जो हूं उसका एक हिस्सा है, लेकिन केवल एक हिस्सा है।

फीनिक्स में अदालत के बाहर गोलीबारी, अधिकारी जख्मी

फीनिक्स। अमेरिका के फीनिक्स में चलती गाड़ी से एक अदालत के बाहर गोलीबारी की गई, जिसमें एक संघीय सुरक्षा अधिकारी जख्मी हो गया। घटना के सिलिसिले में एक शख्स को हिरासत में लिया गया है।

शहर की पुलिस और एफबीआई के मुताबिक, अधिकारी को अस्पताल ले जाया गया है और वह खतरे से बाहर है। एफबीआई के फीनिक्स दफ्तर की प्रवक्ता जिल मैककेब ने बताया कि घटना के संबंध में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। एफबीआई ने कहा कि वह मामले की जांच कर रही है, इसलिए इस बारे में और जानकारी नहीं देगी।

वहीं पुलिस ने इलाके से रवाना हो रही एक सिल्वर रंग की कार का फोटो जारी किया है। एक अधिकारी ने बताया कि अदालत सुरक्षा अधिकारी अमेरिकी मार्शल सेवा के निर्देशों पर काम करते हैं, लेकिन इनकी भर्ती निजी सुरक्षा कंपनियां करती हैं। गोलीबारी की घटना के बाद अदालत के आसपास की सड़कों को बंद कर दिया गया और सुरक्षा बढ़ा दी गई। अदालत के लिपिक ने बताया कि अदालत लोगों के लिए खुली हुई है।

खिलौना उद्योग के लिए गुणवत्ता नियमों की समयसीमा बढ़ाई

नई दिल्ली। सरकार ने कोरोना वायरस महामारी के बीच गुणवत्ता मानकों को लागू करने के लिए घरेलू खिलौना उद्योग को अगले साल जनवरी तक चार और महीनों की मोहलत दी है। एक आधिकारिक बयान में बुधवार को यह जानकारी दी गई।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत आने वाले उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने अधिसूचना जारी कर खिलौना (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश 2020 के कार्यान्वयन की तारीख को इस साल एक सितंबर से बढ़ाकर एक जनवरी 2021 कर दिया है। आदेश में कहा

गया कि इस निर्णय के तहत घरेलू विनिर्माताओं को कोविड-19 महामारी से पैदा हुई कठिनाइयों के मद्देनजर मानकों को लागू करने के लिए चार महीने का अतिरिक्त समय दिया गया है। सरकार इस समय खिलौनों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने पर जोर दे रही है और उसने फरवरी में खिलौनों के आयात शुल्क में बढ़ोतरी भी की थी। खिलौनों के गुणवत्ता नियंत्रण आदेश से सरकार ने बाजार में घटिया मानक वाले खिलौनों पर रोक लगाने की कोशिश की है।

एक अध्ययन के अनुसार लगभग 67 प्रतिशत खिलौने सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं उतरे। भारत में खिलौने उद्योग मुख्य रूप से असंगठित क्षेत्र में है, जिसमें लगभग 4,000 से अधिक छोटे और मझोले उद्योग शामिल हैं। भारत में लगभग 85 प्रतिशत खिलौने चीन से आयात किए जाते हैं। इसके बाद श्रीलंका, मलेशिया, जर्मनी, हांगकांग और अमेरिका का स्थान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल में भारत में खिलौना उद्योग को बढ़ावा देने की बात कही थी।

संक्षिप्त समाचार

स्टर्लिंग एंड विल्सन सोलर का मुनाफा 62 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। स्टर्लिंग एंड विल्सन लिमिटेड ने बुधवार को कहा कि जून 2020 तिमाही के दौरान आय में कमी के चलते उसकी संचई शुद्ध आय 62 प्रतिशत घटकर 17.22 करोड़ रुपये रह गई है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि एक साल पहले 30 जून 2019 को समाप्त तिमाही के दौरान उसकी शुद्ध आय 46.01 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही के दौरान उसकी कुल आय वर्ष दर वर्ष आधार पर 1,309.34 करोड़ रुपये से घटकर 1,099.38 करोड़ रुपये रह गई।

कुल कर संग्रह 15 सितंबर तक 22.5 प्रतिशत घटा

मुंबई। आयकर विभाग के एक सूत्र के मुताबिक दूसरी तिमाही के लिए अग्रिम कर संग्रह सहित केंद्र सरकार का कुल कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में 15 सितंबर तक 2,53,532.3 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 22.5 प्रतिशत कम है। आयकर विभाग के मुंबई क्षेत्र के एक सूत्र ने बुधवार को फोन पर बताया कि बीते वित्त वर्ष में 15 सितंबर 2019 तक कुल कर संग्रह 3,27,320.2 करोड़ रुपये था। सूत्र ने हालांकि चालू तिमाही के लिए अग्रिम कर के आंकड़ों को अलग से बताने से इनकार किया। सूत्र ने कहा कि यह आंकड़ा अभी अंतिम नहीं है क्योंकि बैंक दिन के अंत तक इसमें बदलाव कर सकते हैं। जून में खत्म हुई चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान कुल कर संग्रह 31 प्रतिशत घट गया था। इस दौरान अग्रिम कर संग्रह में 76 प्रतिशत की भारी गिरावट देखने को मिली। कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिए देश भर में लागू किए गए पूर्ण लॉकडाउन के चलते यह गिरावट हुई।

बकाया राशि का भुगतान नहीं होने पर ओएनजीसी ने सूडान छोड़ा

नई दिल्ली। तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) ने सूडान के ऑयलफील्ड को छोड़ दिया है। कंपनी ने यह फैसला अफ्रीकी देश के तेल लेने के बाद भुगतान करने से इनकार करने के चलते किया। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) के साथ ही उसकी चीनी साझेदार सीएनपीसी और मलेशिया की पेट्रोनैस ने भी ब्लॉक से खुद को अलग कर लिया है। सूडान में ब्लॉक 2ए और 4 में ओवीएल की 25 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, जबकि सीएनसीपी की 40 प्रतिशत और पेट्रोनैस की 30 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। ब्लॉक में सूडान के सुडापेट की पांच प्रतिशत हिस्सेदारी थी। सूडान ने 2011 के बाद से ओवीएल और ब्लॉक में उसके साझेदारों को भुगतान नहीं किया था। अधिकारी ने कहा कि सूडान पर ओवीएल का कुल बकाया 43.06 करोड़ अमेरिकी डॉलर है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने सूडान सरकार के खिलाफ बकाया वसूलने के लिए मध्यस्थता कार्यवाही शुरू की और ईपीएसए को खत्म कर दिया है।

भारतीय मूल के दंपति के पास से संदिग्ध नकदी बरामद

लंदन। ब्रिटेन में अपराध रोकथाम अधिकारियों और पुलिस ने भारतीय मूल के एक दम्पत्ति के पास से 3,00,000 पाउंड से अधिक नकदी बरामद की है जिसे अपराध से अर्जित किए जाने की आशंका है। राष्ट्रीय अपराध एजेंसी (एनसीए) ने बताया कि दंपत्ति शैलेश और हरकित सिंगारा के उत्तर पश्चिम लंदन के एडवेयर स्थित घर से 2,00,000 पाउंड से अधिक नकदी बरामद की गई है। एनसीए में थ्रेट रिस्पान्स की प्रमुख रैचल हर्बर्ट ने कहा, कई मनी सर्विस बिज़नेस (एमएसबी) अवैध नकदी के लेन-देन को सुविधाजनक बनाकर ब्रिटेन के लिए एक जोखिम पैदा कर रहे हैं। राष्ट्रीय आर्थिक अपराध केन्द्र और उसके सहयोगियों ने इस खतरे को समझा, जो वैध व्यवसायों का समर्थन करते हुए संदिग्ध एमएसबी के खिलाफ अधिक प्रभावी कार्वाई करने में सक्षम हैं। अधिकारियों ने कहा कि सिंगारा के व्यापारिक सहयोगी शैलेश मंडालिया के पास से भी 1,00,000 पाउंड बरामद किए हैं। यह नकदी उसके पास मौजूद एक बैग में थी। इन तीनों ने अदालत में यह दावा किया कि नकदी वैध थी और किसी भी भ्रम के लिए कई वर्षों का खराब लेखांकन (अकाउंटिंग) जिम्मेदार है। अदालत ने 10 सितम्बर को हालांकि उनकी यह दलील खारिज कर दी। मेट पुलिस ऑर्गनाइज्ड क्राइम पार्टनर्शिप (ओसीपी) के प्रमुख एवं डिटेक्टिव चीफ इंस्पेक्टर टोनी ओ सुल्लीवन बताया कि तीनों पर कोई भी आरोप नहीं है और इन्हें किसी भी मामले में दोषी नहीं ठहराया गया है। लेकिन यह 3,00,000 पाउंड इन्हीं के पास से बरामद हुए हैं और अब इनका इस्तेमाल समुदायों के हित के लिए किया जाएगा। अदालत ने इन तीनों को अलग से कुल 4,350 पाउंड का भुगतान करने का निर्देश भी दिया है।

हाजिर मांग से सोना वायदा में तेजी

नई दिल्ली। हाजिर मांग में तेजी के बीच सटोरियों के नए सौदे करने से बुधवार को वायदा बाजार में सोना 153 रुपये बढ़कर 51,922 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अक्टूबर डिलिवरी का सोना 153 रुपये या 0.30 प्रतिशत बढ़कर 51,922 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसमें 10,814 लॉट के लिए कारोबार हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि सटोरियों के नए सौदों के कारण सोने की वायदा कीमतों में तेजी रही। इस बीच न्यूयॉर्क में सोने की कीमत 0.49 प्रतिशत बढ़कर 1,975.90 डॉलर प्रति औंस हो गई।

हाजिर मांग बढ़ने से चांदी वायदा में तेजी

नई दिल्ली। हाजिर मांग में तेजी के बीच सटोरियों के नए सौदे करने से बुधवार को वायदा बाजार में चांदी का भाव 33 रुपये बढ़कर 69,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में दिसंबर में आपूर्ति वाली चांदी का सौदा 33 रुपये यानी 0.05 प्रतिशत बढ़कर 69,000 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर रहा। इसमें 17,130 लॉट के लिए कारोबार हुआ। विश्लेषकों ने कहा कि सटोरियों के नए सौदे करने से चांदी की वायदा कीमतों में तेजी रही। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में चांदी 0.59 प्रतिशत बढ़कर 27.63 डॉलर प्रति औंस पर चल रही थी।

डॉलर के मुकाबले रुपया 12 पैसे बढ़कर 73.52 पर बंद

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में तेजी और अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख के चलते रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 12 पैसे बढ़कर 73.52 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले स्थानीय मुद्रा में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। रुपया 73.70 पर खुला और इसमें आगे गिरावट हुई, हालांकि अंत में भारतीय मुद्रा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 73.52 के स्तर पर सकारात्मक रुख के साथ बंद हुई। इस तरह रुपये ने पिछले बंद भाव 73.64 के मुकाबले 12 पैसे की बढ़त दर्ज की। दिन के कारोबार में रुपये ने डॉलर के मुकाबले 73.48 का ऊपरी स्तर और 73.78 का निचला स्तर छुआ। इसबीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 प्रतिशत गिरकर 92.94 पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध खरीदार थे और उन्होंने मंगलवार को सकल आधार पर 1,170.89 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। इसबीच ब्रेंट क्रूड वायदा 2.44 फीसदी बढ़कर 41.52 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

प्याज निर्यात पर पाबंदी को लेकर कांग्रेस का केंद्र पर हमला

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस के नेता और महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री अजीत पवार ने प्याज निर्यात पर पाबंदी को लेकर केंद्र सरकार पर बुधवार को हमला बोला और उसे किसान विरोधी सरकार करार दिया। पवार ने केंद्र के इस निर्णय को गलत बताया। उन्होंने कहा कि पहले से कोविड-19 की मार झेल रहे किसानों को इस निर्णय से केंद्र सरकार और रसातल में भेज रही है। किसानों पर दबाव डालकर वह महापाप कर रही है। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष और महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री बालासाहब थोराट ने कहा कि निर्यात पर प्रतिबंध के चलते प्याज के दाम गिर गए हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी इस अन्याय से किसानों को बाहर निकालने के लिए लड़ाई लड़ेगी। घरेलू बाजार में प्याज के दाम कम करने और उपलब्धता बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार ने सोमवार को हर किस्म के प्याज के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी थी। पवार ने आरोप लगाया, केंद्र सरकार ने ऐसे समय पर प्याज के निर्यात पर रोक लगाई है जब उन्हें अच्छी कीमत मिल रही थी। यह पूरी तरह गलत है। यह बात साफ है कि केंद्र सरकार किसान विरोधी रवैया अपना रही है। राकांपा के मुख्यालय पर एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने राकांपा अध्यक्ष शरद पवार के मंगलवार को वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के सामने इस निर्णय पर चिंता जताने और इसे वापस लेने का भी जिक्र किया।

पायनियर
हरियाणा, बृहस्पतिवार,17 सितंबर, 2020

गुजरात आयुर्वेद संस्थान को राष्ट्रीय महत्व का दर्जा देने के विधेयक को मंजूरी

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री हर्षवर्धन ने कहा चिकित्सकीय पौधों के उत्पादन और किसानों को सहयोग देने के लिए 4000 करोड रुपये की मंजूरी दी

नई दिल्ली। गुजरात के जामनगर में स्थित आयुर्वेद संस्थानों को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दर्जा देने के मकसद से लाए गए एक विधेयक को बुधवार को संसद की मंजूरी मिल गई। आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान विधेयक, 2020 बुधवार को राज्यसभा में ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। लोकसभा पिछले सत्र में यह विधेयक पारित कर चुकी है।

विधेयक में जामनगर स्थित गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न आयुर्वेद संस्थानों का विलय कर राष्ट्रीय महत्व का दर्जा प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। तीन आयुर्वेदिक संस्थानों- स्नातकोत्तर आयुर्वेद शिक्षण और अनुसंधान संस्थान, गुलाबकुंवरबा आयुर्वेद महाविद्यालय और आयुर्वेद औषधि विज्ञान संस्थान के विलय का विधेयक में प्रस्ताव किया गया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री हर्षवर्धन ने समाज और दुनिया भर की स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने के लिए आयुर्वेद तथा इसकी उपयोगिता की सराहना की। उन्होंने कहा देश में आयुर्वेद एक प्राचीन चिकित्सा प्रणाली है जिसमें परंपरागत ज्ञान निहित हैं।

मंत्री ने कहा आत्मनिर्भर भारत के तहत सरकार ने चिकित्सकीय पौधों उत्पादन और किसानों को सहयोग देने के लिए 4000 करोड रुपए की मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि जामनगर संस्थान का चयन मनमानोपूर्ण तरीके से नहीं किया गया बल्कि उद्देश्यात्मक तरीके से इसे चुना गया, क्योंकि 1956 में स्थापित यह संस्थान इस श्रेणी में सबसे पुराने संस्थानों में से एक है। हर्षवर्धन ने कहा कि आयुर्वेद विधा में विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ यह संस्थान लंबे समय से समन्वय करता आ रहा है और पिछले 20 साल में इसने करीब 65 देशों के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया है। मंत्री ने कहा कि पिछले 20 साल में इस संस्थान ने विभिन्न देशों के साथ 30 समझौते किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित संस्थान में एक समिति होगी जिसमें गुजरात सरकार के आयुष मंत्री, आयुष सचिव और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सचिव लोकसभा के दो सांसद तथा राज्यसभा के एक सांसद शामिल होंगे।

छह महीने में भारत-चीन सीमा पर कोई घुसपैठ नहीं हुई : रास को बताया

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को कहा कि पिछले छह महीने में भारत-चीन सीमा पर कोई घुसपैठ नहीं हुई जबकि इस अवधि में भारत-पाक सीमा पर घुसपैठ के प्रयास के 47 मामले सामने आए हैं। राज्यसभा में आज एक प्रश्न के लिखित उत्तर में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि जम्मू कश्मीर में पिछले तीन वर्षों में पाकिस्तानी आतंकियों द्वारा घुसपैठ के 594 प्रयास किए जाने के मामले सामने आए। जिसमें 312 घुसपैठ हुईं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, पिछले छह महीने में भारत-चीन सीमा पर घुसपैठ का कोई मामला सामने नहीं आया है।

कांग्रेस ने रास में प्रमुख भारतीयों की निगरानी पर जताई चिंता

निगरानी में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति,प्रधानमंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष सहित विपक्षी नेताओं, मुख्यमंत्री, सांसद, सेना प्रमुख और उद्योगपति शामिल

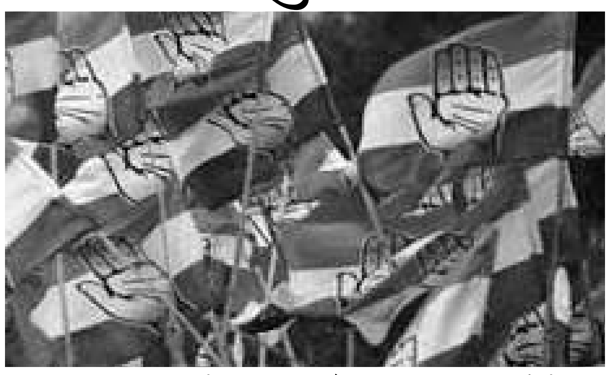

दिल्ली। राज्यसभा में बुधवार को कांग्रेस के सदस्यों ने उस मीडिया रिपोर्ट पर चिंता व्यक्त की। इसमें कहा गया है कि एक चीनी कंपनी द्वारा 10,000 से अधिक प्रमुख भारतीय लोगों और संगठनों पर नजर रखने की बात की गई है। कांग्रेस सदस्यों ने सरकार से सवाल किया कि क्या उसने इस मामले पर संज्ञान लिया है?

कांग्रेस के दो सदस्यों के सी वेणुगोपाल और राजीव सातव ने उच्च सदन में शून्य काल के दौरान यह मुद्दा उठाया। इस पर राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने संसदीय कार्य मंत्री से कहा कि वह इस पर ध्यान दें और संबंधित मंत्री को इसकी जानकारी दें।

वेणुगोपाल ने कहा कि वह एक चौंकाने वाली खबर की ओर ध्यान आकृष्ट करना चाहते हैं जो राष्ट्रीय सुरक्षा और भारतीय नागरिकों की निजता से संबंधित है। उन्होंने कहा कि एक अंग्रेजी समाचार पत्र की एक खबर में कहा गया है कि चीन की सरकार और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़ी प्रौद्योगिकी कंपनी अपने विदेशी लक्ष्यों के वैश्विक डेटा बेस में 10,000 से अधिक भारतीय लोगों और संगठनों पर नजर रख रही है।

वेणुगोपाल ने कहा, यह बहुत चौंकाने वाला है... निगरानी में भारत के राष्ट्रपति, आप भारत के उपराष्ट्रपति भी, प्रधानमंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष सहित विपक्षी नेताओं, मुख्यमंत्री, सांसद, सेना प्रमुख और उद्योगपति शामिल हैं। उन्होंने कहा कि चीनी कंपनी ने प्रमुख पदों पर आसीन नौकरशाहों, न्यायाधीशों, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, पत्रकारों, अभिनेताओं, खिलाड़ियों, धार्मिक हस्तियों और कार्यकर्ताओं के आंकड़े भी एकत्र किए हैं। वेणुगोपाल ने कहा कि यह गंभीर चिंता का क्षेत्र है। उन्होंने सवाल किया कि सरकार ने इस पर ध्यान दिया है और क्या कार्रवाई की गई है? राजीव सातव ने कहा कि यह बहुत गंभीर मुद्दा है। उन्होंने कहा कि सरकार को स्पष्टीकरण देना चाहिए और सच्चाई सामने आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक चीनी कंपनी प्रमुख लोगों की जासूसी कैसे कर सकती है। सभापति नायडू ने संसदीय कार्य मंत्री से इस मामले पर गौर करने को कहा। उन्होंने कहा कि यह प्रमुखता से सामने आया है, इसलिए संबंधित मंत्री को सूचित करें और देखें कि क्या किया जा सकता है।

जाति जनगणना के आंकड़े मंत्रालय को सौंपे

नई दिल्ली। जाति आधारित जनगणना के लिए वर्ष 2011 में एकत्र किए गए आंकड़े सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय को सौंप दिए गए हैं, ताकि उनका वर्गीकरण एवं उन्हें श्रेणीबद्ध किया जा सके। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में ये जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2011 में ग्रामीण विकास मंत्रालय ने गांवों में और तत्कालीन आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय ने शहरों में सामाजिक-आर्थिक एवं जाति संबंधी जनगणना की थी। राय ने बताया कि जाति संबंधी आंकडों को छोड कर इस जनगणना के शेष आंकडों को अंतिम रूप दे दिया गया था। मंत्री के अनुसार, भारत के महापंजीयक कार्यालय ने सामाजिक आर्थिक एवं जाति जनगणना के लिए सहयोग किया था।

कोरोना के टीके के विकास पर काम जारी: सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को कहा कि कोरोना वायरस का टीका विकसित करने का काम विभिन्न चरणों में चल रहा है। 30 से अधिक वैक्सीन अभ्यर्थियों को सहयोग दिया गया। जिनमें से तीन परीक्षण के अग्रिम चरण में हैं। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि टीका विकास परीक्षण के चार कार्य क्लीनिकल पूर्व के अग्रिम चरण में हैं। उन्होंने कहा कि कोविड-19 रोगियों के मकसद से उपचार विकल्पों का पोर्टफोलियो बनाने के लिए कुछ पहले से प्रचलित दवाओं के 13 क्लीनिकल परीक्षण चल रहे हैं।

किसानों से संबंधित विधेयक बहुत क्रांतिकारी : जेपी नड्डा

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस के विरोध को गुमराह करने वाला बताया

नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को कहा कि किसानों से संबंधित जिन तीन विधेयकों को केंद्र सरकार संसद में लेकर आई है वे बहुत ही क्रांतिकारी हैं, जमीनी स्तर पर परिवर्तन लाने वाले हैं और किसानों की तस्वीर बदलने वाले हैं और तीनों विधेयकों का कांग्रेस का विरोध उसके दोहरे चरित्र को उजागर करता है।

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार संसद के मौजूदा मानसून सत्र में किसानों से संबंधित कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा प्रदान करना) विधेयक, 2020, कृषक (सशक्तिकरण और संरक्षण) मूल्य आश्वासन और कृषि सेवा पर करार विधेयक और आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक, 2020 लेकर आई है। आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक मंगलवार को लोकसभा से पारित हो गया।

नड्डा ने भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि ए तीनों विधेयक बहुत दूरदृष्टि रखते हैं और कृषि क्षेत्र में निवेश को बढ़ाने में ए तीनों बिल बहुत महत्वपूर्ण और लाभकारी हैं तथा किसानों के उत्पाद का दाम बहुत तीव्र गति से आगे बढ़ाने वाले साबित होंगे।

उन्होंने कहा, तीनों ही विधेयक किसानों को नई आजाद हवा देने का काम करेंगे। इसके बाद किसान को आजादी होगी अपना उत्पाद बेचने की। यह तीनों विधेयक बहुत ही क्रांतिकारी हैं और जमीनी स्तर पर परिवर्तन लाने वाले हैं। इससे किसानों की तस्वीर बदलेगी, तकदीर बदलेगी, उनके हालात में मूलभूत परिवर्तन होगा। उत्पाद का उसका उचित मूल्य मिलेगा। नड्डा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस आज इन विधेयकों का विरोध कर रही है जबकि चुनावों में किसानों को लुभाने के लिए वह इसी प्रकार के वादों को अपने घोषणा पत्र का हिस्सा बनाती है।

अंतिम संस्कार के इंतजार में कंकाल बना लावारिस शव, जांच के आदेश

इंदौर (मध्यप्रदेश)। इंदौर के एक सरकारी अस्पताल के मुर्दाघर में एक लावारिस शव के स्ट्रैचर में ही सड़ जाने और कंकाल बन जाने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया में इसकी तस्वीर सामने आने के बाद अस्पताल प्रबंधन ने जांच के आदेश दिए हैं।

शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय (एमवायएच) के अधीक्षक प्रमेंद्र ठाकुर ने बुधवार को पीटीआई-भाषा को बताया, हमने लावारिस शव सड़ने के मामले की जांच के लिए समिति बनाई है। जांच में एमवायएच का जो भी कर्मचारी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने हालांकि यह नहीं बताया कि कंकाल में तब्दील हुआ शव किस व्यक्ति का है। एमवायएच के मुर्दाघर में कब पहुंचा था? इस बीच, पुलिस भी इस सवाल से कन्नी काटती दिखाई दे रही है। संयोगितागंज पुलिस थाने के प्रभारी राजीव त्रिपाठी ने कहा, एमवायएच प्रबंधन ही जानकारी दे सकता है कि लावारिस शव अस्पताल के मुर्दाघर में कब और कैसे पहुंचा था?

कोविड-19 प्रवासी श्रमिकों के लिए कल्याण कोष बनाएं : संसदीय समिति

स्थाई समिति ने अंतर राज्यीय प्रवासी श्रमिकों (आईएसएमडब्ल्यू) का एक राष्ट्रीय डाटाबेस बनाने को कहा

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी के मद्देनजर अंतर राज्यीय प्रवासी श्रमिकों के समक्ष उभरे मुद्दों और उनकी स्थिति पर विचार करते हुए संसद की एक समिति ने ऐसे कामगारों के लिए एक कल्याण कोष के निर्माण की सिफारिश की है। इससे संबंधित संहिता में इस कोष का एक अलग श्रेणी के रूप में उल्लेख करने पर जोर दिया है।

संसद में पेश सामाजिक सुरक्षा संहिता 2019 पर श्रम संबंधी स्थाई समिति की रिपोर्ट के अनुसार, समिति यह इच्छा व्यक्त करती है कि अंतर राज्यीय प्रवासी श्रमिकों (आईएसएमडब्ल्यू) का एक राष्ट्रीय डाटाबेस बनाया जाए। इसमें कहा गया है, ऐसा प्रवासी जो अपने पैतृक राज्य में आईएसएमडब्ल्यू के रूप में पंजीकृत नहीं हो सका है, उसे अपने डेटा को शामिल करने की सुविधा होनी चाहिए कि वह एक अंतर राज्ईय प्रवासी श्रमिक है। समिति ने कहा कि कोविड-19 के अनुभव के मद्देनजर अंतर राज्ईय प्रवासी कामगारों के लिए एक कल्याण कोष का निर्माण होना चाहिए और संहिता में एक अलग श्रेणी के रूप में इसका उल्लेख होना चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार, समिति ने कहा कि इसका वित्त पोषण छह एजेंसियोंसंस्थाओं द्वारा हो। इसमें भेजने वाले राज्य, प्राप्त करने वाले राज्य, ठेकेदारों, मूल नियोक्ताओं और पंजीकृत कामगारों द्वारा अनुपातिक रूप से वित्त पोषण होना चाहिए। इसमें कहा गया है कि इस तरह सृजित निधियों का उपयोग विशेष रूप से अन्य कल्याणाकारी निधियों के दायरे में नहीं आने वाले कर्मचारियोंकामगारों के लिए किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार, समिति के संज्ञान में यह बात है कि कोविड-19 महामारी के मद्देनजर जो मुद्दे उभरे हैं, उनमें अंतर राज्ईय प्रवासी श्रमिकों की स्थिति, उनके लिए नौकरी, भोजन और राशन की सुविधाएं शामिल हैं। समिति ने कहा कि वह ठेकेदार के माध्यम से भर्ती किए गए श्रमिकों को शामिल करने के लिए अंतर राज्ईय प्रवासी श्रमिक की परिभाषा में विस्तार की सिफारिश करती है। वहीं, सरकार ने संसदीय समिति को बताया कि कोविड-19 महामारी के दौरान बड़े पैमाने पर मजदूरों से जुड़ी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए पेशागत सुरक्षा संहिता संबंधी स्थाई समिति की सिफारिशों के अनुरूप अंतर राज्यीय प्रवासी श्रमिकों से जुड़े उपबंध पर वह पुन: विचार कर रही है।

कोरोना महामारी की महाभारत छिड़ी है और सरकार गायब : कांग्रेस

पार्टी महासचिव और मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने प्रधानमंत्री से सवाल किया, आखिर कोरोना पर नियंत्रण कैसे हो सकेगा?

नई दिल्ली। कांग्रेस ने देश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों की संख्या 50 लाख के पार चले जाने के बाद बुधवार को सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जब महामारी की महाभारत छिड़ी है तो सरकार गायब है। पार्टी महासचिव एवं मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से यह सवाल भी किया कि आखिर कोरोना पर नियंत्रण कैसे होगा? उन्होंने ट्वीट किया, देश में कोरोना के मामले आज 50 लाख हुए पारउ कोरोना महामारी की महाभारत छिड़ी है,पर मोदी सरकार गायब है।

सुरजेवाला ने कहा, प्रतिदिन कुल कोरोना संक्रमण में दुनिया में भारत पहले नंबर पर (90,123 संक्रमण)। प्रतिदिन कोरोना मृत्यु दर में दुनिया में भारत पहले नंबर पर (1,290 मृत्यु प्रतिदिन) कोरोना संक्रमण दोगुना होने की दर में में भी दुनिया में भारत पहले नंबर पर (31 दिन में दोगुना)।

उन्होंने कहा, कुल कोरोना संक्रमित मामलों में दुनिया में भारत दूसरे नंबर पर (50,20,360 संक्रमण)। सक्रिय कोरोना संक्रमण मामलों में दुनिया में भारत दूसरे नंबर पर (9,95,933 संक्रमण)। कोरोना से हुई कुल मौतों में दुनिया में भारत तीसरे नंबर पर (82,066 मृत्यु)। सुरजेवाला ने सवाल किया, प्रधानमंत्री देश को बताएं की कोरोना पर नियंत्रण कैसे होगा? या फिर भगवान पर इल्जाम लगा पीछा छुड़ा लेंगे?

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, भारत में कोविड-19 के 90,123 नए मामले सामने आने के बाद बुधवार को देश में संक्रमितों की कुल संख्या 50,20,359 हो गई है। वहीं, पिछले 24 घंटे में सर्वाधिक 1,290 लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 82,066 हो गई।

उप्र सरकार गेहूं की ढुलाई,सफाई को बिना रसीद दिए ले रही पैसे : सपा सांसद

उत्तर प्रदेश में 36 लाख क्विंटल गेहूं की खरीद पर 72 करोड़ रुपये और राष्ट्रीय स्तर पर ये राशि 780 करोड़ रुपये वसूली

नई दिल्ली। सपा सदस्य जावेद अली खान ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार किसानों से गेहूं खरीदने में 20 रूपये प्रति क्विंटल की दर से ढुलाई व सफाई के पैसे ले रही है। लोगों को इस राशि की कोई रसीद भी नहीं दी जा रही है। खान ने शून्यकाल में यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार ने गेहूं की खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 1925 रूपये प्रति क्विंटल तय किया है, लेकिन किसानों के हाथ में 1905 रूपये की दर से पैसे आ रहे हैं। 20 रूपए गेहूं की ढुलाई, सफाई आदि के नाम पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लिए जा रहे हैं। इस राशि की कोई रसीद भी नहीं दी जा रही है।

उन्होंने सरकारी खरीद केंद्र के अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्हें 20 रूपए की दर से नकद देने को कहा गया। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने इसका सरकारी आदेश मांगा तो वहां के अधिकारी ने उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार का आदेश दिखाया। लेकिन आदेश में यह भी जिक्र था कि केंद्र से मंजूरी मिलने और मुख्यमंत्री की सहमति के बाद किसानों को यह राशि लौटा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि किसानों को पिछले तीन साल में कोई राशि नहीं लौटाई गई है। उन्होंने कहा कि इस साल उत्तर प्रदेश में 36 लाख क्विंटल गेहूं की खरीद की गई और किसानों से 72 करोड़ रूपये लिए गए। राष्ट्रीय स्तर पर यह राशि 780 करोड़ रूपये है।

सभापति एम वेंकैया नायडू ने सरकार से इस मुद्दे पर गौर करने को कहा। शून्यकाल में ही राकांपा सदस्य वंदना चव्हाण ने समाज के कमजोर तबके के छात्रों की मुश्किलों का जिक्र किया और कहा कि ऐसे बच्चे ऑनलाइन पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि करीब 27 प्रतिशत छात्रों के पास न तो स्मार्ट फोन और न ही लैपटॉप या टीवी हैं।

उन्होंने डिजिटल ढांचे को मजबूत बनाने और ऐसे छात्रों को डिजिटल सुविधाएं मुहैया कराने का सरकार से आग्रह किया। शून्यकाल में ही कांग्रेस के दिग्विजय सिंह ने कोरोना वायरस बीमारी के इलाज में महत्वपूर्ण आक्सीजन की कीमतों में भारी वृद्धि होने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना आदि राज्यों में आक्सीजन सिलेंडर की कीमतों में भारी इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि पहले इसकी कीमत 10 रूपये प्रति क्यूबिक मीटर थी जो बढ़कर 50 रूपये तक बढ़ गई।

संक्षिप्त समाचार

कन्नड़ अभिनेता और अभिनेत्री सीसीबी के सामने पेश हुए

बेंगलुरु। कन्नड़ फिल्म अभिनेता दिगंत मनचले और अभिनेत्री ऐन्द्रिता राय मादक पदार्थों के मामले में बुधवार को केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) के सामने पेश हुए। कन्नड़ फिल्म उद्योग में मादक पदार्थों के प्रचलन के मामले की जांच कर रही सीसीबी ने मंगलवार को दंपति को नोटिस जारी किया था। दंपति ने एक ट्वीट में कहा था, हमें केंद्रीय अपराध शाखा की ओर से फोन पर नोटिस मिला था जिसमें कल (बुधवार) को पूर्वाह्न 11 बजे बुलाया गया था। हम उपस्थित होकर सीसीबी के साथ पूरा सहयोग करेंगे। इससे एक दिन पहले पुलिस ने पूर्व मंत्री जीवराज अल्वा के बेटे आदित्य अल्वा के बंगले पर छापेमारी की थी। सीसीबी ने अभिनेत्री रागिनी द्विवेदी और संजना गलरानी समेत सात अन्य लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया है। इसके अलावा मामले में कम से कम सात और लोगों की तलाश की जा रही है।

अवैध खनन को लेकर दो गुटों में हिंसक झड़प, चार घायल

नोएडा। थाना एक्सप्रेसवे क्षेत्र में अवैध बालू खनन को लेकर मंगलवार रात दो गुटों में हिंसक झड़प हो गई, जिसमें चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। अपर पुलिस आयुक्त रणविजय सिंह ने बताया कि थाना एक्सप्रेसवे क्षेत्र के याकूबपुर गांव और दलेलपुर गांव के गुटों में मंगलवार को अवैध बालू खनन को लेकर हिंसक झड़प हो गई। उन्होंने बताया कि याकूबपुर गांव के दलेलपुर गांव के सतवीर के साथ कुछ लोग याकूबपुर के रहने वाले मोनू के खेत में अवैध रूप से खनन करने पहुंचे। जब मोनू ने मना किया तो सतवीर के गुट ने मोनू और उसके साथियों पर हमला कर दिया। इस घटना में मोनू के पिता संती तथा भाई सोनू और रविंदर सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने वहां से हथियार, कारतूस, खनन में प्रयोग होने वाले ट्रैक्टर- ट्रॉली, एक कार आदि बरामद की। सिंह ने बताया कि इस मामले में पुलिस ने सतवीर को गिरफ्तार कर लिया है। घटना में शामिल अन्य पांच लोगों की पुलिस तलाश कर रही है।

असम समझौता समिति की रिपोर्ट राज्य के पास विचाराधीन

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा असम के मूल निवासियों को संवैधानिक सुरक्षा मानक प्रदान करने के तरीके सुझाने के लिए गठित उच्चस्तरीय समिति ने अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी है। सिफारिशों पर विचार किया जा रहा है। ये जानकारी बुधवार को राज्यसभा में दी गई। समिति का गठन 1985 के असम समझौते के खंड 6 के तहत किया गया था। इसमें एक दर्जन से अधिक सदस्य हैं। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, असम समझौते के खंड 6 पर गृह मंत्रालय द्वारा गठित उच्चस्तरीय समिति ने अपनी रिपोर्ट असम सरकार को सौंप दी है। उसकी सिफारिशों पर राज्य सरकार विचार कर रही है। समिति की कार्य शर्तों के अनुसार वह असम विधानसभा तथा स्थानीय निकायों में असमिया लोगों के लिए सीटों के आरक्षण के उचित स्तर का आकलन करेगी।

सीआरपीएफ अधिकारी ने गोली मारकर खुदकुशी की

सुकमा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के सहायक उप निरीक्षक ने अपनी सर्विस रायफल से कथित तौर पर गोली मारकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। सुकमा जिले के पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि जिले के गादीरास थाना परिसर में सीआरपीएफ की दूसरी बटालियन के सहायक उप निरीक्षक के शिवानंद (49) ने सुबह 7.15 बजे अपनी सर्विस रायफल एके 47 से खुद को गोली मार ली। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि थाना परिसर स्थित बैरक में सीआरपीएफ के जवानों को आज सुबह अचानक गोली चलने की आवाज आई। इसके बाद वे शिवानंद के बैरक की ओर भागे। वहां उन्होंने शिवानंद को मृत पाया। अधिकारियों ने बताया कि शिवानंद कर्नाटक के निवासी थे। उन्होंने कहा कि आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चला है। मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा घटना की जानकारी शिवानंद के परिजनों को दे दी गई है। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर क्षेत्र के जिलों में नक्सल विरोधी अभियान में सीआरपीएफ को तैनात किया गया है।

बीजद सांसद ने ओडिशा सांस्कृतिक केंद्र को मांगी जमीन

भुवनेश्वर। बीजू जनता दल (बीजद) सांसद ने ओडिशा सांस्कृतिक केन्द्र एवं पुस्तकालय की स्थापना के लिए दिल्ली में उपयुक्त भूमि के आवंटन की मांग की है। बीजद सांसद सस्मित पात्रा ने कहा कि ओडिशा सांस्कृतिक केन्द्र और पुस्तकालय राष्ट्रीय राजधानी की समृद्धि और विविधता के साथ-साथ ओडिशा की समृद्ध संस्कृति, विरासत और परम्पराओं को प्रदर्शित करेगा। पात्रा ने मंगलवार को राज्यसभा में यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, ओडिशा संस्कृति और परम्परा की भूमि है। जबकि ओडिशा के नृत्य ने दुनिया भर में प्रशंसा प्राप्त की है, भारत में उड़िया भाषा को छह शास्त्रीय भाषाओं में से एक माना जाता है। उड़िया भोजन, वस्त्र, हथकरघा और हस्तशिल्प संस्कृति में समृद्धता के लिए जाने जाते हैं। पात्रा ने कहा कि ओडिशा के लोगों के पास दिल्ली में एक उपयुक्त स्थाई स्थान नहीं है, जहां वे राज्य की ऐसी सांस्कृतिक समृद्धि का प्रदर्शन कर सकें। बीजद के सांसद ने कहा कि तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश को अपने संबंधित राज्य की संस्कृति के संवर्धन के लिए सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों की मेजबानी करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में स्थान दिया गया है। लेकिन ओडिशा को इनकार कर दिया गया। पात्रा ने कहा कि सात दिसम्बर 2019 को ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने केन्द्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री को इस उद्देश्य के लिए दिल्ली में भूमि आवंटित करने के लिए पत्र लिखा था।

विभिन्न राज्यों से कई लोग आईएस में शामिल हुए : सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को बताया कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दक्षिणी राज्यों में आतंकी गुट आईएस की मौजूदगी के संबंध में 17 मामले दर्ज किए और 122 लोगों को गिरफ्तार किया है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एनआईए ने दक्षिणी राज्यों तेलंगाना, केरल, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु में आतंकी गुट आईएस की मौजूदगी के संबंध में 17 मामले दर्ज किए और 122 लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि केंद्रीय और सरकारी सुरक्षा एजेंसियों को दक्षिण भारत सहित विभिन्न राज्यों से कुछ लोगों के आईएस में शामिल होने के बारे में पता चला है। रेड्डी ने बताया कि एनआईए की जांच में पता चला है कि केरल, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और जम्मू कश्मीर में आईएस सबसे ज्यादा सक्रिय है। उन्हें विदेशों से मदद मिल रही है।

कलाविद् कपिला वात्स्यायन का निधन

कपिला वात्स्यायन थीं आईआईसी की आजीवन न्यासी

नई दिल्ली। भारतीय शास्त्रीय नृत्य, वास्तुकला, इतिहास और कला की प्रख्यात विदुषी कपिला वात्स्यायन का दिल्ली स्थित उनके आवास पर बुधवार को निधन हो गया। वह 91 वर्ष की थीं। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) के सचिव कंवल अली ने पीटीआई-भाषा से कहा, गुलमोहर एन्क्लेव में आवास पर आज सुबह नौ बजे उनका निधन हो गया। वात्स्यायन, आईआईसी की आजीवन न्यासी थीं।

वह आईआईसी में एशिया परियोजना की अध्यक्ष भी थीं। वात्स्यायन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र की संस्थापक निदेशक थीं। उनका अंतिम संस्कार बुधवार दोपहर को लोधी श्मशान घाट पर किया जाएगा। अली ने कहा, अंतिम संस्कार आज दोपहर दो बजे होना है, लेकिन मौजूदा पाबंदियों (कोविड-19) के चलते वहां सीमित संख्या में परिजन ही उपस्थित रहेंगे।

कॉलेजों के पास करोड़ों की एफडी : सिसोदिया

दिल्ली में कॉलेज शिक्षकों को वेतन नहीं मिलने के गरमाते मुद्दे के बीच शिक्षा मंत्री का महत्वपूर्ण बयान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के वित्तपोषित दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेज शिक्षकों के वेतन देने के लिए फंड की कमी के मुद्दे पर उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने बुधवार को करोड़ों की एफडी का जिक्र ने किया है।

सिसोदिया ने ट्वीट कि दिल्ली सरकार की तरफ से छह कॉलजों की ऑडिज कराया गया जिससे पता चला कि कि उनके पास कई करोड़ की एफडी मौजूद है। इस धनराशि का इस्तेमाल आवश्यक मदों में न करके गैरजरूरी कार्यो में किया जा रहा है।

सिसोदिया ने एफडी के पैसे से शिक्षा के वेतन देने जैसी बात खुलकर नहीं की लेकिन उनका आशय स्पष्ट है। गौरतलब है कि पिछले चार महीने से वेतन नहीं मिलने से परेशान दिल्ली के लगभग 12 कॉलजों की टीचरों ने दिल्ली हाईकोर्ट खटखटाया है उन्हेंाने अदालत से गुहार लगााई थाी कि दिल्ली सरकार को आवश्यक फंड जारी करने निर्देश दे ताकि उन्हें बकाया के साथ वेतन मिल सके। इस मामले की गुरुवार 17 सितंबर को सुनवाई की संभावना है।

सिसोदिया ने कहा कि फंड के उपयोग की वास्तविक स्थिति का पता लगाने के लिए दिल्ली सरकार ने इन कॉलेजों का एक विशेष ऑडिट शुरू कराया है। इसके लिए सीएजीसे ऑडिटर्स मांगे गए।

उन ऑडिटर्स ने इन कॉलेजों का ऑडिट शुरू किया है। सितंबरके पहले सप्ताह में छह कॉलेजों का ऑडिट किया गया। उनकी प्रारंभिक

सिसोदिया ने किया ट्वीट-ऑडिट से मिली जानकारी, एफडी के पैसे का हो रहा गैरजरूरी मदों में इस्तेमाल

रिपोर्ट मेंचिंताजनक तथ्य सामने आए हैं। डिप्टी सीएम ने बताया कि ऑडिटर्स की रिपोर्ट के अनुसार,कॉलेजों ने स्टाफ को वेतन भुगतान करने के बजाय फिक्स्ड डिपॉजिट के रूप में बढ़ी राशि जमा रखी है। केशव महाविद्यालय के पास फिक्स डिपोजिट के रूप में 10.52 करोड़ रुपये जमा है।

अगर उनके पास इतना पैसा है, तो वे अपने शिक्षकों को वेतनक्यों नहीं दे रहे हैं? दिल्ली सरकार द्वारा केशव महाविद्यालय को वेतन अनुदानके बातौर वर्ष 2014-15 में 10.92 करो? रुपये दिया गया था। पिछले वर्ष सरकार ने 27.9 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। पांच साल के भीतर उनका वेतन अनुदान करीबतीन गुना हो गया है।

इतनी राशि मिलने के बावजूद कॉलेज अपने शिक्षकों को वेतननहीं दे रहे हैंइ भगिनी निवेदिता कॉलेज के क्लोजिंग बैलेंस से पता चलता है कि उनके पास लगभग 2.5 करोड़ रुपये फिक्स डिपॉजिट है। वर्ष 2014-15 में भगिनीनिवेदिता को दिया जाने वाला वेतन अनुदान करीब 8.4 करोड़ रुपये था।

पिछले साल इसे बढ़ाकर 18 करोड़ रुपये कर दिया गया था। यह आश्चर्य की बात है कि इतनी सहायता मिलने के बावजूद कॉलेज द्वारा धन की कमी का दावा किया जा रहा है। सिसोदिया ने कहा कि कई कॉलेजों द्वारा ऑडिटर्स की टीम के साथ सहयोग भी नहीं किया जा रहा है। शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज ने ऑडिटर्स को अपनी ऑडिटेड बैलेंस शीट भी नहीं दी है। वर्ष 2018-19 की बैलेंस शीट में कॉलेज के पास लगभग 3.5 करोड़ रुपये थे। इसके अलावा फिक्स डिपॉजिट में उनके पास 10.45 करोड़ रुपये हैं। लगभग 14 करोड़ रुपए होने के बावजूद डीूय और कॉलेज प्रशासन अगर सरकार पर फंड नहीं देने का आरोप लगाए, तो यह हास्यास्पद है। लेखा परीक्षकों ने फंड के उपयोग संबंधी सच्चाई की गहराई से पड़ताल की है। कॉलेज प्रशासन ने ऑडिटरों के साथ सहयोग करना बंदकर दिया है। यह भी पाया गया कि छात्रों द्वारा विभिन्न मद के तहत जमा की गईफीस का कोई ऑडिट नहीं किया गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह अस्पताल में भर्ती

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को कौशांबी के यशोदा अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

मिली जानकारी के अनुसार, कोरोना पॉजिटिव आने के बाद वह पीजीआई लखनऊ में भर्ती थे लेकिन अब उनका इलाज यशोदा अस्पताल में चलेगा। इलाज के लिए लखनऊ से रवाना होकर कल्याण सिंह हिण्डन एयरपोर्ट पर उतरे। इसके बाद यशोदा अस्पताल की एम्बुलेंस से सीधा उन्हें अस्पताल में लाया गया। दरअसल अभी हाल में ही कल्याण सिंह कोरोना संक्रमण की चपेट में आ गए थे। इसके बाद उन्हें लखनऊ के संजय गांधी पीजीआइ के कोरोना हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था। लखनऊ के माल एवेन्यू में रहने वाले कल्याण सिंह को बुखार आ रहा था जिसके बाद उनकी जांच गई थी। रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उन्हें डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया था। बता दें कि कल्याण सिंह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता हैं। वह चार सितंबर 2014 से 8 सितंबर 2019 तक राजस्थान के राज्यपाल रहे।

मच्छरों की रोकथाम को स्कूलों में मनाएं शुष्क दिवस

डेंगू-मलेरिया के खिलाफ मुहिम के तहत दिल्ली सरकार ने दिए हैं निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

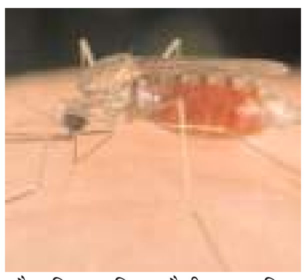

मच्छरों का प्रकोप कम करने के लिए स्कूलों में मनाया जाए शुष्क दिवस। दिल्ली सरकार ने सभी स्कूलों को निर्देश दिया है वे सप्ताह में एक दिन शुष्क दिवस मनाएं।

इस दिन कूलर, फूलदान, पक्षियों के पानी के बर्तन, पानी के कंटेनर, ठहरे हुए पानी की जांच करें और उसे साफ करें। यह कदम डेंगू, मलेरिया और चिकुनगुनिया जैसी जलजनित बीमारियों को लेकर स्कूली छात्रों को जागरुक करने के अभियान का हिस्सा है। शिक्षा निदेशालय ने स्कूलों के प्रधानाचार्यों को एक पत्र लिख है।

जिसमें कहा है बरसात का मौसम डेंगू, चिकुनगुनिया और मलेरिया जैसी वेक्टर जनित बीमारियों के लिए बहुत अनुकूल होता है जो हर साल इस समय फैलतीं हैं। निदेशालय के अनुसार कोरोना की महामारी के कारण सभी स्कूल छात्रों के लिए बंद हैं।

सभी स्कूलों के प्रधानाचार्यों को निर्देश दिया जाता है कि वे सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर छात्रों को घर में ही इसका पालन करने के लिए प्रोत्साहित करें। सभी स्कूलों में हप्ते में एक दिन (आखिरी कार्य दिवस हो तो बेहतर है), शुष्क दिवस के रूप में मनाया जाए। ताकि पानी जमा होने की अन्य संभावित जगहों की जांच सुनिश्चित की जा सके। सभी स्कूलों को नोडल अधिकारी को नियुक्त करने का निर्देश भी दिया गया है जो वेक्टर जनित बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए जिम्मेदार हो।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष गुप्ता कोरोना पॉजिटिव

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता भी कोरोना संक्रमण के शिकार हो गए है। गुप्ता को कोविड-19 जांच के बाद कोरोना पॉजिटिव पाया गया है।

पार्टी अध्यक्ष के साथ प्रदेश कार्यालय में काम कर रहे दर्जनभर लोगों में भी संक्रमित हो गए हैं। जिसके बाद दफ्तर को बंद कर सैनेटाइजेशन किया जाएगा। आदेश गुप्ता ने बुधवार को ट्विट कर कहा कि गत सप्ताह हल्का बुखार होने के बाद उन्होंने कोविड-19 जांच कराया था जिसकी रिपोर्ट नेगेटिव आई थी। लगातार अस्वस्थ महसूस करने के कारण फिर से कोरोना का टेस्ट कराया जो पॉजिटिव आया है।

दिल्ली में कंटेनमेंट जोन की संख्या 45 प्रतिशत बढ़ी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 के मामले फिर से तेजी से बढ़ रहे हैं। इस वजह से पिछले 10 दिनों में निरूद्ध क्षेत्रों की संख्या 45 प्रतिशत बढ़ गई है, जबकि इस अवधि में घर पर पृथक रहने वाले मरीजों की संख्या 50 प्रतिशत बढ़ कर 16,576 हो गई।

आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। दिल्ली में छह और 15 सितंबर के बीच छह दिनों तक रोजाना 4,000 से अधिक नए मामले सामने आए, जबकि 12 सितंबर को 4,321 मामले आए, जो यहां अब तक की सर्वाधिक वृद्धि है। इस महीने की शुरूआत से नए मामलों और इलाज मरीजों की संख्या में क्रमिक वृद्धि देखी गई, जिससे निरूद्ध क्षेत्रों और घर पर पृथक रहने वाले मरीजों की संख्या भी बढ़ी।

दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी)अधिकारियों ने लोगों से अत्यधिक जरूरत होने पर ही मेट्रो से सफर करने की अपील की है । दिल्ली स्वास्थ्य विभाग द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक घर पर पृथक रहने वाले कोविड-19 के मरीजों की संख्या पांच सितंबर को 10,514 थी , जो 15 सितंबर को बढ़ कर 16,576 हो गई।

कोविड के एक दिन में सबसे अधिक 4473 नए मामले

नई दिल्ली। दिल्ली में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के सबसे ज्यादा 4,473 नए मामले सामने आने के साथ ही बुधवार को यहां कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 2.30 लाख के पार पहुंच गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य बुलेटिन के मुताबिक मंगलवार को कुल 62,593 नमूनों की जांच की गई थी। बुलेटिन में कहा गया कि 33 मरीजों की मौत के साथ ही महामारी से जान गंवाने वालों की कुल संख्या बढ़कर 4,839 हो गई।

फायर एनओसी घोटाले में एंटी करप्शन की टीम ने मारे छापे

नियमों को उल्लंघन कर, दर्जनों बिल्डिंगों को दिया फायर सेफ्टी का प्रमाण पत्र

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा।

जनपद गौतम बुद्ध नगर में विभिन्न बिल्डिंगों की फायर विभाग द्वारा दी जाने वाली एनओसी में हुए घोटाले तथा भ्रष्टाचार की जांच करने के लिए एंटी करप्शन की टीम आज सेक्टर दो स्थित फायर विभाग के कार्यालय पहुंची। इस टीम में 8 लोग शामिल हैं।

आरोप है कि लॉकडाउन के दौरान फायर विभाग द्वारा नियमों का उल्लंघन करते हुए दर्जनों बिल्डिंगों को एनओसी दी गई है। इस मामले में विधायक रामवीर उपाध्याय ने विधानसभा में सवाल उठाया था। इसके अलावा कई लोगों ने शासन में इसकी शिकायत की है। शासन द्वारा इसकी जांच एंटी करप्शन बरेली की टीम को सौंपी गई है। इसकी जांच के लिए एंटी करप्शन की टीम कई दिनों से नोएडा और ग्रेटर नोएडा में आई हुई है। एंटी करप्शन की टीम ने सेक्टर 2 स्थित फायर आफिस में पहुंचकर इसकी जांच शुरू की। जांच के दौरान कई महत्वपूर्ण जानकारियां टीम को मिली है।

बताया जाता है कि सेक्टर 2 में तैनात सीएफओ के स्टेनो के बेटे के नाम पर कई फर्जी आईडी बनाकर लोगों को एनओसी जारी की गई है। विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार का आलम यह है कि यहां पूर्व में तैनात रहे एक दमकल अधिकारी भी भ्रष्टाचार के मामले में जेल जा चुके हैं। बताया जाता है कि शासन में अच्छी पकड़ होने की वजह से यहां तैनात विभाग के अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। ये लोग इसी का फायदा उठाकर मनमानी कर रहे हैं। फायर विभाग के सूत्रों का दावा है कि 100 से ज्यादा एनओसी नियमों का उल्लंघन कर जारी कर दी गई है।

आसान किस्त पर मोबाइल बेचने का झांसा, गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फर्जी वेबसाइट के जरिए ढाई हजार से अधिक लोगों को मासिक किस्त पर मोबाइल फोन बेचने का झांसा देकर चूना लगाने के आरोप में एक व्यक्ति को दिल्ली पुलिस ने गाजियाबाद से गिरफ्तार किया है। आरोपी जितेंद्र सिंह ने खुलासा किया कि उसने अपने साथियों प्रवीण कुमार और रजत शुक्ला के साथ मिलकर लोगों को मासिक किस्त पर मोबाइल देने का झांसा देकर धोखाधड़ी की।

पुलिस ने कहा कि आरोपी मोबाइल देने के नाम पर लोगों से कुछ पैसे ऐंठ कर चंपत हो जाते थे। जितेंद्र ने स्वीकार किया कि इस प्रकार उसने देशभर में ढाई हजार से अधिक लोगों को चूना लगाया।

सहयोगी कुमार और शुक्ला की तलाश जारी है। मामला प्रकाश में तब आया जब इरफान खान नामक एक व्यक्ति की शिकायत पर नौ जनवरी को जांच शुरू की गई। खान ने शिकायत दर्ज कराई थी कि पिछले साल दिसंबर में वह मोबाइल फोन खरीदना चाहता था और इस दौरान उसे बेहद कम मासिक किस्त पर मोबाइल बेचने वाली एक वेबसाइट का पता चला। शिकायत के अनुसार खान ने मोबाइल खरीदने के वीपीए के जरिए पहली बार 1,499 रुपए और इसके बाद तीन बार में 5,998 रुपए जमा किए। खान द्वारा भुगतान किए जाने के बावजूद न तो उसे मोबाइल मिला न पैसे।

नोएडा में अवैध खनन को लेकर फायरिंग में 3 घायल

नोएडा। नोएडा में यमुना एक्सप्रेस वे थाना क्षेत्र में हरियाणा की ओर यमुना पार इलाके में बालू खनन को लेकर मंगलवार की रात एक पक्ष के लोगों ने ताबड़तोड़ गोलीबारी की है।

तलवार से भी हमला किया गया है। इस घटना में दो लोगों को गोली लगी हैं। एक व्यक्ति तलवार लगने से घायल हो गया है। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। इस मामले में एक्सप्रेस-वे थाने की पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। याकूतपुर गांव के निवासी मोनू का हरियाणा की ओर यमुना पार इलाके में खेत है।

क्लिनिक में लगी भीषण आग, मची अफरातफरी

गाजियाबाद। शालीमार गार्डन में बुधवार की सुबह अपार्टमेंट के पहली मंजिल पर स्थित क्लिनिक में आग लग गई। कुछ ही देर में आग तेजी से फैली और पूरी क्लिनिक को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटों के साथ धुएं का गुबार आसपास की इमारत और फ्लैटों तक भी पहुंचा तो लोग दम घुंटने के साथ दहशत में आ गए। आनन फानन में दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कुछ देर कि मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। हालांकि, तब तक आग की चपेट में आने से क्लिनिक का सारा सामान जलकर ख़ाक हो चुका था।

किसानों और प्रशासन के बीच टकराव टला

मांगों के समाधान के लिए एक सप्ताह का समय मांगा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे की मांग को लेकर भारतीय कल्याण समिति के बैनर तले गाजियाबाद स्थित गोविंदपुरम अनाज मंडी पहुंचे किसानों ने पंचायत कर जिला प्रशासन तक अपनी बात पहुंचाई।

एडीएम एलए ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच बात हुई है उसमें एक सप्ताह का समय दिया गया है। ताकि समस्या का समाधान निकल सके। मोदीनगर से चलकर देर रात को ही बड़ी संख्या में किसान गोविंदपुरम अनाज मंडी पहुंच गए तो वहीं सुबह होते ही गैर जिलों से भी ट्रैक्टर-ट्रॉली में किसानों का पहुंचना शुरू हो गया था। किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए किसानों के एक प्रतिनिधि मंडल को जिला मुख्यालय बुलाया गया जहां एडीएम एलए कमलेश तिवारी आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

कोविड के बढ़ते मामलों के कारण पोलियो ड्राइव स्थगित

गाजियाबाद। राज्य सरकार ने कोविद-19 मामलों की संख्या में लगातार हो रही वृद्धि के बाद अपने पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान को स्थगित कर दिया है। यह अभियान 20 सितंबर से सभी जिलों में शुरू होने वाला था, लेकिन अब यह अगले आदेशों के बाद शुरू होगा। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह ने कहा कि सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को पत्र भेजा गया है। पोलियो अभियान आशा, एएनएम और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के सहयोग से चलाया जाता है।

चोरी के माल के साथ चोर गिरफ्तार

गाजियाबाद। मोदीनगर पुलिस ने एक शातिर चोर को गिरफतार किया है,जिसके कब्जे से चोरी के पांच मोबाइल और एक चोरी की अपाची मोटर साइकिल बरामद की है। आरोपी का नाम सिकन्दर है और वह मेरठ जनपद के लिसाडी गेट का निवासी है। पुलिस का कहना है कि वह पार्किंग में खडी मोटरसाइकिलो को मास्टर की से खोलने के बाद उनकी नम्बर प्लेट बदल देता हैं ।पुलिस ने वाहन चैंकिग के दौरान सिकन्दर को मोदीनगर की गोविन्दपुरी कालोनी से वाहन चैंकिग के दौरान गिरफतार किया है। इसके खिलाफ मोदीनगर और मेरठ में दर्जनो चोरी के मामले दर्ज है।

नोएडा में एक महिला की चाकू मारकर हत्या

नोएडा। नोएडा के सूरजपुर थाना क्षेत्र के देवला गांव में एक महिला की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी गई। अपर पुलिस उपायुक्त जोन (द्वितीय) अंकुर अग्रवाल ने बताया कि मंगलवार देर रात सूरजपुर थाना क्षेत्र के देवला गांव में एक महिला की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि मृतका की पहचान अभी नहीं हो पाई है। प्रथम दृष्टया ऐसा लग रहा है कि कोई व्यक्ति महिला को अपने साथ यहां लाया और फिर उसकी हत्या कर दी। पुलिस को महिला के साथ बलात्कार किए जाने का भी संदेह है।

शारदा कॉलोनी पर जीडीए का चला बुल्डोजर

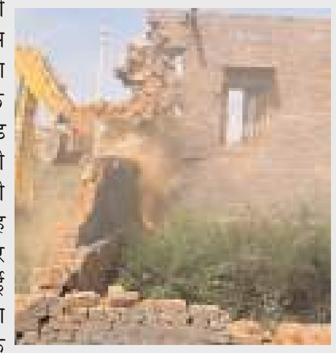

गाजियाबाद। लोनी चिरोडी रोड पर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण का पीला पंजा जमकर गरजा। जीडीए के सचल दस्ते ने आज चिरोडी रोड पर अवैध रूप से विकसित की जा रही शारदा सिटी कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया। यह कॉलोनी कायदे कानून से उपर उठकर भूमाफियाओं द्वारा बसाई जा रही थी। इसके अलावा चिरोडी रोड पर ही लगभग एक दर्जन दुकानों को भी ध्वस्त कर दिया गया। ये दुकाने भी अवैध रूप से बनायी गई थी। जीडीए सचिव संतोष राय ने बताया कि कुछ भूमाफिया लोगो को गुमराह करके इस प्रकार की कॉलोनियों में गैर कानूनी ढंग से मकान दुकान बना रहे है। उन्होंने आम जनता से आग्रह किया है कि ऐसे लोगों के बहकावे में न आये। खास बात यह है कि जब जीडीए का सचल दस्ता अवैध निर्माणो को गिरा रहा था तो कुछ लोगो ने मौके पर विरोध किया लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस फोर्स ने सभी को खदेड़ दिया।

राहुल राय और सबा दीवान को पूछताछ के लिये तलब

नई दिल्ली। पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने लघु फिल्म निर्माता राहुल रॉय और डॉक्युमेंट्री फिल्मकार सबा दीवान को उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के संबंध में पूछताछ के लिये बुलाया है। दंगों में कथित भूमिका के लिये रविवार को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद को गैर-कानूनी गतिविधियां (निवारण) अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया था, जिसके बाद दीवान और रॉय को तलब किया गया है। विशेष प्रकोष्ठ ने 11 घंटे पूछताछ करने के बाद खालिद को गिरफ्तार किया था। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में 24 फरवरी को संशोधित नागरिकता कानून के समर्थकों और विरोधियों के बीच झड़प के बाद सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई थी जिसमें कम से कम 53 लोगों की मौत हो गई थी और लगभग 200 लोग घायल हो गए थे।

पराली जलाने से इस बार गैस चैंबर नहीं बनेगी दिल्ली

प्रयोग रहा सफल तो राजधानी को मिल जाएगी दमघोंटू धुएं से निजात: गोपाल राय

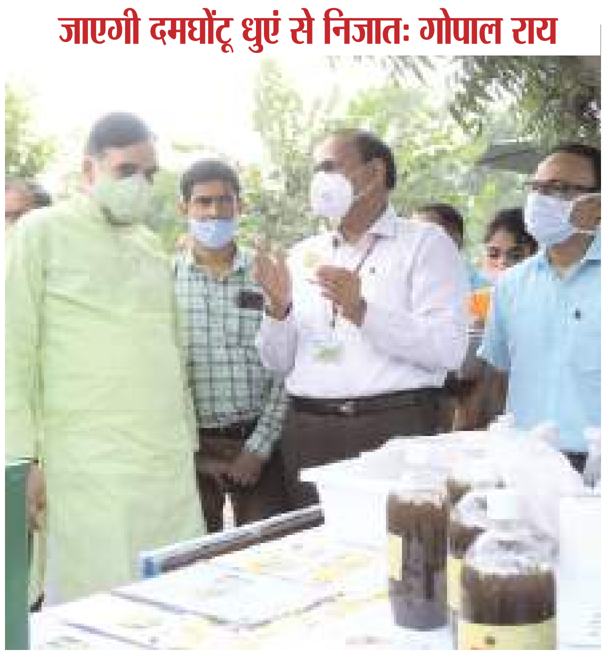

संजय राय। नई दिल्ली

इस बार प्रदूषण के चलने दिल्ली के गैस चैंबर में तब्दील होने से बचने के आसार हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (पूसा) ने एक ऐसी तकनीक विकसित की है जिससे पराली से खेत में ही खाद बनाई जा सकेगी। पूरे दिल्ली एनसीआर के लिए बेहद उपयोगी साबित होने वाली इस तकनीक का ब्योरा देते दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को कहा यह बॉयो डी-कंपोजर तकनीक है। इसके तहत केमिकल का प्रयोग करके पराली से खाद बनाए जाएगी।

गोपाल राय के मुताबिक यह प्रयोग अगर सफल होता है तो दिल्ली वालों को सर्दियों के मौसम में पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के खेतों में जलाई जाने वाली पराली के धुंए की वजह से सांस लेने में होने वाली समस्या का समाधान हो जाएगा। दिल्ली के किसानों को आम आदमी पार्टी की सरकार सभी सुविधाएं मुहैया कराएगी जबकि पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसानों को वहां की सरकारें सुविधाएं उपलब्ध कराएंगी। इसके लिए वह राज्य सरकारों, केंद्र और केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय से चर्चा करेंगे।

राय ने कहा कि सर्दी के समय में राजधानी में प्रदूषण की समस्या भयंकर रूप ले लेती है। दिल्ली में पराली बहुत कम होती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार पंजाब के अंदर 20 मिलियन टन पराली पैदा होती है, जिसमें से पिछले साल का जो आंकड़ा है। वहां पर करीब 9 मिलियन टन पराली जलाई गई है। हरियाणा के अंदर करीब 7 मिलियन टन पराली पैदा होती है, जिसमें से 1.23 मिलियन टन पराली जलाई गई थी और उसकी वजह से लोगों

खेत में ही पराली से बनेगी खाद, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान पूसा ने विकसित की तकनीक

को प्रदूषण का सामना करना पड़ा था। केंद्र सरकार ने एक योजना बनाई है, जिसमें पराली के लिए किसानों को कुछ मदद दी जाती है। उसके लिए मशीन खरीदी जाती है, जिसमें आधा पैसा किसानों को देना पड़ता है और आधा सरकार देती है। अभी पिछले दिनों उनकी पूसा के निदेशक से मुलाकात हुई थी। उन्होंने बताया कि संस्थान ने बॉयो डी-कंपोजर तकनीक विकसित की है। जिसके माध्यम से खेत में ही पराली पर केमिकल का छिड़काव किया जाए, तो वहीं पर खाद बन सकती है।वहीं गोपाल राय बुधवार को वह उस तकनीक का प्रदर्शन देखने के लिए पूसा यहां आए हैं। यहां पर कुछ किसानों को यह तकनीक दिखाने के लिए बुलाया था। साथ ही वह चाहते हैं कि केमिकल के छिड़काव में जो भी खर्चा आए, वह सरकार उठाएगी।

किसानों इसका आर्थिक बोझ नहीं पड़े और सरकार की तरफ से ऐसी व्यवस्था बने कि पूरी पराली का समाधान हो सके। इसकी सफलता के बाद वह पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश की सरकारों से भी बातचीत करेंगे कि अगर यह मॉडल सफल होता है, तो पड़ोसी राज्य भी इस तकनीक का प्रयोग करें, क्योंकि जितना मशीनों की खरीद के लिए सब्सिडी दी जा रही है, उतने ही पैसे में पूरे पराली को डी-कंपोज किया जा सकता है।

पूर्व कप्तान धोनी को फिर से खेलते हुए देखना शानदार होगा : सहवाग

एजेंसी। मुंबई

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग को इस साल की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को ज्यादा विशेष होने की उम्मीद है और इसका मुख्य कारण महेंद्र सिंह धोनी का एक साल के लंबे समय बाद अंतरराष्ट्रीय संन्यास की घोषणा करने के बाद पिच पर लौटना है। कोविड-19 महामारी के चलते इस साल आईपीएल भारत से बाहर संयुक्त अरब अमीरात में कराया जा रहा है और यह 19 सितंबर से शुरू हो रहा है।

सहवाग फ्लिपकार्ट वीडियो पर एक शो पावर प्ले विद चैम्पियंस की सह मेजबानी करेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह टूर्नामेंट हर किसी खिलाड़ियों और साथ ही दर्शकों के लिए कुछ ज्यादा विशेष होगा। धोनी को फिर से पिच पर देखना निश्चित रूप से खुशी देने वाला होगा। काफी कुछ होगा, क्या मुझे और ज्यादा कहने की जरूरत है? अगस्त में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के अपने फैसले से सभी को हैरान करने वाले धोनी आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की अगुआई करेंगे और टीम 19 सितंबर को अबुधाबी में लीग के शुरुआती मैच में गत चैंपियन मुंबई इंडियंस से भिड़ेगी। सहवाग ने कहा कि क्रिकेट भारतीयों की जिंदगी का अहम हिस्सा है और प्रशंसकों ने खेल की बहाली के लिए काफी लंबा इंतजार किया। उन्होंने कहा कि मैंने लॉकडाउन में अपना काफी समय पुराने मैचों को देखते हुए उनका विश्लेषण करते हुए बिताया जिसमें मेरी पारियां भी शामिल थीं। क्रिकेट हम भारतीयों के डीएनए (जीन्स) का अहम हिस्सा है और हमने इसकी वापसी के लिए काफी इंतजार किया।

रैना की अनुपस्थिति सीएसके के लिए बड़ी चिंता: जोन्स

एजेंसी। दुबई

आस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डीन जोन्स मानते हैं कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सुरेश रैना की अनुपस्थिति तीन बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए बड़ी चिंता का विषय होगा जो अपने अभियान की शुरुआत 19 सितंबर को गत चैंपियन मुंबई इंडियंस के खिलाफ करेगी। रैना और सीनियर स्पिनर हरभजन सिंह दोनों ने व्यक्तिगत कारणों से आईपीएल से हटने का फैसला किया।

जोन्स ने कहा कि रैना की अनुपस्थिति इस बार उनके लिए बड़ी चिंता का विषय होगी और वह आईपीएल में रन जुटाने के मामले में शीर्ष पांच में शामिल है। वह बाएं हाथ का खिलाड़ी है और स्पिन को बखूबी खेलता है और सीएसके के लिए सबसे बड़ी कमजोरी होगी कि उनके ज्यादातर खिलाड़ी दाएं हाथ से खेलने वाले हैं। जोन्स को लगता है कि टीम को बाएं हाथ के खिलाड़ी रैना की तरह का खिलाड़ी लाने की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि उन्हें कुछ बाएं हाथ से खिलाड़ियों की जरूरत होगी वर्ना वे कुछ मुश्किल में फंस सकते हैं। विशेषकर अगर वे लेग स्पिनर को खेलेंगे क्योंकि गेंद दूर जाएगी। इसलिए या तो सैम कुंन या जडेजा या ब्रावो या ताहिर के साथ खेलो। उन्होंने कहा कि वाटसन और धोनी ने लंबे समय से बल्लेबाजी नहीं की है। रैना और हरभजन भी घर पर ही हैं, इसलिए फ्लेमिंग और धोनी पर निर्भर करेगा कि वे टीम को एकजुट कैसे करते हैं। सभी की निगाहें धोनी पर लगी होंगी, जो पिछले महीने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद आईपीएल में खेलेंगे। वह भारतीय टीम के पिछले साल जुलाई में न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्वकप सेमीफाइनल में प्रतिस्पर्धी मैच खेलने के बाद से नहीं खेले हैं।

यूएई की गर्मी में ढलना सबसे बड़ी चुनौती : एबी डिविलियर्स

एजेंसी। दुबई

दक्षिण अफ्रीका के स्टार एबी डिविलियर्स का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग में सभी टीमों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यूएई के गर्म और उमस भरे मौसम के अनुकूल ढलने की होगी। अधिकांश मैच रात में खेले जाएंगे लेकिन हालात फिर भी चुनौतीपूर्ण होंगे। उन्होंने आरसीबी के ट्विटर हैंडिल पर डाले गए एक इंटरव्यू में कहा कि मैं इस तरह के मौसम का आदी नहीं हूं। बहुत गर्मी है। मुझे चेन्नई में जुलाई में खेला गया टेस्ट मैच याद आ गया, जिसमें वीरू ने 300 रन बनाए थे। तब भी ऐसी ही गर्मी थी। उन्होंने कहा कि उतनी ही उमस भी है। रात के दस बजे भी। इसका बहुत फर्क पड़ेगा और आपको आखिरी पांच ओवर के लिए ऊर्जा बचाकर रखनी होगी।

डिविलियर्स ने कहा कि उन्हें भारत में खचाखच भरे स्टेडियमों में खेलने की कमी खलेगी। उन्होंने कहा कि हम सभी को खचाखच भरे स्टेडियमों में खेलने की आदत है। खासकर चिन्नास्वामी स्टेडियम में जब दर्शक हौसला-अफजाई करते हैं तो मंजर ही अलग होता है। हमें उसकी कमी जरूर खलेगी। उन्होंने कहा कि लेकिन मैं ऐसा नहीं कहूंगा कि मुझे इसकी आदत नहीं है। मैंने खाली स्टेडियमों में काफी क्रिकेट खेली है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ही मैने भरे हुए स्टेडियम देखे हैं। डिविलियर्स ने कहा कि हर खिलाड़ी कोरोना वायरस महामारी के कारण लंबे ब्रेक के बाद मैदान पर लौटकर खुश है। उन्होंने कहा कि सभी अच्छे प्रदर्शन को बेताब हैं। वे नई ऊर्जा लेकर आए हैं और बेहतरीन क्रिकेट देखने को मिलेगी।

आखिरी पांच ओवर के लिए बचाकर रखनी होगी ऊर्जा

शारीरिक और मानसिक रूप से अब बिल्कुल फिट हूं: पांड्या हार्दिक

अबुधाबी। चोट से उबरकर लंबे समय बाद वापसी कर रहे मुंबई इंडियन्स के स्टार हरफनमौला हार्दिक पंड्या ने कहा कि इससे उन्हें और मेहनत करने की प्रेरणा मिली और शारीरिक तथा मानसिक रूप से वह पूरी तरह से फिट हैं। मुंबई इंडियन्स का सामना इंडियन प्रीमियर लीग के पहले मैच में 19 सितंबर को चेन्नई सुपर किंग्स से होगा। ऐसे में पंड्या का फार्म काफी महत्वपूर्ण साबित होगा।

पंड्या ने मुंबई इंडियन्स के ट्विटर हैंडिल पर डाले गए वीडियो में कहा कि जिस तरह से मैं गेंद को पीट रहा हूं और मानसिक तथा शारीरिक रूप से लय में हूं, मुझे मैदान पर जाकर स्वाभाविक खेल दिखाने में दिक्कत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि मैं खेल से कितना ही दूर क्यों न रहूं, कितने ही समय बाहर क्यों न रहूं लेकिन वापसी करने पर उपयोगिता होनी चाहिए। मैंने काफी तैयारी की है और आने वाला समय अच्छा ही होगा। पिछले साल नवंबर में लंदन में पंड्या की पीठ का आपरेशन हुआ था। उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए टीम में चुना गया, लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण श्रृंखला रद्द हो गई। पंड्या ने कहा कि मुझे आईपीएल खेलने में बहुत मजा आता है। मैं मजबूती से वापसी करना चाहता हूं।

इस समय रसेल दुनिया का सर्वश्रेष्ठ आलराउंडर: रिंकू

अबुधाबी। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के बल्लेबाज रिंकू सिंह को लगता है कि कोई भी खिलाड़ी हरफनमौला आंद्रे रसेल की बड़े शॉट लगाने की ताकत की बराबरी नहीं कर सकता जिससे वह इस समय दुनिया का सर्वश्रेष्ठ आलराउंडर है। जमैका के रसेल 2014 में केकेआर से जुड़े थे और वह पिछले दो सत्रों से शानदार फार्म में हैं और 13वें आईपीएल से पहले भी चर्चा का विषय बने हुए हैं।

सिंह ने कहा, ऐसा कोई भी खिलाड़ी नहीं है जो उनसे बेहतर गेंद को हिट कर सकता है। उनमें काफी ताकत है। रसेल ने पिछले सत्र में 14 मैचों में 204.81 के शानदार स्ट्राइक रेट से 510 रन जोड़े थे और वह केकेआर के लिए सर्वाधिक विकेट (11) लेने वाले खिलाड़ी भी रहे। सिंह ने कहा, उनके छक्के गगनचुंबी होते हैं और मुझे उसकी प्रतिस्पर्धा में कोई बल्लेबाज नहीं दिखता। वह इस समय दुनिया का सर्वश्रेष्ठ आलराउंडर है। रिंकू ने कहा कि मैंने उनसे ज्यादा बात नहीं की है क्योंकि मैं अंग्रेजी इतनी अच्छी तरह नहीं बोल पाता। लेकिन हां, मेरे पहले साल में हमने अपने कमरे में उनके जन्मदिन का मजा लिया था।

क्या मौरिस और फिंच के आने से बदलेगी आरसीबी की किस्मत?

एजेंसी। नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग में अब तक अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर रही विराट कोहली की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने क्रिस मौरिस और आरोन फिंच को खरीदकर अपनी समस्याओं का समाधान तलाशने की कोशिश की है, लेकिन मैदान पर ही पता चलेगा कि यह दांव कितना कारगर साबित हुआ। कोहली की मौजूदा टीम 2016 के बाद से सबसे संतुलति टीम है, जब वह तीसरी बार फाइनल में पहुंची थी, लेकिन फिर हार गई थी।

आरसीबी ने दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी हरफनमौला क्रिस मौरिस पर दस करोड़ रुपये खर्च किए और प्रबंधन को डैथ ओवरों में उनसे कसी हुई गेंदबाजी के अलावा निचले क्रम पर आक्रामक बल्लेबाजी की उम्मीद होगी। 2017 में क्रिस गेल के जाने के बाद से आरसीबी की बल्लेबाजी कोहली और एबी डिविलियर्स पर निर्भर रही है, लेकिन आस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के कप्तान आरोन फिंच के आने से उन पर दबाव कुछ कम होगा। कोहली अब फिंच के साथ पारी का आगाज कर सकते हैं या तीसरे नंबर पर उतर सकते हैं। ऐसे में पार्थिव पटेल या देवदत्त पडीक्कल उनके साथ पारी की शुरुआत करेंगे। स्टार खिलाड़ियों के नहीं चलने पर गुरकीरत सिंह मान और शिवम दुबे जैसे युवाओं पर जिम्मेदारी रहेगी। निचले क्रम पर मौरिस के साथ मोईन अली भी हैं। गेंदबाजी में अली और लेग स्पिनर एडम जाम्पा में से एक को चुना जाएगा। युजवेंद्र चहल और वाशिंगटन सुंदर भी स्पिनरों में शामिल है। तेज गेंदबाजों में मौरिस, डेल स्टेन, नवदीप सैनी, उमेश यादव और मोहम्मद सिराज हैं। कोचिंग स्टाफ भी नया है, जिसमें माइक हेसन और सिमोन कैटिच शामिल हैं।

टीम: आरोन फिंच, देवदत्त पडीक्कल, पार्थिव पटेल, विराट कोहली, एबी डिविलियर्स, गुरकीरत मान, शिवम दुबे, क्रिस मौरिस, वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, नवदीप सैनी, डेल स्टेन, युजवेंद्र चहल, एडम जाम्पा, इसुरू उडाना, मोईन अली, जोश फिलीप, पवन नेगी, पवन देशपांडे, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव।

गायकवाड़ अब भी पृथकवास में

आईपीएल के पहले मैच में खेलने की संभावना नहीं

दुबई। पिछले महीने कोरोना वायरस संक्रमित पाए गए चेन्नई सुपरकिंग्स के बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ अब भी पृथकवास में हैं और अबुधाबी में 19 सितंबर को मुंबई इंडियन्स के खिलाफ टीम के पहले इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले के लिए उनके उपलब्ध रहने की संभावना नहीं है। सीएसके के सीईओ कासी विश्वनाथन ने कहा कि रुतुराज बिलकुल ठीक हैं लेकिन उन्हें अब तक टीम के जैविक रूप से सुरक्षित माहौल से जुड़ने के लिए बीसीसीआई की स्वीकृति नहीं मिली है।

विश्वनाथन ने कहा कि रुतुराज को अब तक बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने स्वीकृति नहीं दी है और वह अब भी पृथकवास में हैं। पहले मैच के लिए उनके उपलब्ध रहने की संभावना नहीं है। हमें अगले कुछ दिनों में उनके जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में लौटने की उम्मीद है और वह बिलकुल ठीक है। सीएसके के दल के 13 सदस्य पिछले महीने कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे और इनमें दो खिलाड़ी रुतुराज और दीपक चाहर भी शामिल थे।

आईपीएल के दौरान सट्टेबाजी रोकने के लिए ब्रिटिश कंपनी की मदद लेगा बीसीसीआई

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान सट्टेबाजी और अन्य भ्रष्ट गतिविधियों को रोकने ले लिए ब्रिटेन स्थित कंपनी स्पोर्टरडार के साथ करार किया है, जो अपनी धोखाधड़ी जांच प्रणाली (एफडीएस) के जरिए सेवाएं देगी।

आईपीलए का 13वां सत्र खाली स्टेडियमों में खेला जाएगा और ऐसे में अजित सिंह की अगुवाई वाली बीसीसीआई भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) के सामने एक अलग तरह की चुनौती होगी क्योंकि कुछ राज्यस्तरीय लीग के दौरान सट्टेबाजी से जुड़ी धोखाधड़ी बढ़ी है और इस लुभावनी प्रतियोगिता के दौरान इसके बढ़ने की संभावना है। आईपीएल के एक सूत्र ने कहा, हां, बीसीसीआई ने इस साल के आईपीएल के लिए स्पोर्टरडार के साथ करार किया है। वे एसीयू के साथ मिलकर काम करेंगे और अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि स्पोर्टरडार ने हाल में गोवा फुटबाल लीग के आधा दर्जन मैचों को संदेह के घेरे में रखा था। वे फीफा (विश्व फुटबॉल संस्था), यूएफा (यूरोपीय फुटबॉल की संस्था) और विश्व भर की विभिन्न लीग के साथ काम कर चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

सेंट लुईस रैपिड ऑनलाइन शतरंज में हरिकृष्णा को बढ़त

चेन्नई। भारतीय ग्रैंडमास्टर पी हरिकृष्णा सेंट लुईस रैपिट और ब्लिटज आनलाइन शतरंज टूर्नामेंट के तीन दौर के बाद आर्मेनिया के ग्रैंडमास्टर लेवोन आरोनियन के साथ शीर्ष पर हैं। भारत के दूसरे नंबर के खिलाड़ी हरिकृष्णा ने अमेरिकी ग्रैंडमास्टर लेइनिएर डोमिनिगुएज के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत की। इसके बाद ईरान के अली रजा फिरोजा के साथ ड्रा खेला। तीसरे दौर में उन्होंने रूस के अलेक्जेंडर ग्रिसचुक को 41 चालों में हराया। विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन तीन अंक के साथ पांचवें स्थान पर हैं। हिकारू नकामूरा को हराने के बाद उन्हें रूस के इयान नेपोनियाश्चि से पराजय झेलनी पड़ी, लेकिन तीसरे दौर में वेसली को हराया। हरिकृष्णा का सामना अब नेपोनियाश्चि से होगा, जिसके बाद आरोनियन और कार्लसन से खेलना है।

आस्ट्रेलियाई पीजीए टूर्नामेंट फरवरी तक स्थगित

ब्रिसबेन। आस्ट्रेलियाई पीजीए टूर्नामेंट कोरोना वायरस महामारी के कारण अगले साल फरवरी तक के लिए स्थगित कर दिया गया। आस्ट्रेलिया पीजीए ने बुधवार को कहा कि यूरोपीय टूर से अधिकृत यह गोल्फ टूर्नामेंट अब 18 से 21 फरवरी के बीच खेला जाएगा। पहले इसे दिसंबर की शुरुआत में आयोजित किया जाना था। विक्टोरिया प्रांत में कोरोना संक्रमण और मृत्यु दर फिर बढ़ गए हैं। मेलबर्न में लॉकडाउन और रात का कर्फ्यू लागू है। आस्ट्रेलियाई पीजीए के मुख्य कार्यकारी गेविन किर्कमैन ने कहा, कोरोना महामारी के चलते पैदा हुई अनिश्चितता के बीच इस तरह के टूर्नामेंट का आयोजन मुश्किल है। अगली तारीख को लेकर भी हम दिसंबर में समीक्षा करेंगे।

मोंटपेलियर ने लियोन को हराकर 5वां स्थान हासिल किया

पेरिस। मिडफील्डर तेजी सावानिएर के दोनों हाफ में किए गए एक एक गोल की मदद से मोंटपेलियर ने लियोन को 2.1 से हराकर फ्रेंच लीग फुटबॉल में पांचवां स्थान हासिल कर लिया। लियोन के चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में पहुंचने के कारण इस मैच के मूल निर्धारित कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ा था। लियोन को चैंपियंस लीग अंतिम चार में बायर्न म्युनिख ने हराया। सावानिएर ने 38वें और 59वें मिनट में गोल किए।

इतावली युवा मुसेत्ती ने वावरिंका को हराया

रोम। स्थानीय युवा लोरेंजो मुसेत्ती ने इटालियन ओपन टेनिस के पहले दौर में स्टान वावरिंका को 6.0, 7.6 से हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया। तीन बार के ग्रैंडस्लैम विजेता वावरिंका के हर शॉट का मुसेत्ती ने माकूल जवाब दिया। वह एटीपी टूर पर जीत दर्ज करने वाले 2002 में जन्मे पहले खिलाड़ी बन गए। वावरिंका ने अमेरिकी ओपन नहीं खेला था। मुसेत्ती 2018 अमेरिकी ओपन जूनियर फाइनल में उपविजेता था और उन्होंने 2019 में आस्ट्रेलियाई ओपन जूनियर खिताब जीता था। इटली के वाइल्ड कार्डधारी सल्वातोर कारूसो ने अमेरिकी क्वालीफायर टेनिस सैंडग्रेन को मात दी। अब उनका सामना सर्बिया के धुरंधर नोवाक जोकोविच से होगा। वहीं मुसेत्ती की टक्कर केइ निशिकोरि से होगी जो कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद अमेरिकी ओपन नहीं खेल सके थे। महिला वर्ग में कैटरीना सिनियाकोवा ने तीन बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन एंजेलिक कर्बर को 6.3, 6.1 से हराया। वहीं 16 वर्षीय अमेरिकी कोको गॉ ने ओंस जाबेउर को 6.4, 6.3 से मात दी। अब उनका सामना पूर्व फ्रेंच ओपन और विम्बलडन चैम्पियन गारबाइन मुगुरूजा से होगा जिसने स्लोएने स्टीफेंस को 6.3, 6.3 से हराया।

ओडिशा एफसी ने पूर्व ईपीएल डिफेंडर टेलर से करार किया

भुवनेश्वर। ओडिशा फुटबॉल क्लब ने हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें चरण से पहले बुधवार को इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) के पूर्व डिफेंडर स्टीवन टेलर से करार किया। इस सेंटर बैक खिलाड़ी ने एक साल का अनुबंध किया और इसमें दूसरे साल तक बढ़ाने का भी विकल्प है। स्टीवन ने 2003-04 फुटबॉल सत्र में इंग्लिश क्लब न्यूकासल यूनाईटेड की ओर से सीनियर क्लब पदार्पण किया था और 34 साल का यह खिलाड़ी प्रीमियर लीग में एक से ज्यादा दशक तक खेलने के बाद 2016 में अमेरिकी पेशेवर क्लब पोर्टलैंड टिम्बर्स में चला गया। इससे पहले वह न्यूजीलैंड की वेलिंगटन फोनिक्स एफसी के कप्तान थे जो आस्ट्रेलियाई ए लीग में हिस्सा लेती है।

'खिलाड़ियों के वेतन में कटौती से इनकार नहीं'

एजेंसी। मैनचेस्टर

इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कोविड-19 महामारी से हुए वित्तीय प्रभाव से निपटने के लिए अपने 20 प्रतिशत कर्मचारियों को हटाने की घोषणा की, जिसके बाद हरफनमौला क्रिस वोक्स को लगता है कि खिलाड़ियों से भी वेतन कटौती के लिए कहा जा सकता है। कोरोना वायरस के कारण क्रिकेट गतिविधियों के बाधित होने से ईसीबी 10 करोड़ पाउंड (100 मिलियन पाउंड) के नुकसान से जूझ रहा है और अगर इस महामारी का असर 2021 गर्मियों तक भी रहा तो नुकसान की यह राशि बढ़कर दोगुनी (20 करोड़ पाउंड) हो सकती है।

वोक्स ने पत्रकारों से कहा कि यह सचमुच ही दुखद खबर है, सचमुच। ईसीबी के लिए काफी लोग काम करते हैं, जो काफी मेहनत करते हैं और इसके संचालन के लिए काफी अहम हैं। उन्होंने कहा कि इस समय, मेरे लिए यह कहना मुश्किल है कि कहां से कटौती की जाएगी जब तक हम यह देख नहीं लेते कि शीर्ष स्तर पर क्या होता है, तभी हमें इसका ज्यादा अहसास होगा। मैं निश्चित रूप से कटौती से बिलकुल इनकार नहीं करूंगा। वोक्स ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए आप अपने अनुबंध में कुछ भी उम्मीद कर सकते हो।

ईस्ट बंगाल ने बोली के दस्तावेज जमा किए

कोलकाता। ईस्ट बंगाल ने इंडियन सुपर लीग में पदार्पण की ओर कदम बढ़ाते हुए फुटबॉल स्पोटर्स डेवलपमेंट लिमिटेड को बोली के लिए आमंत्रण के दस्तावेज जमा कर दिए। आईटीबी ईस्ट बंगाल समूह और उनके निवेशक श्री सीमेंट लिमिटेड ने जमा कराई है। क्लब ने यह जानकारी दी। आईएसएल के आयोजक अगले सप्ताह तक ईस्ट बंगाल के टूर्नामेंट में 11वीं टीम के रूप में शामिल होने की घोषणा कर सकते हैं।

खेल मंत्रालय आठ खेलों इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र को अपग्रेड करेगा

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय भविष्य के ओलंपिक चैंपियनों को तलाशने और तराशने के उद्देश्य से आठ खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्रों (केआईएससीई) को अपग्रेड करने के लिए तैयार है, जिसके लिए 95.19 करोड़ रुपये का खर्च होने का अनुमान है। मंत्रालय राज्य और केंद्र प्रशासित राज्य संघों के साथ मिलकर मौजूदा खेल ढांचों को अपग्रेड कर रहा है।

पहले चरण में जिन आठ राज्यों में केआईएससीई बनाने को मंजूरी दी गई है, वो ओडिशा, मिजोरम, तेलंगाना, मणिपुर, नगालैंड, अरूणाचल प्रदेश, कर्नाटक और केरल हैं। यह सहयोग बुनियादी ढांचे को अपग्रेड करने, खेल विज्ञान केंद्र बनाने, बेहतरीन कोच और फिजियो व स्ट्रेंथ एवं अनुकूलन विशेषज्ञों को रखने के लिए किया जाएगा।

कोरोना टीका: सरकार से ओलंपिक क्वालीफायरों को प्राथमिकता देने का आग्रह

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने बुधवार को कहा कि उसने सरकार से आग्रह किया है कि जब कोविड-19 टीका उपलब्ध हो तो ओलंपिक के लिए जाने वाले खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी जाए। भारत सहित कई देश कोरोना वायरस का टीका विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं। भारत सरकार इसे सबसे पहले कोरोना वायरस संक्रमितों के सीधे संपर्क में आने वालों, सैनिकों और कुछ निश्चित वर्ग के लोगों को मुहैया कराने पर विचार कर रही है।

एएफआई अध्यक्ष आदिले सुमारिवाला ने वेबिनार के दौरान कहा कि हम पहले ही सरकार के साथ इस पर चर्चा कर रहे हैं और उन्हें कहा है कि हमें इसकी (टीके की) जरूरत ओलंपिक के लिए जाने वाले हमारे एथलीटों के लिए है। उन्होंने कहा कि हमें सुनिश्चित करने की जरूरत है कि टीके के आने पर वे (ओलंपिक के लिए जाने वाले खिलाड़ी) उन शुरुआती लोगों में शामिल रहें जिन्हें यह दी जाए और इस संबंध में चर्चा शुरू हो चुकी है। यह पूछने पर कि अगर टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच की तरह कोई खिलाड़ी टीका नहीं लगाना चाहेगा या टीके से डोप नियंत्रण में कोई समस्या होगी तो राष्ट्रीय बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद ने कहा कि खिलाड़ी इसे लेकर उत्सुक हैं।

खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की बहाली को लेकर सुनिश्चित नहीं : गोपीचंद

एजेंसी। नई दिल्ली

टूर्नामेंटों के निलंबन और पुन: कार्यक्रम तैयार करने के कारण अभी अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन कैलेंडर तय नहीं है और ऐसे में भारतीय कोच पुलेला गोपीचंद ने बुधवार को कहा कि ट्रेनिंग दोबारा शुरू करने को लेकर खिलाड़ियों की ओर से थोड़ी अड़चनें आ रही हैं। कोविड-19 महामारी के चलते कई टीमों के हटने के कारण विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) को थॉमस एवं उबेर कप को स्थगित करने के लिए बाध्य होना पड़ा। महामारी के कारण मार्च में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं ठप पड़ने के बाद इस टूर्नामेंट के साथ अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन बहाल होना था। वैश्विक संस्था ने 20 से 25 अक्टूबर तक होने वाले डेनमार्क मास्टर्स 2020 टूर्नामेंट को भी रद्द कर दिया है।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) की ओर से आयोजित वेबिनार में गोपीचंद ने कहा कि मेरा मानना है कि हमारे खिलाड़ी इस तथ्य पर विश्वास नहीं कर रहे हैं कि हमारा बैडमिंटन कैलेंडर काफी जल्द शुरू होने वाला है। उन्होंने कहा कि इसलिए खिलाड़ियों की ओर से एक साथ जुटने और ट्रेनिंग शुरू करने को लेकर थोड़ी रुकावट आ रही है। हाल में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के पृथकवास से जुड़े नियमों को मानने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद थॉमस एवं उबेर कप के ट्रेनिंग शिविर को रद्द कर दिया गया था। गोपीचंद का हालांकि मानना है कि ट्रेनिंग की कमी चिंता का कारण नहीं है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रतिस्पर्धा शुरू करने के बाद खिलाड़ी लय में लौट आएंगे। उन्होंने कहा कि पूरी संभावना है कि डेनिश ओपन होगा और इसके शुरू होने पर खिलाड़ी और कड़ी मेहनत करेंगे। गोपीचंद ने कहा कि महामारी ने खिलाड़ियों को अलग-अलग तरह से प्रभावित किया है और कुछ खिलाड़ियों ने समय का अच्छा इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि कुछ खिलाड़ियों के लिए यह अच्छा है क्योंकि वे महामारी के कारण मिले समय का सदुपयोग कर रहे हैं, मैं सभी के लिए ऐसा नहीं कहूंगा क्योंकि ट्रेनिंग बहाल करने वाले कुछ खिलाड़ी उस लय में नहीं है जिसमें उन्हें होना चाहिए। वर्ष 2006 में भारतीय बैडमिंटन की बागडोर संभालने वाले गोपीचंद ने कहा कि देश को स्थिति से सामंजस्य बैठाना चाहिए और ऐसी लीग शुरू करना हल हो सकता है, जिसमें शीर्ष खिलाड़ी जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में एक दूसरे के खिलाफ भिड़ेंगे क्योंकि इससे वे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की बराबरी कर सकते हैं।

हम पीछे नहीं छूटना चाहते

गोपीचंद ने कहा कि दुनिया भर में खेल प्रतियोगिताएं शुरू हो गई हैं और इसका मतलब है कि हमें भी शुरुआत करनी होगी क्योंकि हम पीछे नहीं छूटना चाहते। इसका मतलब है कि हमें सामंजस्य बैठाना होगा क्योंकि हमारे देश में उस तरह के टूर्नामेंटों का आयोजन शायद संभव नहीं हो जिसके हम आदी है। उन्होंने कहा कि लेकिन शीर्ष खिलाड़ियों के बीच लीग संभव है। इसलिए अगर आप खिलाड़ियों को उनके स्तर के हिसाब से विभाजित करने और प्रतिस्पर्धा शुरू के इच्छुक हैं, तो तेजी से जैविक रूप से सुरक्षित माहौल तैयार करने में मदद मिलेगी। गोपीचंद ने कहा कि खेल से मिले ब्रेक के कारण जूनियर खिलाड़ियों पर अधिक असर पड़ेगा क्योंकि ओलंपिक के लिए जाने वाले खिलाड़ी 2021 में होने वाली प्रतियोगिता की तैयारी के लिए मिले अतिरिक्त समय का फायदा उठाएंगे। ओलंपिक के लिए जाने वाले खिलाड़ियों पर गोपीचंद के रुख से एएफआई अध्यक्ष आदिले सुमारिवाला ने भी सहमति जताई। उन्होंने कहा कि एक साल के लिए स्थगन से संभवत: एक तरीके से हमारी मदद हुई। अब उन्हें ट्रेनिंग के लिए एक साल का अतिरिक्त समय मिलेगा। मुझे लगता है कि हम अच्छा करेंगे।

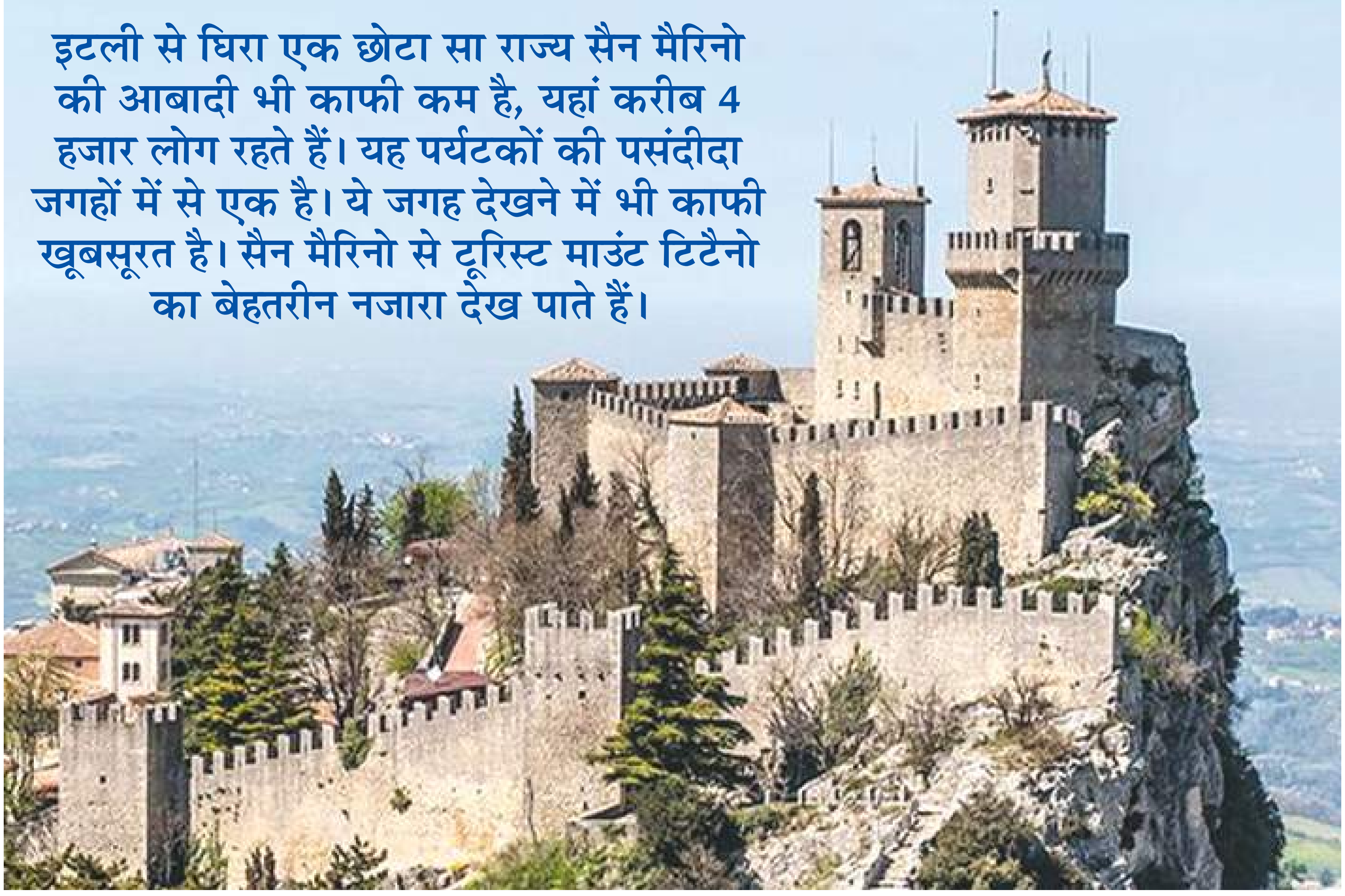

इटली से घिरा एक छोटा सा राज्य सैन मैरिनो की आबादी भी काफी कम है, यहां करीब 4 हजार लोग रहते हैं। यह पर्यटकों की पसंदीदा जगहों में से एक है। ये जगह देखने में भी काफी खूबसूरत है। सैन मैरिनो से टूरिस्ट माउंट टिटैनो का बेहतरीन नजारा देख पाते हैं।

इन जगहों की खूबसरती देखकर आप भी कहेंगे

'वाह', ट्रैवलिंग का होगा शानदार अनुभव!

कोरोना वायरस के कहर के कारण यात्राओं पर लगाम सी लग चुकी है। हालांकि, अब धीरे-धीरे पर्यटन जोर तो पकड़ रहे हैं, लेकिन अभी भी लोगों के मन में कोरोना संक्रमण फैलने का डर बरकरार है। ऐसे में पर्यटक ज्यादा आबादी वाली जगहों में जाने से बच रहे हैं और सोशल डिस्टेंसिंग का भी खास ध्यान रख रहे हैं। वहीं, अगर आप भी कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं या बनाने वाले हैं तो आइए आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताते हैं जहां कम आबादी है। आज हम आपको पांच ऐसे जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें आप अपनी ट्रेवल लिस्ट में शामिल कर भविष्य में इन जगहों की यात्रा कर सकते हैं। कम आबादी वाली यह 5 खूबसूरत जगहों को देखकर आपका मन खुश हो सकता है।

कम आबादी वाली इन जगहों में सबसे पहला नाम है पलाऊ की राजधानी नार्गुलमुद का। इस जगह को दुनिया में सबसे कम आबादी वाली राजधानियों में से एक माना जाता है।

नार्गुलमुद

कम आबादी वाली इन जगहों में सबसे पहला नाम है पलाऊ की राजधानी नार्गुलमुद का। इस जगह को दुनिया में सबसे कम आबादी वाली राजधानियों में से एक माना जाता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि यहां तकरीबन 400 लोग ही रहते हैं। पलाऊ की राजधानी नार्गुलमुद को साल 2006 में बनाया गया था। इस जगह ज्यादातर वो लोग आने पसंद करते हैं जिन्हें सरकारी इमारतें देखने अच्छा लगता है। बता दें कि पलाऊ में करीब 346 द्विप हैं, उन्हीं में से सबसे बड़े द्विप पर स्थित नार्गुलमुद है।

वाडुज

लिकटेंस्टीन की राजधानी वाडुज में करीब 5 हजार लोग रहते है। ये जगह देखने में काफी खूबसूरत है और इसे आप अपनी टूरिस्ट लिस्ट में शामिल कर सकते हैं। पहाड़ पर स्थित वडूज महल को इस शहर के हर कोने से देखा जा सकता है। बता दें कि इस शहर में कोई रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट नहीं है। यहां से सबसे नजदीकी स्टेशन भी करीब एक मील की दूरी पर है। यहां जाने के लिए बस या फिर पद यात्रा का सहारा लेना पड़ता है। यहां घूमने के लिए बहुत संख्या में पर्यटक आया करते हैं।

सैन मैरिनो

इटली से घिरा एक छोटा सा राज्य सैन मैरिनो की आबादी भी काफी कम है, यहां करीब 4 हजार लोग रहते हैं। यह पर्यटकों की पसंदीदा जगहों में से एक है। ये जगह देखने में भी काफी खूबसूरत है। सैन मैरिनो से टूरिस्ट माउंट टिटैनो का बेहतरीन नजारा देख पाते हैं। बता दें कि यूरोप के सबसे छोटे स्वतंत्र राज्यों में से एक सैन मैरिनो है। यहां के लोगों की कमाई का जरिया पर्यटन ही है।

ओपाटोवेक

पोलैंड के एक छोटे से शहर ओपाटोवेक का इतिहास बेहद पुराना और दिलचस्प है। इतिहासकारों की मानें तो इस शहर को सन् 1600 में स्वीडिश सैनिकों द्वारा तबाह कर दिया गया था। यह शहर पहले और दूसरे विश्व युद्ध के दौरान पूर्ण तौर पर तबाह हो गया था। यह शहर कई बार नष्ट हो चुका था, लेकिन फिर भी इसे बहुत जल्दी बसा लिया गया।

हम्म, क्रोएशिया

क्रोएशिया का एक छोटा सा शहर हम्म है। साल 2011 की जनगणना के मुताबिक यहां सिर्फ 30 लोग रहते हैं। यहां का इतिहास बेहद पुराना है और यहां एक संग्रहालय भी है। इस शहर का उल्लेख 1102 के डेंटिग दस्तावेजों में है। उन दस्तावेजों की मानें तो उस वक्त ये शहर चोलम के नाम से प्रसिद्ध था। इस शहर में सन् 1552 में वॉच टावर और घंटी का निर्माण किया गया था।

इन देशों में घूमने के लिए नहीं करने पड़ेंगे लाखों रुपये खर्च

जब भी किसी दूसरे देश में घूमने की बात होती है तो अक्सर बहुत से लोग सिर्फ इसलिए अपना मन मसोसकर रह जाते हैं कि इसके लिए उन्हें काफी सारे पैसे खर्च करने पड़ेंगे। खासतौर से, एक मध्यमवर्गीय परिवार के लिए विदेश जाना और घूमना यकीनन एक सपने जैसा ही है। जिसे पूरा करने की उनकी इच्छा तो होती है, लेकिन हिम्मत कभी नहीं जुटा पाते। हालांकि कुछ देश ऐसे भी होते हैं, जहां पर घूमने के लिए आपको बहुत अधिक पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं है और इसलिए आप वहां पर बिना किसी झिझक के जा सकते हैं।

भूटान

जब बजट में विदेश घूमने की बात हो तो उसमें भूटान का नाम सबसे पहले आता है। यहां घूमने के लिए आपको अपनी जेब के साथ समझौता नहीं करना पड़ेगा। यहां पर आने वाले विजिटर्स को कई बेहतरीन पैकेज मिलते हैं, जिससे वह कम दाम में भी यहां घूमने का पूरा आनंद उठा सकते हैं। यहां पर आपको कई अंचभित करने वाली घाटियों से लेकर मैजेस्टिक मोनास्ट्री तक काफी कुछ देखने को मिलता है। इस देश का मुख्य आकर्षण ताकत्संग मठ है, जो एक उच्च पर्च पर स्थित है। यहां पर जाने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से दिसंबर तक का माना जाता है।

श्रीलंका

यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों में से एक के रूप में घोषित श्रीलंका यकीनन एक सुंदर देश है, जहां पर आपको कुछ बेहतरीन परिदृश्यों देखने को मिल सकते हैं। 2000 से अधिक वर्षों की संस्कृति वाले इस देश में सुंदर समुद्र तटों से प्राचीन किलों और स्मारकों तक देखने के लिए बहुत कुछ है। वैसे तो आप यहां कभी भी जा सकते हैं, लेकिन यहां जाने का सबसे अच्छा समय दिसंबर से अप्रैल तक का माना जाता है।

थाईलैंड

इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह एशियाई देश अपने खूबसूरत समुद्र तटों और द्वीपों से अधिक के लिए जाना जाता है। पटाया और बैंकाक में असाधारण नाइटलाइफ से लेकर कोह समुई के सफेद रेत के समुद्र तटों तक, आराम और रोमांच का एक पूरा पैकेज है जो यकीनन आपकी छुट्टी को मजेदार और यादगार बनाता है। इसके अतिरिक्त, यह स्थान भारत से यात्रा करने वाले सबसे सस्ते देशों में से एक भी माना जाता है। यहां घूमने का सबसे अच्छा समय नवंबर से अप्रैल की शुरूआत है। वैसे तो इस लिस्ट में और भी कई देशों जैसे नेपाल, मलेशिया, ताइवान आदि को शामिल किया जा सकता है। लेकिन अभी कोरोना संक्रमण के कारण कहीं पर भी यात्रा करना सुरक्षित नहीं है। इसलिए अभी आप यात्रा करने का विचार कुछ समय के लिए टाल दें तो ही बेहतर होगा।

जंगल एडवेंचर का मजा लेना चाहते हैं, तो इन 5 जगहों पर जरूर जाएं

कोरोना काल में बेशक आप घूमने-फिरने न जाएं, किंतु अलग-अलग और रोमांचक जगहों के बारे में जानकर उस जगह का वर्चुअल आनंद तो ले ही सकते हैं। वर्चुअल आनंद ही क्यों, ज्यों ही कोरोना का प्रकोप कम हुआ, तो बेहतर लगने वाली जगहों पर आप अवश्य ही जाएं। हमेशा से ही जंगल अपने आप में बेहद रोमांचक और रहस्यमय होता रहा है। हालांकि, अधिकांश लोगों में जंगल की कल्पना टीवी और कहानियों के माध्यम से ही आई होगी और ऐसे बहुत कम ही लोग होंगे, जिन्हें जंगल का अनुभव होगा। सच कहा जाए तो यह देखने में जितना आसान लगता है, यहां रहना शायद उतना आसान नहीं हो, लेकिन वो एडवेंचर ही क्या, जो आसान लगे! ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसे ही भारत के विशिष्ट जंगलों के बारे में बताएंगे, जहां एडवेंचर का मजा लिया जा सकता है।

अगर आप को दुर्गम और कठिन जगहों पर जाना अच्छा लगता है तो आप उत्तराखंड के कुंजखड़क जरूर जाएं। यहां कुंजखड़क के हरे-भरे जंगल आप का मन मोह लेंगे तथा इन जंगलों में देवदार के बड़े-बड़े पेड़ भी आपको बेहद आकर्षक लगेंगे।

उत्तराखंड के कुंजखड़क

अगर आप को दुर्गम और कठिन जगहों पर जाना अच्छा लगता है, तो आप उत्तराखंड के कुंजखड़क जरूर जाएं। यहां कुंजखड़क के हरे-भरे जंगल आप का मन मोह लेंगे तथा इन जंगलों में देवदार के बड़े-बड़े पेड़ भी आपको बेहद आकर्षक लगेंगे। कुंज खड़क पर राप्ती नदी दिखेगी, जो कि भारत और नेपाल की सीमा को बांटती है। इस जंगल में ट्रैकिंग के लिए अक्टूबर से अप्रैल तक का महीना बेस्ट कहा जाता है और उत्तराखंड के कुंजखड़क की शुरुआत हिमालय की तलहटी में कोरबात के पास स्थित है।

पाली वॉटरफॉल ट्रैक गोवा

गोवा को खूबसूरत बीजों के लिए जाना जाता है और यहां पर पाली वाटरफॉल भी बेहद प्रसिद्ध है। लेकिन यहां पर घने जंगल भी पाए जाते हैं और इन्हीं जंगलों में ट्रेकिंग का मजा लिया जाता है। हालांकि पाली वॉटरफॉल ट्रैक पर बहुत सारे जंगली और खतरनाक जानवर के साथ-साथ जहरीले सांप भी पाए जाते हैं जिनमें कोबरा भी शामिल है। ऐसे में इस जंगल में ट्रेकिंग करना काफी चुनौतीपूर्ण रहता है, लेकिन अगर आप ट्रेकिंग के माहिर हैं तो आप इस वाटर फॉल पर जरूर जाएं।

बिंसार जीरो पॉइंट ट्रैक

उत्तराखंड में बसे इस जंगल में जाने के लिए आपको बिंसार वन्य जीव अभ्यारण से होकर जाना पड़ेगा। हालांकि यह अपेक्षाकृत काफी आसान ट्रैकिंग माना जाता है, लेकिन यहां ट्रैकिंग का बेहद आनंद आप अवश्य ही उठा सकते हैं। बिहार के जंगलों में कई सारे जानवर भी आपको देखने को मिलेंगे, जिनमें लंगूर बंदर आदि शामिल हैं। यहां जाने के लिए अक्टूबर से नवंबर और फरवरी मार्च के बीच अच्छा समय माना जाता है, क्योंकि ऐसे समय में यहां

बारिश नहीं होती है और बर्फ भी नहीं पड़ी होती।

मुदुमलई तमिलनाडु

तमिलनाडु के मुदु मलई में स्थित यह नेशनल पार्क काफी फेमस है और यहां ट्रेकिंग के लिए देशभर से लोग आते हैं। यहां पर यात्रियों की सुविधा के लिए कई सारे होटल तक खुले हुए हैं और यहां आस-पास के बसे गांव में भी लोग रहने की सुविधा उपलब्ध कराते हैं। यहां आने के लिए बेस्ट समय नवंबर से फरवरी का होता है।

सीताबनी ट्रैक उत्तराखंड

उत्तराखंड में ही सीताबनी ट्रैक भी काफी मशहूर है और यह जिम कार्बेट सीताबनी काफी लोगों में चर्चित भी है। इसकी शुरुआत होती सिताबनी मंदिर से और भोला मंदिर पर खत्म होती है। यहां के जंगल में आपको हाथी, शेर और भालू देखने को मिल जाएंगे। सीताबनी आने के लिए सबसे अच्छा समय अक्टूबर से अप्रैल तक का माना गया है।

आंध्र प्रदेश का खूबसूरत शहर 'चित्तूर', एक बार जरूर करें यहां की सैर

'हॉर्सले हिल्स' चित्तूर आने वाले लोगों की लिस्ट में जरूर शामिल रहता है। नवविवाहित जोड़े अक्सर हॉर्सले हिल्स पर घूमने के लिए आते हैं। यहां आपको ट्रेकिंग के साथ-साथ छोटा सा चिड़ियाघर भी देखने को मिलेगा, जहां का पार्क बेहद खूबसूरत बनाया गया है।

घूमने वाले लोगों को अक्सर नए जगहों की तलाश रहती है, जहां वह कुछ अलग देख और महसूस कर सकें। ऐसे में अगर आप भी कोई नई जगह तलाश कर रहे हैं, तो आप आंध्र प्रदेश के चित्तूर जरूर जाएं। यहां आने के बाद आपकी नए जगह की तलाश पूरी होगी। संस्कृति और परंपराओं से समृद्ध चित्तूर शहर आप का मन मोह लेगा, क्योंकि यहां का प्राकृतिक सौंदर्य बेहद अनोखा है। इसके साथ ही चित्तूर, ऐतिहासिक रूप से भी काफी समृद्ध रहा है। यहां आपको कई सारी ऐतिहासिक इमारतें देखने को मिलेंगी।

गुर्रमकोंडा किला

विजयनगर साम्राज्य से संबंध रखने वाला यह किला 500 फीट की ऊंची चोटी पर बनाया गया है। यूं यह किला शुरुआत में मिट्टी और चट्टान से निर्मित किया गया था, लेकिन बाद में गोलकोंडा सुल्तानों ने जब इस किले पर शासन किया तो उन्होंने बेहद मजबूत चट्टानों से इसका निर्माण किया। कहा जाता है कि सुल्तान हैदर अली और टीपू सुल्तान भी इस किले पर शासन कर चुके हैं।

हॉर्सले हिल्स

'हॉर्सले हिल्स' चित्तूर आने वाले लोगों की लिस्ट में जरूर शामिल रहता है। नवविवाहित जोड़े अक्सर हॉर्सले हिल्स पर घूमने के लिए आते हैं। यहां आपको ट्रेकिंग के साथ-साथ छोटा सा चिड़ियाघर भी देखने को मिलेगा, जहां का पार्क बेहद खूबसूरत बनाया गया है।

कलावगुंटा

यह शहर एरगोन्डा और पोन्नायी नदियों के संगम पर बना हुआ है। यहां आपको प्राचीन काल के बेहद खूबसूरत मंदिर देखने को मिलेंगे, जो अपने स्थापत्य कला से आप का मन मोह लेंगे।

कौण्डिन्य वन्यजीव अभ्यारण्य

कौण्डिन्य सेंक्चुरी में आपको कोई सारे स्थानीय वन्यजीव देखने को मिलेंगे, जो लगभग विलुप्त प्राय हो गए हैं। यहां आपको हिमालयन काले भालू, स्लोथ बीयर, हाथी, हाइना, दरियाई घोड़े जैसे जानवर मिलेंगे।

कैसे पहुंचे चित्तूर?

यहां पहुंचना बेहद आसान है, क्योंकि यह शहर हवाई, रेल मार्ग तथा सड़क मार्ग के द्वारा भारत के सभी प्रमुख शहरों से जुड़ा हुआ है। अगर आप हवाई मार्ग से यहां आने की सोच रहे हैं तो यहां पर निकटतम हवाई अड्डा तिरुपति हवाई अड्डा है, जो यहां से लगभग 60 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। वहीं नजदीकी रेलवे स्टेशन की बात करें जो चित्तूर जंक्शन है। यहां से भारत के सभी बड़े शहरों से नियमित तौर पर ट्रेनें आती हैं। सड़क मार्ग से भी आप यहां आसानी से आ सकते हैं, क्योंकि सभी बड़े शहरों से वातानुकूलित बसें यहां सीधी आती हैं।

कब आएं चित्तूर?

आंध्र प्रदेश में बेहद गर्मी पड़ती है। ऐसे में यहां गर्मी के मौसम में आना समझदारी भरा निर्णय नहीं होगा, इसीलिए आप सितंबर से फरवरी महीने के बीच में कभी भी आ सकते हैं। चूंकि इस दौरान यहां पर तापमान 20 से 25 डिग्री के आसपास रहता है। हालांकि, लोग अभी कोविड-19 के दौर में यात्रा करने से बच रहे हैं, पर लिस्ट तैयार रखें और जैसे ही स्थितियां अनुकूल हों, चित्तूर अवश्य जाएं और अपने गौरवशाली इतिहास से रूबरू हों!